बुधवार
20 मार्च 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

जदयू के राष्ट्रीय महासचिव अली अशरफ का इस्तीफा 2

उत्तर प्रदेश की 80 सीटों पर 'आधी आबादी' देगी डबल इंजन सरकार को पूरा आशीर्वाद

केटी न्यूज ब्यूरो/लखनऊ

उत्तर प्रदेश की आधी आबादी हर बार की तरह इस बार भी चुनावों में बड़ा फैक्टर साबित होने जा रही है। सभी पार्टियां आधी आबादी को लुभाने में लगी हुई हैं, लेकिन यदि पिछले कुछ चुनावों में वोटिंग पैटर्न पर नजर डालें तो आधी आबादी का रुझान पीएम मोदी और सीएम योगी के समर्थन में रहा है। 2014 से आए इस बदलाव में 2017 के बाद और मजबूती आई है। विगत 7 वर्षों में डबल इंजन सरकार ने महिला केंद्रित योजनाओं को आगे बढ़ाकर आधी आबादी को और सशक्त किया है। योगी सरकार प्रदेश में बेटियों के जन्म से लेकर उनकी शिक्षा और विवाह तक के लिए योजनाएं चला रही हैं।

वहीं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी कई तरह की योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश में लॉ

एंड ऑर्डर की बेहतर स्थिति के चलते महिलाएं अब बिना भय के जीवनयापन कर पा रही हैं। राज्य की महिला श्रम बल में भागीदारी दर 32.10 प्रतिशत पहुंच चुकी है। सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के साथ ही आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहीं महिलाएं इस बार 80 में 80 सीटें जीतने के पीएम मोदी के संकल्प को पूरा करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में कुल मतदाताओं की संख्या 15.34 करोड़ है, जिसमें महिला मतदाताओं की संख्या 7.17 करोड़ है, जो डिसाइडिंग फैक्टर साबित हो सकता है।

मिली सुरक्षा तो आत्मनिर्भर हुई यूपी की महिलाएं

महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित करने के सीएम योगी के संकल्प के साथ ही किए गए प्रयासों के सकारात्मक नतीजे सामने आए हैं। पीरियॉडिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य की महिला श्रम बल में भागीदारी दर 2017-18 में 14.2 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 32.10 प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य में महिलाओं के उत्थान के लिए समर्पित प्रयास किए गए, जिसके परिणामस्वरूप यह वृद्धि हुई है। पिछले 7 वर्ष में योगी सरकार की नीतियों को देखें तो 'महिला सशक्तिकरण' शीर्ष प्राथमिकता के रूप में साफ दिखाई देता है। रोजगार के लिए जो योजनाएं शुरू की गईं, उसमें महिलाओं को बराबर का भागीदार बनाया जा रहा है। मुद्रा योजना गांव-गांव में, गरीब परिवारों से भी नई-नई महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित कर रही है। इस योजना के तहत पूरे देश मिले कुल ऋण में से लगभग 70 प्रतिशत महिलाओं को दिए गए हैं। दीनदयाल अंत्योदय योजना के जरिए भी देश भर में महिलाओं को सेल्फ हेल्प ग्रुप्स और ग्रामीण संगठनों से जोड़ा जा रहा है। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत 2014 से पहले के 5 वर्षों में जितनी मदद दी गई, बीते 7 साल में उसमें लगभग 13 गुणा बढ़ोतरी की गई है। हर सेल्फ हेल्प ग्रुप को पहले जहां 10 लाख रुपए तक का बिना गारंटी का ऋण मिलता था, अब ये सीमा भी दोगुनी यानि 20 लाख की गई है।

शिक्षा से लेकर विवाह तक का किया जा रहा प्रबंध

महिलाओं और बच्चों से जुड़े अपराध में सजा दिलाने में यूपी पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदेश बनकर उभरा है। महिलाएं रात की पाली में भी काम कर सकें, इसके लिए नियमों को आसान बनाने का काम सरकार ने किया। खदानों में महिलाओं के काम करने पर जो कुछ बंदिश थी, वो सरकार ने हटाई है। देशभर के सैनिक स्कूलों के दरवाजे, लड़कियों के लिए खोल देने का काम भी ऐतिहासिक है। बलात्कार जैसे संगीन अपराधों की त्वरित सुनवाई के लिए योगी सरकार ने 218 फास्ट ट्रैक कोर्ट्स स्थापित किए हैं। बालिकाओं को शिक्षा के अवसर प्रदान करने के लिए संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत सहायता राशि 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार कर दी गई है।

केंद्र की योजनाओं का भी मिल रहा लाभ

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत प्रदेश में 1.75 करोड़ परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिया जा चुका है। होली व दीपावली में नि:शुल्क एलपीजी सिलेंडर दिया गया है। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अभी तक प्रदेश में 55.83 लाख आवास निर्मित किए गए हैं। इनमें अधिकांश आवास मातृशक्ति के नाम आंवटित किए गए हैं। पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 17 लाख स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण वितरित किया जा चुका है। इनमें 2 लाख से अधिक महिलाओं को ऋण दिया गया है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रदेश में अब तक 2.61 करोड़ शौचालयों (इज्जतघर) का निर्माण कराया जा चुका है। इसके अतिरिक्त नगरीय निकायों में 4,500 पिंक शौचालय निर्मित कराए गए हैं।

पुरुषों से ज्यादा वोटिंग में महिलाओं की दिलचस्पी

यूपी में महिला मतदाताओं की भागीदारी लगातार बढ़ती जा रही है। वर्तमान में सीएम योगी आदित्यनाथ को कुर्सी तक पहुंचाने में महिला वोटर्स की हिस्सेदारी काफी महत्वपूर्ण रही है। बीते कुछ वर्षों में यूपी में वोटिंग पैटर्न कुछ ऐसा रहा है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं ज्यादा वोट कर रही हैं। साल 2017 में 63.31 फीसद महिला मतदाताओं ने वोट किया था, जबकि 2019 लोकसभा में यह प्रतिशत 67.18 रहा। एक अनुमान के मुताबिक महिला वोटिंग में पिछले तीन दशकों में 15 फीसद तक की बढ़त हुई है। महिलाओं में बढ़ती राजनीतिक चेतना के साथ-साथ चुनावों में उनकी रुचि का यह साफ संकेत है। महिलाएं राजनीतिक रूप से अपनी स्थिति को पहले से बेहतर समझ रही हैं और निर्णायक वोट बैंक के तौर पर उभर रही हैं।

खबरें फटाफट

संजय मुखर्जी बने प. बंगाल के नए डीजीपी

कोलकाता। केंद्रीय चुनाव आयोग ने संजय मुखर्जी को पश्चिम बंगाल का नया डीजीपी नियुक्त किया है। आयोग ने लोकसभा चुनावों का ऐलान करने के बाद 18 मार्च को एक दिन पहले पश्चिम बंगाल के डीजीपी और छह राज्यों के गृह सचिवों को हटाने का आदेश दिया था। आयोग के आदेश के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने आईपीएस विवेक सहाय को राज्य का नया डीजीपी नियुक्त किया था। आयोग ने राज्य सरकार के फैसले को बदलते हुए अब संजय मुखर्जी डीजीपी नियुक्त किया है। अभी तक राज्य के डीजीपी की कमान आईपीएस राजीव कुमार के पास थी। संजय मुखर्जी 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। पिछले साल जब राज्य सरकार ने जब आईपीएस राजीव कुमार को डीजीपी बनाया था तक संजय मुखर्जी डीजीपी बनने की दौड़ में थे।

एनडीए में शामिल होगी मनसे

नई दिल्ली। 2024 लोकसभा चुनावों से पहले महाराष्ट्र में महायुति का विस्तार होगा। बीजेपी के अगुवाई वाले सत्तारूढ़ गठबंधन में राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नव निर्माण सेना भी शामिल होगी। महायुति में मनसे चौथी सहयोगी बनेगी। पिछले 24 घंटे की हलचल के बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के एनडीए गठबंधन का हिस्सा बनना लगभग तय हो गया है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे गठबंधन के फामूर्ले को अंतिम रूप देने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर मुलाकात की है।

बिहार में एनडीए से एक भी सीट नहीं मिलने से बढ़ी नाराजगी

बागी हुए पशुपति कुमार पारस केंद्रीय मंत्री पद से दिया इस्तीफा

- राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले- मेरे साथ साथ नाइंसाइफी हुई है
- कहा- अब आगे की राजनीति पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकताओं के साथ बैठ बातचीत के बाद तय करेंगे

केटी न्यूज/पटना

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस ने एनडीए गठबंधन से अलग होने का फैसला लिया है। इसके साथ ही पशुपति कुमार पारस ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री पद से भी इस्तीफा दे दिया। सोमवार को बिहार में एनडीए गठबंधन के बीच हुए सीट शेयरिंग में पशुपति कुमार पारस की पार्टी को एक भी सीट नहीं मिलने से वह नाराज हैं। इस्तीफे की घोषणा करते हुए पशुपति कुमार पारस ने कहा कि कि उनके साथ नाइंसाइफी हुई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पशुपति कुमार पारस ने कहा- 'कैबिनेट मंत्री पद से मैं त्यागपत्र देता हूं। मेरे साथ नाइंसाफी हुई है। कहा- अब आगे की राजनीति हम अपनी पार्टी के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ बैठकर उनसे बातचीत के बाद तय करेंगे। इस्तीफे की घोषणा करने के दौरान पशुपति कुमार पारस ने कहा कि उनके साथ नाइंसाफी हुई है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा- 'मैं आज भी पीएम मोदी का शुक्रगुजार हूं।' पशुपति ने पिछले दिनों कहा था कि वह हाजीपुर लोकसभा सीट से चुनाव जरूर लड़ेंगे। हालांकि पशुपति पारस ने यह साफ नहीं किया कि वह इंडिया गठबंधन में जाएंगे या नहीं। बता दें कि पशुपति पारस की पार्टी के प्रवक्ता श्रवण अग्रवाल ने कहा कि एक दो दिनों में पार्टी के सारे जिलाध्यक्षों व पदाधिकारियों और दलित सेना की बैठक होगी, उसके बाद आगे का फैसला लिया जाएगा।

महागठबंधन का दामन थाम सकते हैं पशुपति पारस

एक ही टिकट मिलने से उपेन्द्र कुशवाहा भी खासे नाराज

खबर है कि पशुपतिनाथ पारस महागठबंधन का दामन थाम सकते हैं और आरजेडी उन्हें तीन टिकट देकर चुनावी गठबंधन का हिस्सा बना सकती है। लंबे समय से दिल्ली में अपनी पार्टी के लिए टिकट मांग रहे उपेन्द्र कुशवाहा के लिए भी एनडीए में स्थितियां सही नहीं है। उपेन्द्र कुशवाहा तीन की जगह दो टिकट कम से कम चाह रहे थे। लेकिन एक ही टिकट दिए जाने के बाद से उपेन्द्र कुशवाहा भी खासे नाराज हैं। पशुपतिनाथ पारस को वेलकम करने के लिए लालू प्रसाद की पार्टी तैयार है। आरजेडी उन्हें तीन सीटें देने को लेकर भी मन बना चुकी है। ऐसे में ये तय माना जा रहा है कि पशुपतिनाथ पारस मोदी सरकार से नाता तोड़कर लालू प्रसाद के साथ जा सकते हैं और आने वाले लोकसभा चुनाव में हाजीपुर से उम्मीदवार बनकर सीधा चिराग को पटखनी देने का मन बना चुके हैं।

दरअसल लड़ाई असली लोजपा की थी और चिराग ने एनडीए में अपनी बात मनवा कर साबित कर दिया कि बीजेपी दिवंगत नेता रामविलास पासवान की वारिस के तौर पर चिराग पासवान को ही नेता मान चुकी है। जाहिर है ऐसा महागठबंधन में आरजेडी भी मानती है। लेकिन चुनावी रणनीति और कुछ सीटों पर जातिगत गणित को साधने के लिए लालू प्रसाद नया दांव चलने के फिराक में हैं। लालू प्रसाद चाहते हैं कि हाजीपुर में चिराग के खिलाफ नामचीन उम्मीदवार पशुपतिनाथ पारस हो सकते हैं वहीं आरजेडी के समर्थकों के वोटों की मदद से चिराग पासवान को हाजीपुर में घेरा जा सकता है। इसलिए लालू प्रसाद हाजीपुर ही नहीं बल्कि नवादा और कुछ अन्य सीटों पर भी पशुपतिनाथ पारस के गुट के सांसदों को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारने के पक्षधर बताए जा रहे हैं।

सूरजभान सिंह के परिवार से किसी को दिया जा सकता है टिकट

सूरजभान सिंह असली एलजेपी में रामविलास पासवान के बेहद करीबी माने जाते थे। रामविलास पासवान के निधन के बाद सूरजभान सिंह पर चिराग पासवान का भरोसा कहीं ज्यादा था, लेकिन एलजेपी में टूट के बाद सूरजभान सिंह का बदला रवैया चिराग के लिए हैरान करने वाला था। सूत्रों के मुताबिक असली एलजेपी में टूट को लेकर चिराग जितने नाराज अपने चाचा पशुपतिनाथ पारस से हैं उससे कहीं ज्यादा सूरजभान सिंह से भी हैं। इसलिए सूरजभान सिंह के भाई चंदन सिंह के लिए भी चिराग ने अपनी पार्टी का दरवाजा बंद कर लिया है। लालू प्रसाद का कैंप भूमिहार बाहुल्य नवादा सीट से सूरजभान सिंह के भाई या पत्नी को टिकट ऑफर कर सकते हैं। माना जा रहा है कि एनडीए में कैबिनेट एक्सपेंशन के बाद भूमिहार समाज में उपजी नाराजगी को सूरजभान सिंह के परिवार को टिकट देकर आरजेडी भूमिहारों में सेंधमारी की सोच रही है। आरजेडी मान रही है कि विश्वास प्रस्ताव के दरमियान भूमिहार बाहुबली नेता अनंत सिंह की पत्नी द्वारा पाला बदले जाने के बाद सूरजभान सिंह पर दांव खेलना भूमिहारों में सकारात्मक संदेश भेज सकता है। इसलिए आरजेडी को लेकर भूमिहार समाज में सकारात्मक छवि बन सकती है।

पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापन मामले में बाबा रामदेव को कोर्ट में पेश होने का आदेश

एजेंसी/नई दिल्ली

आयुर्वेदिक कंपनी पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापन से जुड़े मामले में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने संस्था की ओर से विज्ञापन प्रकाशित करने पर अब पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं अब इस मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने रामदेव को नोटिस जारी करते हुए कोर्ट में पेश होने को कहा है। साथ ही कोर्ट ने उनसे पूछा है कि उनके खिलाफ आखिर अवमानना की कार्यवाही क्यो न शुरू कर दी जाए। मामले में सुनवाई करते हुए कोर्ट ने रामदेव के वकील से सवाल पूछते हुए कहा कि अबतक आपने जवाब दाखिल क्यों नहीं किया है। अब हम अदालत में आपके मुवक्किल को पेश होने को कहेंगे। रामदेव को पक्षकार बनाएंगे। मामले

में आचार्य बालकृष्ण और रामदेव दोनों को कोर्ट में पेश होना पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले में हम सुनवाई टालने नहीं जा रहे। वहीं, केंद्रीय आयुष मंत्रालय को फटकार लगाते हुए कोर्ट ने कहा कि जवाब दाखिल एक दिन पहले क्यों किया। इसपर मंत्रालय ने कोर्ट को जवाब देते हुए बताया कि इसके समुचित जवाब देने के लिए वक्त चाहिए।

आपको बता दें, भ्रामक विज्ञापन के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले ही पतंजलि आयुर्वेद को अवमानना नोटिस जारी किया था. इसके साथ ही आचार्य बालकृष्ण को भी दिया गया था। जिसमें कोर्ट ने ती हफ्ते के भीतर जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए थे। मगर मामले में जवाब नहीं दिया गया था। बता दें, पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ भ्रामक विज्ञापन करने का आरोप लगाते हुए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि पतंजलि आयुर्वेद ने कोविड-19 वैक्सीनेशन को लेकर एक कैंपेन आयोजित किया था। जिसपर कोर्ट ने चेतावनी दी थी कि पतंजलि आयुर्वेद कंपनी की तरफ से भ्रामक और झूठे विज्ञापन बंद होने चाहिए। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने कोर्ट में दायर याचिका में यह भी कहा था कि एलोपैथी दवाइयों की पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन से उपेक्षा हो रही है। आगे कहा था कि पतंजलि के दावों की पुष्टि नहीं हुई है और यह कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट 2019 और ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज एक्ट 1954 जैसे कई कानूनों का सीधा उल्लंघन है।

जेएमएम प्रमुख शिबू सोरेन के नाम पत्र लिख सीता सोरेन ने उपेक्षा करने का लगाया आरोप

हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन ने थामा भाजपा का दामन

केटी न्यूज/रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) विधायक और झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन ने झामुमो की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और वह बीजेपी में शामिल हो गई हैं। सीता सोरेन ने एक लेटर जेएमएम प्रमुख शिबू सोरेन के नाम लिखा है,जिसमें वह पार्टी और परिवार में हुई उपेक्षा का जिक्र कर रही हैं। सीता सोरेन के इस्तीफे से जुड़ा एक लेटर सोशल मीडिया पर मौजूद है। लेटर में लिखा हैझमेरे स्वर्गीय पति श्री दुर्गा सोरेन जो झारखंड आंदोलन के महान क्रांतिकारी थे। उनके निधन के बाद से ही मैं और मेरा परिवार लगातार उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं। पार्टी और परिवार के सदस्यों द्वारा हमें अलग-थलग किया गया है। यह मेरे लिए अत्यंत पीड़ादायक रहा है। मैंने उम्मीद की थी कि समय के साथ हालात बदलेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सीता सोरेन ने और भी कई बातें इस लेटर में लिखी हैं और आखिर में अपने इस्तीफे की बात भी लिखी है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किए जाने के बाद जब उनकी पत्नी कल्पना सोरेन को सीएम बनाने के कयास लगाए जाने लगे पार्टी सुप्रीमो शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन ने खुले तौर पर कहा कि वह कल्पना सोरेन को मुख्यमंत्री बनाने के किसी भी कदम का विरोध करेंगी। उस दौरान सीता सोरेन ने मीडिया से बात करते हुए कहा था मैं पूछना चाहती हूं कि केवल कल्पना सोरेन ही क्यों, जो विधायक भी नहीं हैं और उनके पास कोई राजनीतिक अनुभव भी नहीं है। सीता ने सवाल उठाया कि किस परिस्थिति में उनका (कल्पना का) नाम अगले मुख्यमंत्री के तौर पर लिया जा रहा है, जबकि पार्टी में इतने सारे वरिष्ठ नेता हैं।

वहीं सीता सोरेन के बीजेपी में शामिल होने पर जेएमएम सांसद महुआ माजी का कहना है, हम सभी हैरान हैं। हमें ज्यादा जानकारी नहीं है कि उन्होंने ऐसा क्यों किया। यह लेकिन पार्टी अभी संकट के दौर से गुजर रही है। इसलिए, मुझे लगता है सभी को थोड़ा धैर्य रखना चाहिए। यह हमारी पार्टी के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

सीता बोलीं... झारखंड में जमीन की लूट चरम पर है

बीजेपी में शामिल होने के बाद सीता सोरेन ने कहा, मैं पीएम मोदी, अमित शाह, जेपी जी को धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने अपने विशाल परिवार में मुझे जगह दी है। मेरा मकसद भी बहुत बड़ा है क्योंकि मेरे स्वर्गीय पति के खून से सींची हुई यह पार्टी है। उनका बड़ा सपना था झारखंड को लेकर। हमने आज तक प्रयास किया कि हम झारखंडियों के लिए काम करें, लेकिन वो जगह हमें नहीं मिली। हेमंत सोरेन पर लगे आरोपों पर सीता सोरेन ने कहा, 'कुछ ना कुछ ऐसा हुआ ही होगा, क्योंकि झारखंड में जमीन की लूट चरम पर है। वहां के लोग त्रस्त हैं। आज जिस जगह मैं पहुंची हूं, आने वाले दिनों में हम झारखंड में बहुत बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। मेरे साथ बहुत कुछ हुआ। 14 साल मैंने पार्टी में काम किया लेकिन सम्मान के नाते मुझे पार्टी में कोई पोर्टफोलियो नहीं दिया गया और पार्टी से मुझे हमेशा अलग-थलग रखा गया।

राजद में जाने की चर्चा, मधुबनी से लोकसभा का चुनाव लड़ने की तैयारी

जदयू के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मंत्री अली अशरफ फातमी ने छोड़ा नीतीश कुमार का साथ

केटी न्यूज/पटना

बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए एनडीए में सीट बंटवारा हो गया है। सीट बंटवारे के एक दिन बाद मंगलवार को नीतीश कुमार को बड़ा झटला लगा है। जदयू के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मंत्री अली अशरफ फातमी ने नीतीश कुमार का साथ छोड़ दिया है। अली अशरफ फातमी ने जेडीयू की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनके राजद में शामिल होने की चर्चा कई दिनों से चल रही है। अली अशरफ फातमी ने अपने इस्तीफे में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लिखा है- 'मैं नैतिक मूल्यों की रक्षा हेतु जनता दल यूनाइटेड के सभी पदों सहित प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं। कृपया स्वीकृति प्रदान की जाए।

जानकारी के अनुसार, अली अशरफ फातमी 20 या 21 मार्च को

राजद की सदस्यता ग्रहण कर सकते है। चर्चा है कि राजद उन्हें मधुबनी से टिकट देकर लोकसभा चुनाव लड़वाना चाहती है। बता दें, फातमी दरभंगा से जनता दल और राजद से चार बार सांसद रह चुके हैं। इतना ही नहीं राजद से जीतने के बाद उन्हें शिक्षा राज्य मंत्री भी बनाया गया था। पिछले लोकसभा चुनाव में राजद ने उन्हां टिकट नहीं दिया था। इस बात से नाराज होकर उन्होंने जदयू की सदस्यता ले ली थी।

1991 के लोकसभा चुनाव में अली अशरफ फातमी जनता दल के टिकट पर चुनाव जीते थे। इसके बाद 1996 और 1998 में भी अली अशरफ फातमी ने जीत बरकरार रखी। 1999 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर पूर्व मुख्यमंत्री भागवत झा आजाद के बेटे और पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद ने अली अशरफ को शिकस्त देकर पहली बार दरभंगा के सांसद बने। 2004 और 2009 में हुए लोकसभा चुनाव में फिर राजद के टिकट पर अली अशरफ फातमी चुनाव जीत गए। चुनाव जीतने के बाद उन्हें केंद्र सरकार में केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री बनाया गया था। लेकिन 2014 के लोकसभा के चुनाव राजद ने फातमी को बेटिकट कर दिया, जिससे नाराज होकर वे पहले मधुबनी लोकसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ा। इसके बाद उन्होंने जदयू की सदस्यता ग्रहण की, जहां उन्हें राष्ट्रीय महासचिव तो बना दिया गया था, लेकिन उन्हें पार्टी में कोई उचित स्थान नहीं मिल पा रहा था।

नीतीश को 75 साल की उम्र में कौन पूछ रहा : पीके

पटना। इसी बीच जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार पर तंज कसा है। प्रशांत किशोर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आप लोग बिहार में बैठकर नीतीश कुमार को जितना बड़ा नेता बनाते हैं, उतने वो हैं नहीं। हम भी प्रदेश की राजनीति को थोड़ा-बहुत समझते हैं। 42 विधायकों वाली पार्टी चला रहे नीतीश कुमार को 75 साल की उम्र में पूछ कौन रहा है। आप लोगों ने तो बिहार में हल्ला किया कि इंडिया गठबंधन से प्रधानमंत्री के फेस होंगे, संयोजक तक तो बनाया नहीं। प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार ने नाम रखा दूसरा, तो नाम बदलकर कर दिया 'इंडिया' कर दिया गया। ये बात करने गए कुछ, तो इनको कोई तरजीह ही नहीं मिली। खुद से मुंह मियां मिट्ठू होने वाली बात है। नीतीश कुमार की क्या हैसियत है कि वो बन जाएंगे। भईया, देश में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस है। कांग्रेस अपना छोड़कर इनको क्यों बना देगी? दूसरे नंबर पर तृणमूल है। तृणमूल अपना छोड़कर इनको क्यों मान लेगी? तीसरे नंबर पर डीएमके है, वो अपना छोड़ इनको क्यों पीएम का चेहरा मान लेगा? आखिर में नीतीश कुमार को इंडिया गठबंधन छोड़ना पड़ा।

थाना में लगे नल से पानी भरने पर दलित बच्चे को पुलिसवालों ने पीटा, गुस्साए लोगों ने किया पथराव

केटी न्यूज/हाजीपुर

हाजीपुर के जाढ़ूआ ओपी परिसर में लगे नल से पानी भरना एक दलित बच्चे को भारी पड़ गया। पानी भरने पर पुलिस ने उसकी पिटाई कर दी। इस घटना से आक्रोशित लोगों ने जमकर हंगामा मचाया और ओपी पर पथराव कर दिया। पथराव की इस घटना में दो पुलिस कर्मी घायल हो गए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए किशोर समेत चार लोगों को हिरासत में लेकर नगर थाना भेज दिया। पुलिस कर्मियों के इस रवैय्ये से लोगों में खासा आक्रोश देखने को मिल रहा है। जिस रोहित नामक किशोर की पिटाई की गयी उसकी बहन ने बताया कि भाई को तो पीटा ही गया मुझे और मेरी मां को भी पुलिस वालों ने पीट डाला। पुलिस कर्मियों ने मां का ब्लाउज फाड़ डाला। स्थानीय मालती देवी ने बताया कि दलित हो कल पर पानी लेने मत आना मेरा कल छुआ जाएगा। बच्चा कान पकड़कर उठक बैठक करने लगा माफी मांगने लगा फिर भी किसी पुलिस कर्मी को दया नहीं आई।

बताया जाता है कि मंगलवार को सुबह 9 बजे के करीब नगर थाना अंतर्गत जाढ़ूआ ओपी परिसर में लगे नल से स्थानीय उमेश पासवान के 17 वर्षीय पुत्र रोहित पासवान पानी लेने गया था। जैसे ही किशोर पानी लेकर चला ही था कि ओपी अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने किशोर को बुलाकर पिटाई करने लगे उसे ले जाकर कमरे में बंद कर दिया। किशोर की पिटाई की जानकारी मिलते ही परिजन ओपी पहुंचे और रोहित के बारे में पूछने लगे जिससे ओपी अध्यक्ष आगबबूला हो गये और किशोर के मां मालती देवी एवं बहन प्रीति कुमारी की भी पिटाई कर दी। पीड़ित किशोर ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने अनुसूचित जाति शब्द का प्रयोग करते हुए गाली गलौज किया। जिसके बाद उसकी जमकर पिटाई की। परिजनों ने बताया कि पुलिस द्वारा बार-बार यह कहा जाता है कि तुमलोग अछूत हो तो नल से पानी क्यों भरते हो?

पूर्व में भी पानी भरने को लेकर पुलिस ने मना किया था। किशोर एवं परिजनों की पिटाई की जानकारी मिलते ही भारी संख्या में दलित बस्ती के लोग ओपी परिसर पहुंच गये और हंगामा करने लगे। इसी दौरान किशोर को नहीं छोड़ने पर लोगों ने थाने पर पथराव कर दिया जिसमें दो पुलिस कर्मी सुनील और थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार घायल हो गए। लोगों के पथराव किए जाने के बाद पुलिस ने किशोर एवं उसकी मां समेत चार लोगों को हिरासत में लेकर नगर थाना भेज दिया।

सेना के जवानों को लेकर जा रही स्पेशल ट्रेन डिरेल

केटी न्यूज/पटना

बिहार के बगहा रेलवे स्टेशन के समीप बड़ा रेल हादसा टल गया। सेना के जवानों को लेकर जा रही स्पेशल ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद ट्रैक से उतरने के साथ दो पार्ट में बंट गई है। सेना के जवानों के साथ सेना की गाड़ियां भी इस स्पेशल ट्रेन पर लदी है। बताया जाता है कि राजस्थान से पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी 1907 बटालियन विशेष ट्रेन से जा रही थी। करीब तीन बोगी रेल लाइन से उतरी है। घटना गोरखपुर-नरकटियागंज के बीच बगहा रेलवे स्टेशन की है जिसके बाद आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।

पश्चिम चपारण के डीएम दिनेश कुमार राय ने बताया कि रेल दुर्घटना की सूचना के बाद एसपी बगहा और एसडीएम बगहा के नेतृत्व जवानों की तैनाती की है। शुक्र है कि इसमें किसी भी जनहानि की सूचना नहीं है। चूंकि सेना से जुड़ा हुआ मामला है इसलिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कुछ बोगियां पटरी से उतर गई हैं इसके बाद यातायात ठप हो गया है। रेल अफसरों से जिला प्रशासन संपर्क में है और बहुत जल्द ही व्यवस्था ठीक हो जाएगी।

अफसरों ने कहा कि दुर्घटनाग्रस्त बोगियों को तुरंत हटाने का काम शुरू दिया है। इन बोगियों के अलावा बाकी ट्रेन को ट्रैक पर लेकर आगे बढ़ाया जाएगा। साथ ही पटरी को सुधारने के लिए भी काम शुरू कर दिया गया है। इस मार्ग पर जल्द ही ट्रेनों की बहाली कर दी जाएगी।

सभी जवान सुरक्षित परिचालन ठप

गनीमत यह रही की दुर्घटना में सभी जवान सुरक्षित है। रेल पटरी से उतरने के दौरान आग की लपटों के बाद हो हल्ला शुरू हो गया। फिलहाल जवानों ने पूरी तरह से सेना स्पेशल ट्रेन को अपनी सुरक्षा में घेरा में ले लिया है। वहीं सूचना के बाद आरपीएफ और जीआरपी की टीम भी मौके पर पहुंच गई है। फिलहाल रेलवे के कर्मचारी की सूचना के बाद रिलीफ स्पेशल ट्रेन को मौके पर बुलाया गया है। इस रेलखंड पर सभी गाड़ियों का परिचालन पूरी तरह से ठप है।

वाहन चेकिंग कर रहे एएसआई को बाइक सवार ने कुचला, मौत

केटी न्यूज/नालंदा

बिहार में फिर एक वदीर्धारी की हत्या हो गई। इस बार फिर हिट एंड रन का केस है। और यह हत्या बाइक सवार ने की है। बाइक सवार तीन लोगों ने वाहन जांच के लिए रोकते देख मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिला नालंदा में इस घटना को अंजाम दिया। बाइक रोकी जाती, इससे पहले बाइक ने गति और तेजी से बढ़ा दी, फिर पुलिस असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर को इतनी तेजी से धक्का मारा कि पटना पहुंचने तक भी सांस नहीं चल सकी।

घटना कल्याण विगहा थाना क्षेत्र का है। मृतक विजय कुमार चौहान (45) नवादा के रहने वाले थे जिनका हाल में ही एएसआई के पद पर प्रमोशन हुआ था। कुछ महीना पहले वह डुमरांव से पीटीसी का प्रशिक्षण पासकर ड्यूटी पर लगे थे। घटना के संबंध में एसपी अशोक मिश्रा ने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर कल्याण विगहा थाना की पुलिस बख्तियारपुर-कल्याण विगहा के बॉर्डर स्थित धोवा नदी के पुल के पास सघन वाहन चेकिंग की जा रही थी। तभी एक बाइक पर तीन व्यक्ति सवार होकर तेज गति से बख्तियारपुर की ओर से कल्याण विगहा की ओर आ रहे थे। ड्यूटी में तैनात एएसआई विजय कुमार चौहान ने उस बाइक सवार को रुकने का इशारा किया लेकिन बाइक सवार ने बाइक की स्पीड को कम करने की जगह और अधिक बढ़ा दिया और विजय कुमार चौहान को हिट करते हुए मौके से फरार हो गया। जिसके कारण विजय कुमार चौहान के सिर एवं शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोट आई। अस्पताल ले जाने के क्रम में रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार: पुलिस ने त्वरित गति से अनुसंधान शुरू किया और तीनों बाइक सवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस फिलहाल इन सब से पूछताछ कर रही है। घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। साथ ही अन्य बिंदुओं पर भी जांच की जा रही है। एसपी अशोक मिश्रा ने नालंदा पुलिस की ओर से एएसआई विजय कुमार चौहान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

हर्निया का ऑपरेशन करने के बजाय डॉक्टर ने कर दी नसबंदी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में हर्निया का ऑपरेशन कराने के लिए अस्पताल पहुंचे शख्स की डॉक्टर ने नसबंदी कर दी है। पूरा मामला औराई प्रखंड का बताया जा रहा है। सीतामढ़ी के महीसौठा थाना क्षेत्र के बोखरा गांव निवासी पच्चू सहनी ने तीन महीना पहले औराई के साक्षी अस्पताल में हर्निया का ऑपरेशन कराया था। दुबारा जांच कराने पर यह बात सामने आई कि डॉक्टर ने हर्निया के बजाय उनकी नसबंदी कर दी है। सिविल सर्जन डॉक्टर ने मामले में जांच का आदेश दिया है।

भूमि विवाद में पति-पत्नी को मारी गोली, सामने आया शूटआउट का वीडियो

मोतिहारी। बिहार में एक तरफ जहां बेखौफ अपराधी लोगों की जान ले रहे हैं तो वहीं आपसी विवाद में खून बहाने का सिलसिला भी जारी है। पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुए खूनी संघर्ष में एक महिला और उसके पति को गोली मार दी गई। घटना नगर थाना क्षेत्र के अगरवा मोहल्ले की है। गोली लगने से घायल पति-पत्नी की पहचान अगरवा मुहल्ला निवासी मधुरंजन कुमार वर्मा और उनकी पत्नी सरिता देवी के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि मधुरंजन कुमार वर्मा का अपने पड़ोसी गौरीशंकर गुप्ता उर्फ मुन्ना से जमीन का विवाद चल रहा था। मंगलवार को उसी विवाद को लेकर बात बढ़ गई और गौरीशंकर गुप्ता उर्फ मुन्ना ने मधुरंजन और उनकी पत्नी सरिता देवी पर गोली चला दी। सरिता देवी को गोली मारने का लाइव वीडियो सामने आया है। जिसमें एक शख्स उन्हें एक के बाद एक तीन गोली मारता दिख रहा है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। आनन-फानन में दोनों पति पत्नी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले के छानबीन में जुट गई है। हालांकि पुलिस ने दावा किया है कि घटना में शामिल आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ट्रेनों में सीटें फुल, तत्काल टिकट पर भी आफत, होली में कैसे आएं घर

♦ जेनरल डिब्बों में उमड़ रही यात्रियों की भीड़

केटी न्यूज/डुमरांव

रंगों का पर्व होली सामाजिक समरसता की कड़ी को जोड़ता है। घर-परिवार से दूर होकर परदेस में कमाने वाले परिजन इस महापर्व में घर आने लगे है। परिजनों के आने से शहर व ग्रामीण इलाके के कई घर-आंगन गुलजार हो गया है। आपसी सौहार्द का महत्वपूर्ण पर्व होली को लेकर ट्रेनों में भी काफी भीड़भाड़ बढ़ गया है। इस रूट से गुजरने वाली ट्रेनों में अत्याधिक भीड़ देखने को मिल रही है। जैसे-तैसे यात्रा को पूरा कर लोग अपने घरों को पहुंच कर एक साथ होली मनाने का आनंद लेने में जुट गये है। दूसरे राज्यों में काम करने वाले लोग होली में घर आने को बेताब हैं पर ट्रेनों में जगह नहीं मिलने के कारण परिवार सहित घर आने की उम्मीद शायद ही पूरी हो सके। दूसरे राज्यों से आने वाली सभी ट्रेनों में होली तक नो रूम की स्थिति है। यानी उन्हें वेटिंग टिकट भी मिलना मुश्किल है। बहुत से लोग अभी से ही भेड़-बकरियों की तरह साधारण डिब्बों में ठूस कर आ रहे हैं। ट्रेनों में जगह नहीं मिलने के कारण आरक्षण व जेनरल बोगी के शौचालयों में भी बैठ कर परदेशी अपने घर को लौट रहे हैं। यात्रियों की शिकायत है कि जब भी कोई पर्व आता है, उन्हें काउंटर से टिकट नहीं मिल पाता है। जिस दिन ट्रेनों में आरक्षण शुरू होता है तत्काल टिकट

कुछ ही मिनट में फुल हो जाता है। ऑनलाइन व्यवस्था होने के कारण रेलवे टिकट काउंटर पर मात्र पहले या दूसरे नंबर पर ही सीट फुल हो जाती है। ऐसे में यदि रेलवे काउंटर पर एसी की लाइन में दूसरा या तीसरा और स्लीपर की लाइन में चौथा या पांचवां नंबर है, तो ही सीट मिलने की उम्मीद नहीं होती, जिससे रेल यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

लौटने के लिए टिकट की जुगाड़ में लगे परदेशीः होली की छुट्टी को लेकर जो यात्री अपने घर आये है वो पर्व खत्म होने से पहले ही लौटने के लिए टिकट की जुगाड़ में लग गये है। वे नहीं चाहते हैं कि परिवार सहित ट्रेनों में बिना कंफर्म सीट के यात्रा करें। घर लौटने वाले परदेशी इस इंतजार में भी नहीं रहना चाहते हैं कि यात्रा के पहले वे तत्काल टिकट लेकर लौटेंगे। उन्हें इस बात का यकीन नहीं है कि उन्हें तत्काल से टिकट मिल भी पायेगा। वे बिचौलियों से संपर्क कर रेट को हाइ कर दिया है। इसके बावजूद भी लोग किसी भी कीमत पर टिकट की व्यवस्था कर लेना चाहते हैं। कुछ ऐसे भी लोग है जो लौटने के लिए वैकल्पिक उपाय निकालने में जुटे हैं।

रेल पुलिस ने बढ़ायी सुरक्षा, उचक्कों पर रख रही नजरः रेल पुलिस ट्रेनों के साथ-साथ स्थानीय प्लेटफॉर्म पर भी कड़ी सुरक्षा बढ़ा दी है। भीड़ के बीच रेल पुलिस उचक्कों पर पैनी नजर रख रही है। जीआरपी पोस्ट प्रभारी तारकेश्वर कुमार ने बताया कि भीड़ का फायदा उठाकर उचक्के यात्रियों के सामान, मोबाइल आदि चोरी करने के फिराक में रहते है, जिस पर पुलिस कड़ी नजर रखती है। होली पर्व को लेकर ट्रेनों में भीड़ बढ़ी है। इस दौरान रेल पुलिस व यात्री कल्याण समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ने यात्रियों से अपने सामान की निगरानी करने और नशाखुरानी गिरोह से बचने की अपील किया है। ताकि सभी अपने घरों में सुरक्षित पहुंच सके।

ईओ ने नगर परिषद क्षेत्र के सेक्टर पदाधिकारियों व बीएलओ के साथ की बैठक, दिए निर्देश

चुनाव कार्य में लापरवाही बरतने पर होगी कार्रवाई

♦ नगर परिषद के ईओ ने सेक्टर पदाधिकारियों के साथ की बैठक, दिये निर्देश, शिक्षा विभाग के अधिकारियों व कर्मियों की छुट्टियां भी हुई रद्द

केटी न्यूज/बक्सर

लोकसभा चुनाव की तिथियां घोषित होते ही प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी है। इसी कड़ी में मंगलवार को विभिन्न विभागों ने अपने-अपने स्तर से लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कई आवश्यक बैठकें की तो दूसरी तरफ बूथों का निरीक्षण भी किया गया। वही इसी कड़ी में शिक्षा विभाग ने चुनाव तक शिक्षकों की छुट्टी रद्द कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार लोक सभा चुनाव के मद्देनजर बक्सर नगर परिषद के ईओ ने नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड एक से छह तक सेक्टर पदाधिकारियों व संबंधित वार्ड के बीएलओ के साथ बैठक कर अबतक की तैयारियों की समीक्षा की। यह बैठक नगर परिषद के सभा कक्ष आयोजित की गई थी। इस बैठक में नगर परिषद स्तर के चुनाव संबंधित पेंडिंग कार्यों को अविलंब पूरा करने का निर्देश ईओ ने सेक्टर पदाधिकारियों व बीएलओ को दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव कार्य में

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही आवश्यक निर्देश दिये गये। बैठक में फिजिकल वेरिफिकेशन संबंधित कमियों को यथाशीघ्र दुरूस्त करने के साथ हीं प्रपत्र में त्रुटियों को यथाशीघ्र दूर करने का निर्देश दिया गया।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों व कर्मियों की छुट्टियां रद्दःलोक सभा आम निर्वाचन को लेकर शिक्षा विभाग भी अलर्ट हो गया है। विभाग ने चुनाव को देखते हुए अधिकारियों एवं कर्मियों की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया। जिससे चुनाव संबंधित कार्य में किसी तरह की परेशानी न हो। इस दौरान अधिकारियों तथा कर्मियों बिना सूचना का मुख्यालय छोड़ने पर भी रोक लगा दी गई है। इसको लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिल कुमार द्विवेदी ने पत्र जारी कर निर्देश जारी किया है। इसके अलावे सभी जिला, अनुमण्डल, प्रखण्ड-सह-अंचल स्तरीय पदाधिकारियों एवं कर्मियों को भी निर्देश दिया गया है कि वे चुनाव तक अपने-अपने मुख्यालय में बने रहेंगे। पूर्व से स्वीकृत अवकाश को भी रद्द कर दिया गया है। विशेष परिस्थिति में सक्षम पदाधिकारी के अनुमोदन के बाद ही मुख्यालय छोड़ेंगे। ऐसे में चुनाव तक अधिकारियों व कर्मियों को अपने-अपने मुख्यालय में ही रहना होगा।

मतदान केंद्रों का बीडीओ ने ली जानकारीः बीडीओ रोहित मिश्र ने मंगलवार को प्रखंड और अंचल के सभी विभागों के पदाधिकारियों व कर्मियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने सभी पदाधिकारियों से उनके क्षेत्र में पड़ने वाले मतदान केंद्रों पर पानी, बिजली, फर्नीचर, रैंप, शौचालय (महिला, पुरुष के लिए अलग-अलग) जैसे प्राथमिक सुविधाओं से संबंधित जानकारी ली। सभी बूथों के रूट मैपिंग, पोलिंग पार्टी के ठहरने की व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, दिव्यांग, बुजुर्ग आदि वोटर्स के लिए सुविधा से संबंधित अद्यतन तैयारियों की भी समीक्षा की. साथ ही अधिकारियों को प्राथमिक सुविधाओं की जांच करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा सभी को उनके उनके क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता के सभी प्रावधानों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने एवं किसी भी तरह से अवहेलना से संबंधित सूचना होने पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्वाचन संबंधित विभिन्न कार्यों के दौरान समय का विशेष ध्यान रखने एवं तय समय सीमा के अंदर कार्य पूर्ण कर लेने का निर्देश दिया। बैठक में मनरेगा प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी गौरव कुमार गुप्ता, प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजेश कुमार, राजस्व कर्मचारी सुजीत कुमार, नरेंद्र कुमार मंडल अनील कुमार, सुमित कुमार अन्य शामिल रहे।

होली को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न, आदर्श आचार संहिता के पालन का दिया निर्देश

बक्सर। जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को होली पर्व के मद्देनजर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक समाहरणालय में हुई। बैठक में उपस्थित शांति समिति के सदस्यों ने होली पर्व को लेकर अपने-अपने सुझाव डीएम के समक्ष रखा गया। डीएम ने बैठक में उपस्थित शांति समिति के सदस्यों, सभी जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को आदर्श आचार संहिता के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराते हुए पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाने का अनुरोध किया। आदर्श आचार संहिता को देखते हुए समिति सदस्यों से अनुरोध किया गया कि किसी भी कार्यक्रम के आयोजन से पूर्व इसकी प्रशासनिक स्वीकृति लेना अनिवार्य है। डीएम ने बताया कि बक्सर अअनुमंडल में यह स्वीकृति बक्सर एसडीओ धीरेन्द्र कुमार मिश्र तथा डुमरांव अनुमंडल में एसडीओ राकेश कुमार से ली जाएगी। कार्यपालक अभियंता, विद्युत प्रमंडल बक्सर को निर्देश दिया गया कि कि पर्व के पूर्व एसडीओ बक्सर एवं डुमरांव से समन्वय स्थापित कर पर्व के निमित्त सभी रूट की सूची प्राप्त कर लेंगे। जर्जर तारों को निश्चित रूप से ठीक करा लेंगे। वही इसका प्रमाण पत्र भी संबंधित एसडीओ को देना होगा। जिला पदाधिकारी के द्वारा सभी बीडीओ एवं सीओ को निर्देश दिया गया कि संबंधित थाना के साथ समन्वय स्थापित कर शांति समिति की बैठक कराना सुनिश्चित करेंगे। एसपी ने सभी थानाध्यक्ष को निर्देश दिया गया कि बाइक गश्त के माध्यम से पर्व के दौरान विधि व्यवस्था पर नजर बनाए रखेंगे। सोशल मीडिया पर किसी भी आपत्तिजनक पोस्ट पर अविलंब संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। बैठक में डीडीसी डॉ महेंद्र पाल, एडीएम कुमारी अनुपम, सहित शांति समिति के सदस्य एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

शराब के साथ दो धंधेबाज गिरफ्तार

डुमरांव। होली महापर्व को लेकर पुलिस ने शराब और शराब के धंधेबाजों के खिलाफ सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। मंगलवार की शाम स्थानीय पुलिस ने अलग अलग जगहों पर छापेमारी कर करीब 19 लीटर शराब के साथ दो धंधेबाजों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है।पकड़ा गया धंधेबाज रजडीहा का रहने वाला सुरेन्द्र यादव और नोनियापुरा का रहने वाला रामरतन कुमार बताया जाता है। अपर थानाध्यक्ष संजीत शर्मा ने बताया कि आरोपी रामरतन कुमार नन्दन गांव के इलाके में शराब की होमडेलीवेरी कर रहा था पुलिस ने इसे शराब के साथ नन्दन गांव के समीप पकड़ा जबकि सुरेंद्र यादव को रजडीहा गांव के समीप शराब बेचते पकड़ा गया दोनों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

25 लीटर देशी शराब के साथ एक महिला समेत दो तस्कर गिरफ्तार

♦ नावानगर व सिकरौल थाना क्षेत्र से पकड़े गए तस्कर

केटी न्यूज/नावानगर

नावानगर एवं सिकरौल पुलिस ने अपने-अपने थाना क्षेत्र से शराब की खेप के साथ एक महिला समेत दो कारोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कारोबारी में किरनी गांव के अजय यादव उर्फ करिया है। जबकि महिला कारोबारी सिकरौल थाना क्षेत्र के तेतरहर गांव की है। पुलिस ने किरनी गांव से 15 लीटर शराब बरामद किया है। वही महिला कारोबारी के पास से 10 लीटर देशी शराब पुलिस के हाथ लगी है। दोनों कारोबारी पर पुलिस ने नामजद एफआईआर दर्ज कर मंगलवार को जेल भेज दिया है। नावानगर थानाध्यक्ष डॉ नंदू कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी, कि एक कारोबारी किरनी गांव से शराब बिक्री कर रहा है। सूचना पर पुलिस ने सोमवार की देर शाम उक्त गांव के चिन्हित स्थान पर छापेमारी किया। छापेमारी के दौरान अजय यादव को शराब के साथ रंगे हाथ पुलिस ने पकड़ लिया। पकड़ा गया कारोबारी के पास दो गैलानो में 15 लीटर महुआ शराब था। वही सिकरौल पुलिस ने गुप्त सूचना पर महिला तस्कर के पास से 10 लीटर देशी शराब बरामद किया। साथ ही महिला कारोबारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि होली पर्व के दौरान तस्करों की हरकतें तेज हो गई है। इन पर पैनी नजर रखी जा रही है।

शिक्षा विभाग से मिली राशि खर्च नहीं होने पर डीएम ने डीईओ से पूछा स्पष्टीकरण

केटी न्यूज/बक्सर

डीएम अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षात्मक बैठक मंगलवार को की गई। इस बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिल कुमार द्विवेदी ने बताया कि विभाग द्वारा बेंच, डेस्क आदि की खरीद के लिए कुल 989.3 लाख रुपए स्वीकृत हुए है, जिसमें मात्र 105.35 लाख रुपए की निकासी की गई है। जो बिहार राज्य अंतर्गत सभी जिले में से सबसे कम है। साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर मद में सीएफएमएस के माध्यम से प्राप्त 9.16 करोड़ राशि के आलोक में 2.03 करोड़ रुपए की निकासी तथा बैंक के माध्यम से प्राप्त 3.86 करोड़ राशि के आलोक में 0.80 करोड़ रुपए की निकासी की गई है। डीएम इस पर काफी नाराज हुए और कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्त होने को है, ऐसे में अभी तक पूरी राशि क्यों नहीं खर्च की गई तथा उसका उपयोगिता क्यों नहीं जमा किया गया। डीएम ने बैठक में ही डीईओ से स्पष्टीकरण पूछा है। वहीं अपर समाहर्ता, ने बताया कि लोक सेवा शिकायत

मामलों में शिक्षा विभाग के सेवानिवृत कर्मियों के सेवांत लाभ से संबंधित अधिक मामले प्राप्त हो रहे हैं। जिसमें अपीलार्थी द्वारा यह बताया जा रहा है कि शिक्षा कार्यालय में कर्मियों द्वारा अनावश्यक रूप से विलंब किया जा रहा है, जो संदेहास्पद प्रतीत होता है। इससे प्रशासन की छवि धूमिल होती है। डीएम ने निर्देश दिया कि विभाग से प्राप्त निर्देश के आलोक में सभी विद्यालयों में सभी मूलभूत आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करना सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ-साथ प्रत्येक शनिवार को अपराह्न दो बजे से शिक्षा विभाग में जनता दरबार का आयोजन करेंगे।

एक नजर

संतोष बने जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष

डुमरांव। अनुमंडल के दखिनांव गांव निवासी व भाजपा के विस्तारक संतोष दुबे को जनसंख्या समाधान फाउंडेशन बक्सर का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। उन्हें फाउंडेशन का जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर लोगों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री कृष्ण मुरारी, बिहार प्रभारी ममता सहगल, प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा, प्रदेश संयोजक संजय राय आदि को बधाई देने के साथ ही उम्मीद जताया है कि संतोष दुबे के कुशल नेतृत्व व सामाजिक क्षेत्र के लंबे अनुभव का लाभ इस जनसंख्या समाधान फाउंडेशन को मिलेगा। वही नव चयनित जिलाध्यक्ष संतोष दुबे ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेवारी मिली है, उसपर खरा उतरने का प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि जनसंख्या विस्फोट तथा उसके समाधान पर जिलेभर प्रचार प्रसार तथा जन चौपाल जैसे रचनात्मक कार्यक्रम चला संगठन के रीति-नीति को गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में एक साजिश के तहत अधिक बच्चें पैदा कर देश के संसाधनों पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एक देश है, धर्मशाल नहीं कि कोई अपनी जनसंख्या बढ़ा यहां के संसाधनों पर कब्जा जमाए। श्री दुबे ने कहा कि जनसंख्या समाधान फाउंडेशन का गठन इसी उदेश्य से किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को अविलंब जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करना चाहिए। इसके लिए जरूरत पड़ी तो फाउंडेशन आंदोलन भी करेगा।

शराब लदी आल्टो कार बरामद, तस्कर फरार

चौसा। मुफस्सिल थाने की पुलिस ने सोमवार की देर रात गुप्त सूचना पर छापेमारी कर थाना क्षेत्र के जोकही के पास से एक आल्टो कार से 384 लीटर देशी-विदेशी शराब बरामद किया है। हालांकि, पुलिस के आने से पहले तस्कर फरार हो गए थे। कार को जब्त करने के साथ ही पुलिस उसके नंबर के आधार पर तस्करों की पहचान में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार मुफस्सिल थाने की पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शराब लदी एक कार चुन्नी गांव की तरफ जाने वाली है। इस सूचना पर पुलिस की एक टीम जोकही गांव के पास उक्त कार सवार लोगों को पकड़ने के फिराक में जाल बिछा तैयार हो गई। लेकिन, तस्कर पुलिस को आते देख थोड़ा दूर पहले ही आल्टो कार को रोक उसमें से अंधेरे का लाभ उठा भाग खड़े हुए। पुलिस पहुंच कार को कब्जे में ले जब तलाशी ली तो उसमें भारी मात्रा में शराब की बोतले बरामद हुई। जिसके बाद पुलिस उक्त कार को लेकर थाने आई। कार में 35 पेटी में 1575 टेट्रा पैक देशी ब्लू लाइम, आठ पेटी में 384 टेट्रा पैक अंग्रेजी 8 पीएम शराब कुल 384.12 लीटर शराब पाई गई। आल्टो कार व शराब की जब्त की कार्रवाई की गई। वही, पुलिस तस्कर की पहचान में जुट गई है। थानाध्यक्ष चंदन कुमार झा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि इस मामले में अज्ञात तस्करों पर उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि जल्दी ही तस्करों की शिनाख्त कर उन्हें पकड़ लिया जाएगा। गौरतलब है कि होली के मद्देनजर शराब तस्कर बड़े पैमाने में शराब की खेप मंगाने के प्रयास में जुट गए है। जबकि पुलिस भी उनकी गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए हुए है।

जांच में एमडीएम के गुणवत्ता की खुली पोल

केसठ। केसठ प्रखंड के स्कूलों में उज्ज्वल सवेरा समिति नाम के गैर-सरकारी संगठनके माध्यम से मिड-डे मील का वितरण किया जाता है। जब से गैर-सरकारी संगठनों को एमडीएम की जिम्मेदारी मिली है, तब से भोजन की गुणवत्ता पर लगातार सवाल उठ रहे है। कई विद्यालयों ने एनजीओ द्वारा उपलब्ध कराये गये घटिया भोजन लेने से इंकार कर दिया है। वही प्रखंड के विभिन्न विद्यालय के शिक्षक व बच्चे लगातार बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा से शिकायत कर रहे थे। जिसके बाद मंगलवार को बीडीओ ने कन्या प्राथमिक विद्यालय में एनजीओ के मध्यान भोजन को चख कर गुणवता की। जांच की तो खामी उजागर हुआ। इस संदर्भ में बीडीओ ने बताया की लगातार शिकायत मिल रही थी की एनजीओ द्वारा स्कूलों में बच्चों को मध्यान भोजन के रूप में दिए जा रहे मध्यान भोजन में गुणवता को दरकिनार कर परोसा जा रहा है।सुधार को ले कई आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा की भोजन को और बेहतर बनाया जा सकता है।जांच रिपोट जिले संबंधित अधिकारियों को भेजने की बात कही गई। मौके पर डीआरपी राकेश कुमार, विद्यालय के एचएम मनोज कुमार, तरुण कुमार सहित अन्य थे।

यज्ञोपवित धारण करने के लिए दूसरे जिलों से ही आ रहे हैं बटुक

डुमरांव में आज होगा 108 बटुकों का सामूहिक यज्ञोपवित संस्कार

♦ रूद्र सागर सेवा संस्थान के तत्वावधान में जंगलीनाथ शिव मंदिर में हो रहा है आयोजन

केटी न्यूज/डुमरांव

रूद्र सागर सेवा संस्थान द्वारा आयोजित सामूहिक यज्ञोपवित संस्कार बुधवार को जंगलीनाथ शिव मंदिर में आयोजित हो रहा है। इस सामूहिक यज्ञोपवित संस्कार में कुल 108 बटुको का पूरे वैदिक विधान के साथ यज्ञोपवित कराया जाएगा। इस आयोजन की तैयारी पूरी कर ली गई है। पूर्व संध्या पर आयोजन समिति के अग्रणी तथा रूद्र सागर सेवा संस्थान के सचिव रविशंकर चौबे ने कहा कि सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा कि बुधवार को सुबह आठ बजे से ही आयोजन समिति से जुड़े लोग वहां पहुंच जाएंगे। जबकि साढ़े आठ बजे से यज्ञोपवित धारण करने वाले बटुकों का आगमन होगा। उन्होंने बताया कि बटुको के साथ उनके परिवार के लिए नाश्ता पानी तथा भोजन की व्यवस्था की गई है।

आयोजन समिति के संयोजक दीपक प्रकाश दुबे ने बताया कि सारी व्यवस्था निःशुल्क है। दीपक ने कहा कि इस आयोजन में दूसरे जिलों के बटुक भी यज्ञोपवित धारण करने आ रहे है। यह प्रयास किया जा रहा है कि वैदिक विधि-

विधान के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाए। हिन्दू धर्म संस्कृति की अपनी पहचान है। हिन्दू धर्म में 16 संस्कारों का वर्णन है। इसमें यज्ञोपित का अपना एक अलग ही स्थान है। इससे जीवन की एक नई शुरुआत माना जाता है। इसके बिना जीवन अधूरा सा रहा है उसे शुद्ध नहीं माना जाता है। इसलिए इसे जीवन को साकार देने के लिए इस संस्कार को करना आवश्यक होता है। जबकि रूद्र सागर सेवा संस्थान के मुख्य संरक्षक तथा गुजरात के पूर्व डीजीपी केके ओझा भी इस समारोह के लिए डुमरांव पहुंच चुके है। उन्होंने कहा कि आयोजन काफी भव्य होगा। वही वैदिक ब्राह्मणों के टीम का नेतृत्व आचार्य पंडित विमलेश ओझा करेंगे। उनके साथ ब्रजेश ओझा, पंडित चंद्रचूड़ ओझा, पंडित विन्ध्याचल ओझा, राधेश्याम दुबे समेत कई अन्य विद्वान ब्राह्मण पूरे वैदिक विधान से यज्ञोपवित संपन्न कराएंगे। बटुकों के परिवार की महिलाओं द्वारा मांगलिग गीत भी गाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयोजन को ले शहरवासियों में उत्साह व्याप्त है।

सचिव ने मंडल कारा का किया निरीक्षण, बोले- नाबालिग कैदियों को करें चिन्हित

♦ कैदियों को विधिक सहायता के लिए प्राधिकार तत्पर

केटी न्यूज/औरंगाबाद

मण्डल कारा औरंगाबाद का जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सुकुल राम द्वारा आज औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मण्डल कारा में पदस्थापित जेल अधीक्षक सुजीत कुमार झा भी मौजूद रहे। सचिव सुकुल राम द्वारा जेल के प्रत्येक वार्ड का निरीक्षण किया गया तथा बंदियों के संबध में जानकारी प्राप्त किया गया। मण्डल कारा में निरीक्षण के दौरान पुरे समय तक जेल अधीक्षक उपस्थित रहें एवं सचिव ने कैदियों को कारा में उत्पन्न हो रही समस्याओं से अवगत होने के उपरांत कैदियों के समक्ष ही तत्काल निदान करने का निर्देश जेल अधीक्षक को दिया। साथ ही सचिव द्वारा जेल के निरीक्षण के दौरान यह निर्देश दिया गया कि जो कैदी प्रथम दृष्टया देखने में नाबालिग प्रतीत होते हैं और उनकी उम्र 18 वर्ष वर्ष से कम है , उनकी सूची संबधित न्यायालयों में आयु के सत्यापन हेतु प्रेषित करें, ताकि विधि अनुसार उनके मामलों पर कार्रवाई हो सके तथा वैसे कैदियों की सूची तत्काल जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय को

प्रेषित करना सुनिश्चित करें। सचिव ने अपने निरीक्षण के दौरान बंदियों से उनके जमानत एवं अधिवक्ता के संबध में पूछताछ किया तथा सभी कैदियों को कहा गया कि अगर आप निजी अधिवक्ता रखने में समक्ष नहीं है तो जेल में प्रतिनियुक्ति बंदी पारा विधिक स्वयं सेवक से आवेदन लिखाते हुए तथा जेल अधीक्षक से उसे अग्रसारित कराते हए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय में भेजें जिससे कि बचाव पक्ष का अधिवक्ता तत्काल उन्हें उपलब्ध कराया जा सके। इसके उपरांत सचिव ने जेल में स्थापित लिगल एड क्लिनिक में प्रतिनियुक्त कैदी पारा विधिक स्वयं सेवकों को प्रषिक्षण एवं उनके कार्यो का मूल्यांकन के दौरान उनके द्वारा पूर्व में बनाये गये पंजी का निरीक्षण किया, जेल भ्रमण में निरीक्षण के दौरान सचिव द्वारा जेल की साफ-सफाई हेतु आवश्यक निर्देश भी दिया गया तथा जेल में मिलने वाले खाना को मेनू के अनुसार और गुणवत्तापूर्ण रखने का निर्देश दिया।

एक नजर

दोस्त के घर जा रहे बाइक सवार युवक की मैजिक वाहन की ठोकर से मौत

आरा। आरा-मोहनियां पर जगदीशपुर थाना क्षेत्र के कौंरा गांव के समीप मंगलवार की दोपहर मैजिक ने वाहन में बाइक में जोरदार ठोकर मार दी। उसमें बाइक सवार युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई। मृत युवक

मृतक

उदवंतनगर थाना क्षेत्र के असली गांव निवासी दिनेश सिंह का 23 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार था। वह गुजरात के अहमदाबाद स्थित किसी प्राइवेट कंपनी में काम करता था। हादसे के बाद चालक मैजिक वाहन लेकर भाग निकला। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। युवक के बड़े भाई लाल बहादुर सिंह के दोस्त सुनील कुमार ने बताया कि वह दो दिन पूर्व अहमदाबाद से गांव वापस लौटा था। मंगलवार की दोपहर वह बाइक से अपने दोस्त से मिलने कौंरा गांव जा रहा था। तभी कौंरा गांव के समीप सामने से आ रही मैजिक गाड़ी ने सामने से उसकी बाइक में ठोकर मार दी। उससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा परिजन और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पाकर मृतक के परिजन एवं स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि युवक अपने तीन भाइयों में छोटा था। उसके परिवार में मां मीना देवी, भाई लाल बहादुर सिंह और तूफानी सिंह है। हादसे के मौत के बाद उसके घर में कोहराम मच गया है।

बेटे से मिलने झारखंड जा रहे किसान की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

आरा। आरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर चार पर सोमवार की शाम ट्रेन के चपेट में आने से एक किसान की मौत हो गई। मृत किसान नारायणपुर

मृतक

थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव निवासी 65 वर्षीय सियाराम सिंह थे। घटना को लेकर देर तक अफरा-तफरी मची रही। घटनास्थल पर पहुंची रेल पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया। किसान के दामाद अजीत सिंह ने बताया कि वह सोमवार की शाम अपने छोटे बेटे अरुण के पास जाने के लिए निकले थे?। उसके लिए ट्रेन पकड़ने आरा रेलवे स्टेशन ट्रेन पकड़ने आये थे। उसी दौरान प्लेटफार्म नंबर चार पर वह ट्रेन की चपेट में आ गए। मंगलवार की सुबह तक उनकी सूचना नहीं मिली, तो परिजनों द्वारा उनके छोटे बेटे को फोन कर पहुंचने के बारे में पूछताछ की। छोटे बेटे द्वारा कहा गया है कि वह नहीं पहुंचे हैं। उसके बाद रिश्तेदारों से पूछताछ की। तब खोजबीन शुरू की गयी। उस दौरान वे लोग रेलवे स्टेशन पहुंचे, तो ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत होने की सूचना मिली। तब शव देखकर पहचान की गयी।बताया जाता है कि किसान के परिवार में पत्नी प्रभावती देवी, पुत्र अमित कुमार और अरुण कुमार है। उनके बड़े बेटे अमित कुमार सीआरपीएफ जवान हैं। वर्तमान में झारखंड के लातेहार में पोस्टेड हैं। उनका छोटा बेटा अरुण कुमार इंजीनियर है। वह भी झारखंड के धनबाद में रहते हैं। घटना के बाद किसान के घर में कोहराम मच गया है। पत्नी प्रभावती देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अवैध खनन मामले में दो ट्रैक्टर जब्त , चालक फरार

औरंगाबाद। सोन नदी से अवैध बालू उठाव को लेकर नरारी कला खुर्द थाना की पुलिस द्वारा छापेमारी की गई, लेकिन कार्रवाई की भनक लगते ही बालू माफिया मौके से फरार हो गए। इसी क्रम में अंबा पुलिस द्वारा कार्रवाई के फलस्वरूप अवैध बालू लदा दो ट्रैक्टर जब्त किया गया है। जबकि चालक मौके से फरार हो गए। यह कार्रवाई थाना क्षेत्र के कसौटी गांव के समीप सड़क पर की गई। संदर्भ में कांड दर्ज.कर मालिक एवं चालक की तलाश की जा रही है।

खबरें फटाफट

ट्रैक्टर से टक्कर में एंबुलेंस का चालक और खलासी जख्मी

आरा। आरा-पटना फोरलेन पर गीधा थाना क्षेत्र के कायमनगर के समीप मंगलवार की दोपहर ट्रैक्टर व एंबुलेंस के बीच भिड़ंत हो गई। उसमें एंबुलेंस चालक और खलासी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों का इलाज सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। घायलों में मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के पंडरी थाना क्षेत्र के पंडरी सवसर गांव निवासी 26 वर्षीय योगेश सालूटकर और महाराष्ट्र के नागपुर जिला के प्रतापनगर थाना क्षेत्र के खमला गांव निवासी 26 वर्षीय सोरभा भूषण पाटिल शामिल है। योगेश सालूटकर महाराष्ट्र के नागपुर जिले के अधीन चुनाबट्टी में रहता है। वह पेशे से चालक और सोरभा भूषण पाटिल पेशे से खलासी है। बताया जा रहा है कि वह दोनों महाराष्ट्र के नागपुर से अपने एम्बुलेंस पर शव को लाद उसे पहुंचाने के लिए भागलपुर आए थे। उसके बाद दोनों एंबुलेंस लेकर वापस नागपुर लौट रहे थे। उसी दौरान कायमनगर गांव के समीप सामने से आ रहे ट्रैक्टर से सीधी भिड़ंत हो गई। उससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

दो पक्षों में मारपीट में युवक जख्मी

औरंगाबाद। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कठौतिया गांव में पुरानी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट में एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जख्मी की पहचान उक्त गांव निवासी सागर कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद जख्मी का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। फिलहाल इस घटना की सूचना मुफस्सिल थाना पुलिस को दे दी गई है।

बाइक से गिरकर परीक्षार्थी घायल

औरंगाबाद । शहर के सिन्हा कॉलेज रोड़ में अनियंत्रित बाइक से गिरकर एक युवक घायल हो गया। युवक की पहचान रफीगंज ब्लॉक निवासी सोनू कुमार के रूप में हुई है। सदर अस्पताल में इलाज के दौरान सोनू ने बताया कि वह बीएससी की परीक्षा देने शहर के सिन्हा कॉलेज आया हुआ था।

धोबहां थाना क्षेत्र के सार सिवान चौक की मंगलवार की सुबह की घटना

हथियार के बल पर सीएसपी संचालक से दिनदहाड़े डेढ़ लाख रुपए की लूट

♦ मास्क पहने तीन अपराधी ग्राहक बन पहुंचे और लूटकर ले भागे लैपटॉप और पैसे

केटी न्यूज/ आरा

धोबहां थाना क्षेत्र के सार सिवान चौक स्थित एसबीआई के ग्राहक सेवा केन्द्र पर धावा बोल अपराधियों ने हथियार के बल पर डेढ़ लाख रुपए लूट लिया। ग्राहक बनकर पहुंचे अपराधी संचालक का लैपटॉप और मोबाइल भी लूट ले भागे। लुटेरों की संख्या तीन बतायी जा रही है। उजले रंग की बाइक पर सवार तीनों अपराधी मास्क पहने थे। घटना मंगलवार सुबह की करीब दस बजे की बताई जा रही है। वारदात को अंजाम देने के बाद लुटेरों के परशुराम गांव की ओर भागने की बात कही जा रही। लूट की घटना कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के परशुरामपुर गांव निवासी सोनू कुमार यादव की सीएसपी में हुई है। सोनू कुमार यादव 2020 से सार सिवान चौक पर स्टेट बैंक का ग्राहक सेवा केन्द्र चलाते हैं। इधर, दिनदहाड़े लूट की घटना से पूरे इलाके में सनसनी मच गयी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष संजीव कुमार मौके पर पहुंचे और घटना की छानबीन की। उन्होंने सीएसपी संचालक सहित अन्य दुकानदारों से पूरी जानकारी ली। वहीं अपराधियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

दो माह बाद अपराधियों ने सीएसपी को बनाया निशाना

भोजपुर में सीएसपी संचालक काफी पहले से ही अपराधियों के निशाने पर हैं। हर साल सीएसपी संचालकों के साथ लूट की घटना होती है। ठीक दो माह सार सिवान में लूट की घटना हुई थी। अभी पिछले 19 जनवरी को ही जगदीशपुर थाना क्षेत्र के भड़सरा बाजार स्थित एसबीआई के सीएसपी से हथियार के बल पर पौने दो लाख की लूट की गयी थी। उस समय भी अपराधी लूट की घटना को अंजाम देने के बाद बाहर से शटर गिरा कर भाग गये थे।

संचालक सोनू कुमार यादव ने बताया कि सुबह करीब दस बजे अपने ग्राहक सेवा केन्द्र में बैठा था। तभी एक युवक आया और बोला कि उसका पीएनबी का खाता है। पैसा निकल जाएगा? तब उन्होंने कहा कि निकल जाएगा। उसके बाद उसने कहा कि ज्यादा नहीं निकलेगा उन्होंने पूछा कि ज्यादा दस हजार से ज्यादा नहीं। इसके बाद वह कुछ देर में आने की बात कह चला गया। थोड़ी देर बाद वह दो लोगों के साथ पहुंचा और उनके सिर पर पिस्टल भिड़ा कर डेढ़ लाख रुपए लूट लिया। बैग सहित उसका लैपटॉप व मोबाइल ले भागे। उसके बाद वह अंदर आया, तो उसे अंदर धकेल दिया और शटर गिरकर भाग गए। इधर, एसपी प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि तीन अज्ञात अपराधियों द्वारा सीएसपी सेंटर से डेढ़ लाख रुपए की लूट की गई है। सूचना मिलने पर एएसपी परिचय कुमार, धोबहां थानाध्यक्ष और डीआईयू की टीम घटना स्थल पर पहुंची। सीसीटीवी सहित अन्य स्त्रोतों से घटना के उद्वेदन के लिए छापामारी की जा रही है। घटना के कुछ सूत्र मिले हैं। जल्द ही उद्भेदन करते हुए अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

अवैध हथियारों के साथ आरोपित गया जेल

औरंगाबाद। चुनाव के मद्देनजर ज़िले में

अपराध नियंत्रण को लेकर एसपी स्वप्ना गौतम मेश्राम के निर्देश पर कार्रवाई के फलस्वरूप अंबा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की हैं जिसमें अवैध हथियार के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। पकड़ा गया आरोपित थाना क्षेत्र के बलिया बिगहा गांव निवासी संतोष मेहता हैं। इसके पास से दो थर्नेट, दो देसी कट्टा एवं बंदूक की नाली बनाने वाला दो पाइप बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष राहुल राज ने बताया कि चुनाव के मद्देनजर अवैध करोबार एवं खनन के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में भालुआही कैंप एसएसबी के इंस्पेक्टर अरविंद सिंह जडेजा के द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि बलिया बिगहा में अवैध हथियार है जिसके अलोक में छापेमारी की गई। मामले में दो थर्नेट, दो देसी कट्टा एवं बंदूक की नाली बनाने वाला दो पाइप बरामद किया गया है। साथ ही पकड़े गए आरोपित से आवश्यक पूछ-ताछ के उपरांत जेल भेज दिया गया।

इस बार होली में हुड़दंग करनेवाले रहेंगे पुलिस की नजर में

केटी न्यूज/औरंगाबाद

जहानाबाद हिंदुओ का प्रमुख पर्व होली में महज कुछ दिन ही बचे है ,शांति पूर्ण माहौल में पर्व सम्पन्न हो इसको लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन तैयारियों में जुट गई है। इसी कड़ी में मंगलवार को नगर थाना में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नगर क्षेत्र के सभी वार्ड सदस्य के साथ सामाजिक कार्यकर्ता एवम प्रबुद्ध नागरिक मौजूद थे, बैठक में मौजूद लोगों ने होली पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन को अपना सुझाव भी दिया। साथ ही चौक चौराहा पर पुलिस तैनात करने की मांग की गई। बैठक को लेकर एसडीपीओ राजीव कुमार सिंह ने बताया कि चुनाव के मद्देनजर इस बार होली पर विशेष सतर्कता बरतते हुए सभी गाइडलाइन का पालन करना होगा साथ ही लोगों से शांतिपूर्ण रूप से पर्व मनाने की

अपील की गई है। वहीं पर्व के दौरान संवेदनशील स्थानों के साथ-साथ पुलिस की गश्ती भी तेज रहेगी ताकि होली में हुड़दंग करने वाले लोगों पर नजर रखी जा सके वहीं उन्होंने बताया कि चुनाव के मद्देनजर होली पर्व के दौरान डीजे पर पूर्ण रूप से रोक लगाया गया है, और ऐसे में जो लोग भी नियमों की अनदेखी करेंगे उनके ऊपर सख्त कार्रवाई की जाएगी गौरतलब हो की 26 और 27 मार्च को मगध क्षेत्र में दो दिनों का होली पर्व मनाया जाता है और ऐसे में शांति व्यवस्था बनी रहे इस उद्देश्य से यह बैठक की गई ।

निजी अस्पताल के समीप से बुलेट उड़ा ले गए चोर

औरंगाबाद। शहर के एमजी रोड स्थित एक निजी अस्पताल के समीप से बुलेट चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। मामले से संबंधित जगदेव नगर मुहल्ला निवासी रामानुज प्रसाद के पुत्र इंद्रजीत कुमार ने नगर थाना में आवेदन दिया है। उल्लेख किया है कि वह अपनी बाइक को एमजी रोड स्थित एक निजी अस्पताल के बाहर खड़ा कर अस्पताल चला गया। करीब ढाई घंटे बाद जब वह बाहर निकाला तो देखा कि उक्त जगह से बाइक गायब है। काफी खोजबीन के बाद भी बाइक का पता नहीं चल सका। नगर थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

जहानाबाद में टेंपो और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में दो लोग बुरी तरह घायल, अस्पताल में भर्ती

♦ शकुराबाद बभना रोड में सुबह आठ बजे ग्राम सिकरिया के पास हुई घटना

जहानाबाद। शकुराबाद बभना रोड मे आज सुबह करीब आठ बजे ग्राम सिकरीया के पास टेम्पो और ट्रक में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई।

आमने-सामने की भिड़ंत में टेम्पो में सवार यात्री घायल हो गए, जिसमें दो की हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों घायलों को स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में सदर अस्पताल जहानाबाद लाया, जहां इलाज जारी है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे बभना शकुराबाद रोड मे आमने-सामने टेम्पो और ट्रक में टक्कर हो जाने के फलस्वरूप टेम्पो पर सवार यात्री घायल हो गए। दो की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जाता है कि घायल जहानाबाद नगर थाना क्षेत्र के ग्राम मदारपुर निवासी सतोष यादव तथा हरि नगर निवासी

टेम्पो बुरी तरह से क्षतिग्रस्त

मजू देवी बताई गई है। वही टेम्पो तथा ट्रक चालक फरार हो गए। वही जानकारी के अनुसार टेम्पो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना परसबिगहा थाना को दे दिया गया है।

लापता बुजुर्ग की हत्या, मामले में चार हत्यारोपी को भेजा गया हिरासत

♦ पंजाब से मंगाई गई थी अंग्रेजी शराब

केटी न्यूज/औरंगाबाद

लापता बुजुर्ग की हत्या मामले में चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया जिनकी पहचान दाउदनगर थाना क्षेत्र के चौरी गांव निवासी मो. सदाम खान उर्फ एहतेशाम खान, अरवल जिले के कलेर थाना क्षेत्र अंतर्गत हृदयचक गांव निवासी मो. सदाब खान, मो. रजीन असलम एवं पुराकोठी गांव निवासी मो. बुलंद अख्तर के रूप में की गई है। इनके पास से हत्या में प्रयुक्त किया गया मोपेड का अलग-अलग पार्ट्स, बाइक एवं मोबइल फोन बरामद किया गया है। विदित हो कि बीते 29 फरवरी को हसपुरा थाना क्षेत्र के टाल गांव निवासी 60 वर्षीय सुशील कुमार सिंह हसपुरा बाजार के लिए अपने लूना बाइक से निकले थे। देर शाम तक घर वापस नही लौटने पर परिजनों ने उनकी काफी खोजबीन की , लेकिन उनका कही कोई पता नहीं चला। मामले में अनहोनी की आशंका से लापता बुजुर्ग के परिजन प्रदीप कुमार ने थाना में बीते 3 मार्च को तहरीर समर्पित कर खोजबीन की मांग की थी। घटना को लेकर कांड दर्ज. कर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष जांच दल का गठन किया गया जिसमें स्थानीय पुलिस पदाधिकारियों के अतिरिक्त जिला आसूचना इकाई के पुलिस पदाधिकारी को सम्मिलित किया गया था। उक्त जांच दल के टीम के द्वारा अनुसंधान के क्रम में साक्ष्य संकलित किया गया जिसमें अपहृत का पता लगाने हेतू सीसीटीवी फुटेज, सीडीआर एनालाइसिंस, एफएसएल एवं डॉग स्क्वायड एवं स्थानीय लोगों से पूछताछ के दौरान पता चला कि अपहृत बुजुर्ग व्यक्ति की हत्या कर दी गई। तत्पश्चात अनुसंधान एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर काण्ड का उद्भेदन करते हुये चार हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में जानकारी देते हुए दाउदनगर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार ऋषि राज ने बताया कि गिरफ्तार सभी अभियुक्तों ने कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है, उनके स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर ही बरामदगी की गयी है।

खबरें फटाफट

भाकपा माले ने डॉ. अंशुमान राय को बचाने का लगाया आरोप

बलिया। सिकन्दरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आपरेशन के दौरान ही प्रसुता की मौत के मामले में भाकपा माले ने पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अफसरों पर आपरेशन करने वाले चिकित्सक डॉ. अंशुमान राय को बचाने का आरोप लगाया है। इस मामले में मंगलवार को माले का एक प्रतिनिधिमण्डल जिलाधिकारी को सम्बोधित पत्रक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी अश्वनी कुमार तिवारी को सौंपा।
पूरे प्रकरण में उक्त अस्पताल के चिकित्सक और मौके पर मौजूद प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों पर डाक्टर को बचाने का अरोप लगाते हुए सवाल उठाया है कि उक्त अस्पताल में जब एनेसथेसिया बेहोशी का डाक्टर तैनात नहीं था तो वह कौन व्यक्ति था जो उक्त सरकारी अस्पताल में डाक्टर के बुलावे पर उक्त प्रसुता को बेहोशी का इंजेक्शन दिया था। दूसरा सवाल यह उठाया कि इससे यह सिद्ध होता है कि कही न कही दाल में काला है और प्रशासन जानबूझ कर इस मामले को दबावने के लिए 108 एम्बुलेंस से जिसमें आपरेशन करने वाले डाक्टर स्वयं बैठे थे।

च्यवनप्राश निर्माण कार्यशाला का आयोजन

गाजीपुर। राजकीय महिला स्नातकोत्तर कॉलेज गाजीपुर में महिला हेल्थ क्लब के तत्वावधान में छात्राओं के लिए च्यवनप्राश निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस आयोजन में रिसोर्स पर्सन के रूप में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय बांकी खुर्द गाजीपुर के चिकित्सक डॉक्टर अमजद अली अंसारी तथा राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय नगर गाजीपुर के फार्मेसिस्ट विनय कुमार तिवारी मौजूद रहे। डॉक्टर अमजद अली अंसारी ने भारतीय आयुर्वेदिक परंपरा के आचार्य चरक की चर्चा करते हुए यह बताया कि किस तरह से प्राचीन भारत में चिकित्सा व्यवस्था की क्षमता में उल्लेखनीय प्रगति हुई थी। उसी प्रगति के चलते आज भी है।

जिला जज ने जमानियां तहसील में ग्राम न्यायालय का किया शुभारंभ

- ग्राम न्यायालय की स्थापना से वादकारियों को मिल सकेगा सस्ता व सुलभ न्याय

केटी न्यूज/गाजीपुर

जमानियां तहसील में ग्राम न्यायालय का मंगलवार को जिला जज संजय कुमार ने वैदिक मंत्रोचार के बीच फीता काटकर विधि विधान से माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि ग्राम न्यायालय की स्थापना से वादकारियों को सस्ता व सुलभ न्याय मिल सकेगा। जिला मुख्यालय पर अनावश्यक भाग दौड़ से मुक्ति मिलेगी। तहसील स्तर पर न्याय सुलभ कराने की यह ऐतिहासिक शुरूआत है। ग्राम न्यायालय में सिविल के 25 हजार रुपये तक की मालियत के मुकदमों तथा फौजदारी के दो वर्ष तक की सजा वाले मुकदमों की सुनवाई की जाएगी। वादकारियों को अब जिला न्यायालय का चक्कर नहीं लगाना होगा। ग्राम न्यायालय के लिए अपर सिविल जज अमित यादव की प्रथम तैनाती की गई है। उक्त मौके पर एसडीएम अभिषेक कुमार, तहसीलदार देवेन्द्र कुमार, नायब तहसीलदार अवनीश कुमार, बार एसोसिएशन अध्यक्ष अधिवक्ता गोरखनाथ सिंह यादव, मंत्री अशोक यादव, नपा चेयरमैन जयप्रकाश गुप्ता, अधिवक्ता मेराज हसन, अंजनी कुमार, वृजेश ओझा, वृजेश कुमार, घनश्याम सिंह आदि लोग मौजूद रहे। ग्राम न्यायालय में वादकारियों के वाद का निपटारा करने के लिए न्याय विभाग ने अपर सिविल जज अमित यादव की प्रथम तैनाती की है। सन 2018 बैच के नवनियुक्त न्यायाधिकारी अमित यादव की प्रथम नियुक्ति जनपद आगरा में अपर सिविल जज तथा मई सन 2023 में जनपद गाजीपुर में हुई। उन्होंने मिडिया को बताया कि ग्राम न्यायालय के माध्यम से आम जनमानस को जल्द ही न्याय सुलभ होगा। इससे वादकारी अपने मामलों की बेहतर तरीके से पैरवी कर सकेंगे और कम खर्च में न्यायिक प्रक्रिया का लाभ पा सकेंगे। ग्राम न्यायालय में 20 हजार रुपये तक की कीमत के सिविल यानी दीवानी के मामले तथा दो साल तक सजा वाले आपराधिक वादों की सुनवाई होगी। ग्राम न्यायालय के फैसलों की सिविल अपील जनपद न्यायालय में एवं फौजदारी अपील सत्र न्यायालय में की जा सकेगी।

जिलाधिकारी ने स्ट्रांग रूम में ईवीएम और वीवीपैट मशीनें का किया निरीक्षण

चारों विस की पोलिंग पार्टियों का रिसीविंग सेंटर मंडी स्थल ही होगा

- तैयारियों को लेकर नवीन मंडी का किया निरीक्षण
- डीएम ने कहा कि मंडी से चार विधानसभा यथा बेल्थरा, बैरिया, सिकंदरपुर और बांसडीह एवं कलेक्ट्रेट से बलिया सदर, फेफना और रसड़ा की पोलिंग पार्टियों की होगी रवानगी

केटी न्यूज/ बलिया

लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की तैयारियों के दृष्टिगत जिलाधिकारी रवींद्र कुमार ने मंगलवार को तीखमपुर स्थित नवीन मंडी का निरीक्षण किया। उन्होंने मंडी में स्थापित होने वाले डिस्पैच सेंटर, रिसीविंग सेंटर और काउंटिंग सेंटर का स्थलीय निरीक्षण कर स्थान निर्धारण व बैरिकेडिंग आदि के संबंध में जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि मंडी से चार विधानसभा यथा बेल्थरा, बैरिया, सिकंदरपुर और बांसडीह एवं कलेक्ट्रेट से बलिया सदर, फेफना और रसड़ा की पोलिंग पार्टियों की रवानगी होगी। लेकिन सभी विधानसभाओं की पोलिंग पार्टियों का रिसीविंग सेंटर मंडी स्थल ही होगा और यहीं के स्ट्रांग रूम में ईवीएम और वीवीपैट मशीनें रखीं जाएंगी एवं काउंटिंग सेंटर में मतगणना की जाएगी। उन्होंने मंडी सचिव और पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता व अधीक्षण अभियंता को सभी आधारभूत सुविधाएं समय से पहले सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाए जाने वाले विभिन्न स्थानों पर स्थापित किए जाने वाले सेंटरों से एसपी देवरंजन वर्मा को अवगत कराया और बताया कि पोलिंग पार्टियों के कुछ वाहनों को मंडी परिसर में और कुछ को सटे हुए पॉलिटेक्निक कॉलेज में खड़ा करने की व्यवस्था की गई है। ताकि जाम की समस्या उत्पन्न नहीं हो। इस दौरान एडीएम डीपी सिंह, सीआरओ त्रिभुवन, सिटी मजिस्ट्रेट इंद्रकांत द्विवेदी, प्रभारी निर्वाचन अधिकारी अखिलेश यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम-एसपी ने किया दारोगा को निलंबित

बलिया। संपूर्ण समाधान दिवस पर डीएम रविंद्र कुमार व एसपी देवरंजन वर्मा को समस्या सुनाते हुए खुद को चाकू मारकर आत्महत्या का प्रयास करने के मामले को प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। एसपी देवरंजन वर्मा ने बांसडीह चौकी प्रभारी राजेश सिंह और बीट जवान प्रदीप कुमार को निलंबित कर दिया है। एक होमगार्ड पर भी कार्रवाई हुई है। उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए विभाग को लिखा गया है। समस्या के तत्काल समाधान को लेकर डीएम के आदेश के बावजूद इस संबंध में कोई कार्रवाई धरातल पर दिखाई न देने पर लोगों में आक्रोश बना हुआ है। बांसडीह कोतवाली के पिंडहरा गांव में 2015 में शिकायतकर्ता की मां प्रभावती देवी सहित अन्य तीन चार लोगों मिलकर भूमि खरीदी थी। सभी आपस में हिस्से की जमीन का बंटवारा कर लिया था। इस बीच प्रभावती के बेटे सनोज गोंड व अशोक के बीच रास्ता व छज्जा निर्माण का विवाद चल रहा था।

शराबी पति ने ईंट से कूचकर पत्नी को मौत के घाट उतारा

चंदौली। इलिया थाना क्षेत्र के सीहर गांव में सोमवार की देर रात तीन बच्चों की मां निशा 26 वर्ष की उसके पति ने ही ईट से सिर कूच कर हत्या कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। सीहर गांव निवासी इजहार अली उर्फ मुन्ना अपना निजी ऑटो रिक्शा चलाता था। इजहार अली शराब पीने का आदती था, जिसको लेकर पत्नी से प्रायः उसका लड़ाई झगड़ा होता रहता था। सोमवार को शाम वह अत्यधिक शराब का सेवन कर घर आया। भोजन के उपरांत दो माह पूर्व खरीदे ई रिक्शा का छह हजार किस्त जमा करने हेतु पैसे को लेकर पति-पत्नी में तू-तू, मैं-मैं हुआ। जिस पर इजहार अली ने अपनी पत्नी निशा के गले में दुपट्टा डालकर सीढ़ी के पास पटक दिया और सिर को ईंट से कूचकर उसकी हत्या कर दी। और फरार हो गया। इजहार अली की शादी 2015 में बिहार प्रांत के कैमूर जिला अंतर्गत चांद थाना क्षेत्र के जिगना गांव निवासी सोबराती के पुत्री निशा से हुई थी। जिनको शबाना 6 वर्ष, तबस्सुन 5 वर्ष,यास एक वर्ष के तीन अबोध बच्चे हैं। सूचना पर पहुंचे मृतका के भाई जहरूद्दीन ने बहन निशा की हत्या किए जाने की तहरीर देते हुए विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराई। ग्रामीणों के सूचना पर पुलिस तत्काल एक्शन लेते खोजबीन में जुट गई।सुबह पहुंचे एडिशनल एसपी अनिल कुमार यादव ने मौके का निरीक्षण कर मातहतों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। थानाध्यक्ष हरिश्चंद्र सरोज ने बताया कि अभियुक्त के खोजबीन की जा रही है। शीघ्र ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एक नजर

मास्टर ट्रेनरों ने जिले के ट्रेनरों को दिया प्रशिक्षण

गाजीपुर। लोक सभा सामान्य निर्वाचन -2024 को सकुशल निष्पक्ष निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने के उदेश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेश पर मुख्य विकास अधिकारी एवं जिला विकास अधिकारी की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार कक्ष में लखनऊ से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनरों द्वारा जनपद के नामित मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षण दिया गया। जनपद के निर्वाचन में लगे कार्मिकों को प्रशिक्षित करेंगे। लखनऊ से प्रशिक्षण प्राप्त कर चार मास्टर ट्रेनर जिसमें दो ईबीएम एवं दो सामान्य ट्रेनर के माध्यम से दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम विकास भवन सभागार में 18 मार्च 2024 से 19 मार्च तक कुल दो पालियों में 87 मास्टर ट्रेनर-सेक्टर मजिस्ट्रेटों-जोनल मजिस्ट्रेटों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाइड लाइन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने मास्टर ट्रेनरों को ध्यान पूर्वक प्रशिक्षण लेने को कहा। यदि इसमें कोई भी समस्या आती है तो उसे पूछकर उस समस्या का निदान कर लें। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बरती नहीं जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी ने मास्टर ट्रेनरों को बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त आप द्वारा ही पीठासीन अधिकारी एवं बूथ कार्मिकों को प्रशिक्षित किया जाना है।`

चंदौली से बसपा प्रत्याशी बने सत्येंद्र मौर्य

चंदौली। चंदौली संसदीय क्षेत्र के लिए बहुजन समाज पार्टी की ओर से सत्येंद्र कुमार मौर्य को प्रत्याशी बनाया गया है। सत्येंद्र कुमार मूल रूप से लोकसभा संसदीय क्षेत्र के अजगरा विधानसभा के गांव गोसाईपुर मोहांव के निवासी हैं। यहीं नहीं युवा होने के साथ-साथ उन्होंने इंटरमीडिएट तक की शिक्षा प्राप्त की है। विदित हो कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बहुजन समाज पार्टी ने पिछड़ा कार्ड खेलकर जनपद की राजनीति के क्षेत्र में माहौल को खड़ा कर दिया है, लेकिन देखना अब यह हो कि यह कितना सफल हो पता है। बसपा ने विधानसभा अजगरा गांव निवासी गोसाईपुर मोहांव सत्येंद्र कुमार मौर्य को वाराणसी मंडल कोऑर्डिनेटर रामचंद्र ने प्रत्याशी घोषित किया तो पूरा कार्यकताओं में उत्साह पैदा हो गया। वे1995 से बहुजन समाज के लिए कार्यरत थे लेकिन, किसी पद पर नहीं रहे हैं। परिवार के कई लोग सरकारी नौकरियों में है। लेकिन सत्येंद्र कुमार मौर्य राजनीति के साथ सोशल वर्कर हैं। इस दौरान जिला अध्यक्ष घनश्याम प्रधान सुभाष चंद्र राकेश शर्मा छोटेलाल आदि उपस्थित रहे।

मृतक शिक्षक को मात्र 25 लाख एक क्रूर मजाक

बलिया। हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की कॉपी के बन्डलों को वाराणसी से मुजफ्फरनगर लेकर जा रहे शिक्षक धर्मेंद्र कुमार को पुलिस कर्मी द्वारा गोली मारकर हत्या करने के मामले में जनकुआक्टा के पदाधिकारियों ने मंगलवार की दोपहर नगर के एससी कॉलेज के बाहर प्रदर्शन किया।। जनकुआक्टा के महामंत्री डॉ अवनीश चन्द पाण्डेय ने कहा कि शिक्षकों का विचार है कि सरकार ने मात्र 25 लाख रुपये जो आन ड्यूटी शिक्षक का अधिकार है, को देकर अपनी जिम्मेदारी पूर्ण मान रही है, यह नाकाफी है। शिक्षकों का कहना था कि सरकार संवेदनशीलता का परिचय दें। अखिलेश सरकार में प्रतापगढ़ में एक सीओ की हत्या पर पांच करोड़, दिल्ली में केजरीवाल सरकार द्वारा एक पुलिस कर्मी के मरने पर एक करोड़ और एक शिक्षक की आन ड्यूटी गोली मारकर हत्या करने पर मात्र 25 लाख शिक्षक समुदाय के साथ क्रूर मजाक है और शिक्षकों के प्रति और उस मृतक शिक्षक धर्मेन्द्र कुमार के परिवार के प्रति सरकार की घोर असंवेदनशीलता है। आज जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेज में उस दिवंगत शिक्षक के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की गई और शोक के साथ साथ सरकार के प्रति रोष व्यक्त किया गया। सभी शिक्षकों ने समवेत रूप से मांग की मृतक शिक्षक के परिवार को सरकारी नौकरी व आश्रितों को कम से कम एक करोड़ रुपये की सहायता राशि सरकार तत्काल उपलब्ध कराए ताकि मूल्यांकन और चुनाव जैसे जिम्मेदारी भरे कार्यों में किसी प्रकार की कोई बाधा न उत्पन्न हो।

लूट की दी थी गलत सूचना, सीएसपी संचालक के पास से ही पैसा बरामद

- लूट की सूचना देने वाले के कब्जे से 245380 रुपया बरामद
- सीएसपी संचालक ने 18 मार्च को मनियर पुलिस को तीन लाख रुपया लूट होने की दर्ज करायी थी प्राथमिकी

केटी न्यूज/ बलिया

मनियर पुलिस ने एक लूट की फर्जी सूचना देने वाले बड़ौदा बैंक के सीएसपी संचालक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 245380 रुपया बरामद किया। वही अभियुक्त के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया। सीएसपी संचालक द्वारा 18 मार्च को मनियर पुलिस को तीन लाख रुपया लूट होने की तहरीर दी गई थी। इस मामले में थानाध्यक्ष मनियर मंतोष सिंह व हल्का प्रभारी राजेश कुमार राय ने घटना की जांच आवेदक के साथ घटनास्थल का जांच किया। पुलिस से सभी तथ्यों को खंगाला। साथ ही सीसीटीवी कैमरा का भी अवलोकन किया। सभी बिन्दुओं पर जांच करने के बाद मामला कुछ और ही निकला। इसके बाद एसओ मनियर ने आवेदक संजय कुमार चौहान से कड़ाई से पूछताछ किया। पुलिस की सख्ती के बाद आवेदक ने सच्चाई बता दी। सीएसपी संचालक ने स्वीकार्य किया कि उससे गलती हो गई हो गई। उसने बताया कि मैं लूट की फर्जी सूचना दिया था। संचालक ने बताया कि सम्पूर्ण रुपया अपने बिस्तर के नीचे छिपाकर रखा हूं। उसने अपने बिस्तर के नीचे से लाल रंग की थैली निकाला। जिसमें 500 रुपये के 438 नोट, 200 रुपये के 23 नोट, 100 रुपये के 217 नोट तथा 20 रुपये के 4 नोट बरामद हुआ जो कुल 245380 रुपया था। सीएसपी संचालक के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने चालान कर दिया।

आठ वर्षीय बालक ने बच्ची के साथ किया दुष्कर्म का प्रयास, पुलिस ने पकड़ा

- मां के पहुंचते ही मौके से हुआ फरार
- बालक को बिहार के छपरा रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने उसे पकड़ा

केटी न्यूज/ बलिया

बैरिया थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली आठ वर्षीय लड़के की नियति साथ खेल रही हम उम्र बच्ची के प्रति खराब हो गई। लेकिन संयोग अच्छा था। बच्ची की मां ने बच्चे की गलत हरकत देख दंग रह गई और बच्चे को पकड़कर उसके घर ले जा रही थी। तभी बच्चा हाथ छुड़ाकर भाग गया। उधर आठ वर्षीय बच्चे के अचानक गायब हो जाने से परिजन परेशान हो गये। उनलोगों ने पहले बच्चों को खोजने का प्रयास किया। लेकिन खोज नहीं पाने के कारण अंत में बैरिया थाने में एफआईआर दर्ज करायी। मामला सामने आते ही पुलिस ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी। पुलिस ने उत्तर प्रदेश समेत बिहार के सभी जीआरपी थाना को भी सूचित किया। साथ ही बच्चे की तस्वीर भेजी। ताकि बच्चें को खोजा जा सके। सोमवार को उक्त आरोपी गायब बच्चे को छपरा रेलवे स्टेशन से बिहार जीआरपी के जवानों ने बरामद कर इसकी सूचना बैरिया थाने को भेजी। बैरिया पुलिस के जवान बरामद बच्चे के परिजन के साथ छपरा जाकर उसे वापस लाये। घटना की जानकारी देते हुए एसएचओ धर्मवीर सिंह ने बताया कि रविवार को उक्त आठ वर्षीय बालक अपने घर के पीछे खेल रहा था। वहीं, हम उम्र बच्ची के प्रति उसकी नियत खराब दो गई। तभी बच्ची की मां ने यह देख लिया था। उस बच्चे को पकड़कर उसकी शिकायत करने उसके घर जा रही थी। इसी बीच हाथ छुड़ाकर भाग निकला। बालक छपरा पहुंच गया। छपरा रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने उसे पकड़ लिया। बालक को संबंधित थाने को सुपुर्द किया है। अब की कार्रवाई हो रही है। हालांकि पुलिस इस मामले में कुछ भी कहने से इंकार कर रही है।

मारूफपुर स्थित बाबा कीनाराम वैष्णव मठ रामशाला परिसर में सप्ताह कथा का आयोजन

श्रीमद्भागवत कथा रूपी अमृत से जीवन बनता है दिव्य : संतदास

केटी न्यूज/ चंदौली

मारूफपुर स्थित बाबा कीनाराम वैष्णव मठ रामशाला परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह के चौथे दिन मंगलवार को कथा श्रवण कराते हुए कहा कि जीवन में अच्छे रास्ते पर जाना है तो संकल्प लेना जरूरी है। हर बच्चे को अपने माता-पिता की बातों को मानना चाहिए और सबसे बड़ा भगवान माता-पिता ही होता है। जिनके ऊपर माता-पिता का आशीर्वाद है उन्हें संसार में सब कुछ प्राप्त है साथ-साथ हर एक माता-पिता को चाहिए कि अपने साथ अपने पाल्य पुत्र पुत्रीयों बहुओं पौत्र आदि पर समान रूप से स्नेह बरसाये। उन्होंने श्रीमदभागवत कथा महिमा बताते हुए कहा कि जब शुकदेव जी राजा परीक्षित को भागवत कथा सुनाने के लिये बैठे तो बैकुंठ से देवता अमृत कलश लेकर आये और शुकदेव जी से आग्रह किया कि राजा परीक्षित को अमृत पिलाकर उनका जीवन दीर्घ बना दें लेकिन भागवत कथा ना सुनाये। जिसपर भगवान शिव ने कहा कि ऐ देवताओं आपके अमृत से जीवन दीर्घ तो हो सकता है लेकिन श्रीमदभागवत रूपी कथा से जीवन दिव्य बनता है। इस दौरान उन्होंने श्री कृष्ण जन्म की कथा व सोहर सुनाकर लोगों मन्त्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान सूबेदार मिश्रा, राममूर्ति पांडेय, संतोष

पांडेय, बेचन दुबे, सीताराम यादव, कल्पनाथ प्रजापति, हरिओम दुबे, विकास ओझा, सारनाथ यादव सहित सैकड़ों श्रोता उपस्थित रहे।

भोजपुरी भाषा में है मधुरता की मिठास

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान लखनऊ के तत्वाधान में मातृ गंगाजलि महाविद्यालय मौधियां में हिंदी भाषा में आंचलिक बोली भोजपुरी का महत्व विषयक संगोष्ठी मंगलवार को सम्पन्न हुई। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता वरिष्ठ साहित्यकार ओमप्रकाश चौबे उर्फ ओम धीरज ने अपने सम्बोधन में कहा कि भोजपुरी सुंदर, सरस तथा मधुर भाषा है। लोकभाषा शिष्ट भाषा की आधारशिला है। विद्वानों ने कहा है कि जब शिष्ट भाषा में कमजोरी आती है तब वह लोक की तरफ मुखातिब होता है। वहीं से वह प्राण ऊर्जा प्राप्त कर अपनी गतिशीलता में आती है। इससे मधूरता का बोध होता है। डा. जयशंकर जय ने कहा कि भोजपुरी बोली हृदय से निकली अभिव्यंजना है, जो सीधे हृदय को स्पर्श करती है। डा. अशोक कुमार राय ने कहा कि भोजपुरी भाषा पूर्वी उत्तर प्रदेश की मातृ बोली है, जो समाज पर अपनी अमित छाप छोड़ती है। विनोद कुमार ने कहा कि भोजपुरी आंचलिक होते हुए भी पूरे भारत में समृद्ध हो रही है। धन्यवाद ज्ञापन प्रबंधक तहसीलदार यादव एवं संचालक कार्यक्रम संयोजक प्रख्यात हास्य कवि डा. अशोक कुमार राय अज्ञान ने किया।

भाजपा के यूपी की सभी 80 की 80 सीटों पर खिलेगा कमल : पुष्पराज सिंह

♦ हर बूथ पर जीत का परचम लहराने के लिए कार्यकर्ता मिशन मोड में जुट जाएं: गिरीश चंद्र यादव

केटी न्यूज/जौनपुर

आम चुनाव की घोषणा के साथ लोकसभा के चुनावी बिगुल फूंकते हुए पांचो विधानराभा में चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया गया जिसमे आज जौनपुर सदर और शाहगंज विधानसभा कार्यालय का उद्घाटन जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता मे सम्पन्न हुआ। जिसमे कार्यकताओं को जीत का मंत्र दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद्र यादव ने कहा यूपी की सभी 80 की 80 सीटों पर कमल खिलेगा पार्टी विकास, सुशासन व सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के मुद्दों पर चुनाव लड़ेंगी। हर बूथ पर जीत का परचम लहराने के लिए कार्यकर्ता मिशन मोड में जुट जाएं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री ने जातिवाद, परिवारवाद व भ्रष्टाचार की राजनीति को समाप्त किया है। लाभार्थी का बड़ा वोट बैंक खड़ा किया है। सभी जिम्मेदार कार्यकर्ता डोर टू डोर जाकर लाभार्थियों व अन्य वोटर से संपर्क करें। सरकार की उपलब्धियां बताएं हमारी सरकार

किसी के साथ भेदभाव नहीं करती है। राज्य सभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर जनता का अटूट विश्वास है एवं प्रधानमंत्री ने भी जनता को विकास की गारंटी दी है जो की जनता के बीच विश्वास के भाव को दशार्ती है इसलिए हमारी देवतुल्य जनता अपना मन बना चुकी है। 500 वर्षों के संघर्ष के बाद अयोध्या में जनभावनाओं के अनुरूप राम मंदिर बनाने का कार्य हुआ है मोदी सरकार ने भारत के गौरव को बढाया है। भारत को विश्व गुरू बनाने के लिए पार्टी व सरकार संकल्पित है

लोकसभा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने कहा कमल खिलाने के लिए जनता तैयार व उत्साहित हैं। कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता 365 दिन सक्रिय एवं चुनावी मोड में रहता है। शीर्ष नेतृत्व को आभार व्यक्त करता हू कि उन्होंने हम जैसे कार्यकर्ता को जौनपुर का सेवा करने का अवसर प्रदान किया। मुझे पार्टी के देव तुल्य कार्यकताओं के बल पर और देव तुल्य जनता के विश्वास पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जौनपुर की सेवा के लिये भेजा है और मुझे विश्वास है कि मै उनके विश्वास पर खरा उतरुगा। पार्टी की रीति-नीति सरकार के किये गये विकास कार्यों को लेकर जनता के बीच मे जाएगे मुझे पूर्ण विश्वास है कि अबकी बार फिर तीसरी बार मोदी को प्रधानमंत्री और अपने इस सेवक को सांसद बनाये।

भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कार्यकर्ता चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। पन्ना प्रमुख का गठन कर लिया गया है।

एक नजर

टायर फटने से संतरा की पेटियों से भरी पिकअप पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर पलटी, मचा हड़कंप

मऊ। उस समय हड़कंप मच गया जब जनपद के मोहम्मदाबाद गोहना कोतवाली क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार से जा रही संतरों से

लदी एक पिकअप गाड़ी पलट गई। पिकअप पलटने के बाद देखते ही देखते लोगो को भीड़ लग गई। मौके पर पहुंचे लोगों को संतरों की पेटियों के बीच से शराब की बोतलें दिखाई दी। चालक और परिचालक मौके से भाग निकले।स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। मोहम्मदाबाद गोहना कोतवाली क्षेत्र के शमशाबाद के पास पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बिहार नंबर इफ 01 9261 की पिकअप जा रही थी। पिकअप लखनऊ से रॉयल फ्रूटी के नाम से शराब को संतरों के पेटियों के बीच में रखकर बिहार लेकर जा रही थी। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर पिकअप का टायर फटने से अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे पिकअप में लदी संतरों के साथ शराब की पेटियां सड़क पर बिखर गई। पिकअप पलटने की सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ मौके पर पहुंच गई। ग्रामीण शराब की बोतलें लूटकर भागने लगे। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने ग्रामीणों को खदेड़ा और शराब की बोतलों को अपने कब्जे में लिया। इसके साथ ही शराब की बोतलों को जब्त कर मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली लेकर पहुंच गई। पुलिस गाड़ी को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुटी है। आबकारी निरीक्षक बजरंगी चौरसिया ने बताया कि 320 लीटर, लगभग 1 लाख 30 हजार रुपए की शराब पिकअप में लदी थी। जिसको कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

पीयू के सात और विद्यार्थी गेट परीक्षा में उत्तीर्ण

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर के सात और विद्यार्थी गेट परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन विभाग के तीन, प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) के चार विद्यार्थी शामिल हैं। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय अध्ययन एवं शोध संस्थान के रसायन विभाग के दो विद्यार्थियों संदीप यादव तथा वरुण पांडेय, सेंटर फॉर रिन्यूएबल एनर्जी में शोध छात्र अनिल शर्मा और अभिषेक दुबे भौतिकी विभाग रज्जू भैया संस्थान से परास्नातक हैं। इसी क्रम में उमानाथ सिंह अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन विभाग के बी. टेक. अंतिम वर्ष के छात्र ऋत्विक सिंह चौहान, शिवम चौधरी एवं आनंद पाल ने प्रथम प्रयास में ही गेट परीक्षा में अच्छे ग्रेड अर्जित किये है। राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट फॉर इंजीनियर्स (गेट) होती है। गेट परीक्षा के स्कोर विदेशों में विश्वविद्यालयों द्वारा भी स्वीकार किए जाते हैं। वास्तव में, ठवर, सिंगापुर और ऑक्सफोर्ड, यूके जैसे प्रतिष्ठित संस्थान प्रवेश के लिए गेट स्कोर पर विचार करते हैं। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। साथ हीं यह उम्मीद जताई की विज्ञान क्षेत्र में पूर्वांचल विश्वविद्यालय विश्व पटल पर अपनी पहचान स्थापित करेगा। इस अवसर पर प्रो. रवि प्रकाश, रसायन विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार डॉ. धीरेंद्र चौधरी समेत कई शिक्षकों ने बधाई दी।

राजा सिंह घोसी लोकसभा क्षेत्र से लड़ेगे चुनाव

मऊ। लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद घोसी से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारो की स्थिति धीरे धीरे स्पष्ट होने लगी है। आज नगर के भीटी चौराहे पर 25 क्षेत्रीय दलो के नेताओ की बैठ्क हुई। यह बैठक 24 क्षेत्रिय दलों के हिस्सेदारी मोचा के संयोजक एवं फूलन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोपाल निषाद एवं मानव सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजा सिंह की उपस्थिति में सम्पन्न हुई , बैठक में पिछली कार्यवाही का समर्थन करते हुये घोसी के सर्वांगणी विकास को गति देने एवं जाति-धर्म की राजनीति पर अंकुश लगाने हेतु घोसी लोकसभा 2024 चुनाव में हिस्सेदारी मोर्चा से राजा सिंह को प्रत्याशी बनाये जाने की घोषणा हुई। जिसका सभी ने समर्थन करते हुये राजा सिह को बधाई दी गई ।

खबरें फटाफट

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की हुई बैठक

मऊ। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में आगामी होली एवं रमजान के त्यौहार को शांतिपूर्णढंग से संपन्न कराए जाने की तैयारियों को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक के दौरान शांति समिति एवं जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए शांति समिति के सदस्यों एवं जनपद के संभ्रांत व्यक्तियों द्वारा आगामी त्यौहार होली के दृष्टिगत पानी, बिजली, रास्ता, डीजे, सुअरवाड़ा, शराब आदि के संबंध में समस्याएं उठाई गई।

विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन कर लोगों को किया गया जागरूक

मऊ। उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण,लखनऊ के निदेशों के अनुक्रम में मंगलवार को जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रामेश्वर एवं अपर जनपद/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अभिनय कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में तहसील-घोसी,जनपद मऊ के अंतर्गत विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। तहसील घोसी में विधिक जागरुकता शिविर के दौरान उपस्थित अधिकारी एवं अधिवक्तागण द्वारा आम जनमानस को विषयगत पर्यावरण संरक्षण हेतु सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया।

भाजपा नेत्रियों ने निकाला विकसित भारत यात्रा

मिजार्पुर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की पूर्वी अध्यक्ष साधना गुप्ता के नेतृत्व में 'विकसित भारत सुझाव पेटी (आकांक्षा पेटी) यात्रा का कार्यक्रम वासलीगंज (पुरानी तहसील) संकट मोचन वार्ड इलाके में निकाला गया ।जहा भाजपा नेत्रियों ने घर घर जाकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सरकार के पक्ष में लोगो से सुझाव मांगा ।भाजपा नेत्रियों ने लोगो से भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाई,महिला मोर्चा की नेत्रियों ने घर घर जाकर सरकार के अच्छे कार्यों को बताया और सरकार के पक्ष में सुझाव मांगने का कार्य किया।

बुंदेलखंड के 7 जिलों में 10 बड़े प्रोजेक्ट से होगा 3000 मेगावाट से अधिक का विद्युत उत्पादन

यूपी का नया 'पॉवर हाउस' बनने की राह पर बुंदेलखंड

♦ झांसी और चित्रकूट मंडल में धरातल पर उतर रही हैं सौर ऊर्जा की कई बड़ी परियोजनाएं

केटी न्यूज/लखनऊ

दशकों से देश के सबसे शुष्क और पिछड़े क्षेत्रों में शुमार बुंदेलखंड रीजन अब प्रगति की राह पर तेजी से बढ़ रहा है। इस परिक्षेत्र में विगत सात साल में सर्वाधिक विकास कार्य किये गये हैं। हाल ही में 10 लाख करोड़ से अधिक के निवेश को धरातल पर उतारा गया है। इसके बाद बुंदेलखंड का पूरा इलाका उत्तर प्रदेश के लिए ऊर्जा का नया हब बनने जा रहा है। यहां स्थापित होने वाली अधिकतर परियोजनाएं सौर ऊर्जा के उत्पादन पर आधारित हैं। तकरीबन 10 बड़ी परियोजनाएं ऐसी हैं जो सीधे-सीधे सौर ऊर्जा से जुड़ी हुई हैं। इन परियोजनाओं से ही तीन हजार मेगावाट से अधिक का विद्युत उत्पादन होगा।

30 हजार करोड़ की 29 बड़ी परियोजनाएं बदलेंगी बुंदेलखंड की सूरत

दरअसल, बुंदेलखंड में वर्ष 2017 के बाद से विशेष ध्यान दिया जाने लगा। शुष्क और पिछड़ा इलाका होने और कनेक्टिविटी का जरिया न होने के कारण इस क्षेत्र में विकास की रफ्तार शुरू से ही धीमी रही है। बावजूद इसके पिछले सात वर्षों में एक के बाद एक विकास और आधारभूत संरचनाओं से जुड़े तमाम प्रोजेक्ट के जरिए निवेशकों को इस रीजन में अपना उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया। इसके परिणामस्वरूप यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के एक साल बाद ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के जरिए तकरीबन 30 हजार करोड़ की 29 बड़ी परियोजनाओं ने बुंदेलखंड में उद्योग स्थापित करना आरंभ कर दिया है। इनमें भी 10 परियोजनाएं सौर ऊर्जा से जुड़ी हुई हैं, जोकि बुंदेलखंड के हमीरपुर को छोड़कर बाकी सभी 6 जनपदों (जालौन, झांसी, ललितपुर, बांदा, चित्रकूट और महोबाद) में स्थापित हो रही हैं। अकेले झांसी जनपद में तीन सोलर पॉवर परियोजना स्थापित होने जा रही हैं।

झांसी में सर्वाधिक सोलर पावर प्लांट

बुंदेलखंड रीजन के झांसी मंडल के मुख्यालय जनपद झांसी की बात करें तो यहां टुस्को की ओर से 600 मेगावाट सोलर प्लांट की स्थापना की जा रही है। 3430 करोड़ की इस परियोजना से 300 रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। इसके अलावा फोर्थ पार्टनर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड 1200 करोड़ से 100 मेगावाट सोलर प्लांट की स्थापना करेगा, जिससे 1000 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। वहीं सन सोर्स एनर्जी 600 करोड़ से 135 मेगावाट ओपन एक्सेस सोलर पॉवर प्रोजेक्ट की शुरूआत करेगा, जिससे 2000 रोजगार का सृजन होगा।

ललितपुर और बांदा भी पीछे नहीं

ललितपुर जिले में टुस्को की ओर से 600 मेगावाट सोलर पॉवर प्लांट को स्थापित किया जा रहा है। 3450 करोड़ की इस परियोजना से 300 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसी प्रकार सूर्य ऊर्जा फोर प्राइवेट लिमिटेड की ओर से 150 करोड़ की लागत से 10-15 मेगावाट सोलर पॉवर प्रोजेक्ट लगाया जाएगा, जो 200 लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करेगा। बांदा में अवाडा इंड सोलर प्राइवेट लिमिटेड 350 करोड़ की लागत से 750 मेगावाट सोलर पॉवर प्रोजेक्ट स्थापित करेगा। इसके अलावा 62 करोड़ की लागत से सनश्योर सोलर पार्क एट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 15 मेगावाट सोलर पॉवर प्रोजेक्ट की स्थापना की जा रही है।

चित्रकूट और महोबा भी बनेंगे सौर ऊर्जा के बड़े केंद्र

चित्रकूट की बात करें तो यहां टुस्को लिमिटेड 4700 करोड़ की लागत से 800 मेगावाट सोलर पॉवर प्रोजेक्ट की स्थापना करेगा। इससे 400 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। इसके अलावा श्री सिमेंट प्राइवेट लिमिटेड 202 करोड़ से सोलर पॉवर प्लांट की स्थापना करेगा। बुंदेलखंड क्षेत्र के महोबा में टुस्को लिमिटेड द्वारा 1008 करोड़ से 155 मेगावाट अर्जुन सागर फ्लोटिंग सोलर पॉवर प्रोजेक्ट की स्थापना की जा रही है। इससे 78 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। महोबा में ही आईबी वोगट सोलर फोर प्राइवेट लिमिटेड 80 करोड़ की लागत से सोलर पॉवर प्रोजेक्ट स्थापित करेगा।

सौर ऊर्जा के अलावा ये बड़ी परियोजनाएं भी समृद्धि को देंगी रफ्तार

अन्य बड़ी परियोजनाओं में 2840 करोड़ से रेलवे के एलबीएच कोच प्रोजेक्ट और ट्रैक वर्क का प्लांट स्थापित की जा रही है। संत मां

कर्मा मानव संवर्धन समिति की ओर से 501 करोड़ की लागत से प्राइवेट विश्वविद्यालय की स्थापना होगी। ललितपुर में 30 करोड़ की लागत से स्टोन माइनिंग और 20 करोड़ से डिफेंस सेक्टर के लिए गन प्रोपलेंट प्रोजेक्ट स्थापित की जा रही है। चित्रकूट में सौराष्ट्र भुज फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड 500 करोड़ से फूड प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करेगी। यही नहीं चित्रकूट में वरुन बेवरेज लिमिटेड 496 करोड़ और शुक्ला इंटरप्राइजेज फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में 200 करोड़ का बड़ा निवेश कर चुकी है। इसी प्रकार हमीरपुर में मैन्यूफैक्चरिंग और एग्री बेस्ड सॉयल प्रोजेक्ट्स में भी तीन बड़ी कंपनियों ने तकरीबन 940 करोड़ का इन्वेस्टमेंट किया है। महोबा में भी देशी भोग की ओर से फूड प्रॉसेसिंग मेकिंग यूनिट जीआरएस होटल प्राइवेट लिमिटेड की ओर से 50-50 करोड़ का निवेश किया गया है।

सपा के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष पर चाकुओं से हमला

केटी न्यूज/जौनपुर

थाना जलालपुर क्षेत्र के गांव करदहां में पड़ोसियों ने राजेन्द्र सिंह नामक ब्यक्ति को चाकुओं से हमला कर गंभीर घायल कर दिया।आनन फानन में घायल राजेन्द्र को परिजन नजदीकी अस्पताल पहुंचे जहां से गंभीर घायलवस्था में वाराणसी रेफर किया गया है।मामला पुरानी रंजिश का बताया जा रहा है।घायल राजेन्द्र समाजवादी पार्टी के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष भी रहे है।फिलहाल पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पूरी मामला जलालपुर थानांतर्गत गांव करदहां का जहां राजेन्द्र सिंह का अपने पड़ोसी घनश्याम सिंह पुत्र स्व. नँदलाल सिंह से पुराना विवाद चल रहा था।बताया जा रहा है जिसको लेकर18 मार्च की देर शाम घनश्याम

सिंह पहले से घात लगाए बैठा था।उसने राजेन्द्र सिंह पर चाकुओं से ताबड़तोड़ कई बार कट दिए।जिससे राजेन्द्र सिंह घायल हो कर वहीं गिर पड़े।आनन फानन में परिजन नजदीकी सीएचसी रेहटी लेकर गए जहां से डॉक्टर ने जिला अस्पताल भेज दिया।जिला अस्पताल में भी राजेन्द्र सिंह की गम्भीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने वाराणसी रेफर कर दिया।जहां पर उनका इलाज जारी है।राजेन्द्र सिंह समाजवादी पार्टी के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष भी रह चुके है।मामला चुनावी रंजिश का भी बताया जा रहे है। वहीं सीओ केराकत प्रतिमा वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया है। राजेन्द्र सिंह और घनश्याम सिंह दोनो पड़ोसी है।इनकी गांव में ही आपस मे पुरानी रंजिश चल रही थी। न कि कोई चुनावी रंजिश है।घनश्याम सिंह व तीन अन्य खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पैमाईश के नाम पर घूस लेते लेखपाल का वीडियो वायरल

जौनपुर। सरकार द्वारा जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करने का दावा लगातार किया जा रहा है बावजूद इसके सरकारी कर्मचारी ही इसकी धज्जियां उड़ाने से बाज नहीं आ रहे हैं .सरकार की तमाम प्रयासों के बाद भी भ्रष्टाचार अपनी चरम पर है बिना सुविधा शुल्क लिए कोई भी कर्मचारी कोई भी काम करने को तैयार नहीं है।आए दिन इन कर्मचारियों के कारनामे भी मीडिया के माध्यम से आम जनमानस और प्रदेश के मुखिया तक पहुंचता है लेकिन उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई न होने से उनकी हौसले बुलंद है। ताजा मामला बदलापुर थाना क्षेत्र के ग्राम सभा मेढा तहसील बदलापुर में कार्यरत लेखपाल शैलेन्द्र सिंह का बताया जा रहा है।

जिलेभर में जा रही भाजपा की मोदी की गारंटी वैन, 30 मार्च तक चलेगा अभियान

सुझाव मिलने के बाद तैयार होगा भाजपा का संकल्प पत्र

♦ जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों का गंभीरता से निस्तारण करने के दिए निर्देश

केटी न्यूज/आजमगढ़

जनता का सुझाव लेकर लोकसभा चुनाव -2024 का संकल्प पत्र भारतीय जनता पार्टी तैयार कर रही है। इसके लिए जिलेभर में भाजपा की मोदी की गारंटी वैन जा रही है और जनता के सुझाव ले रही है। इसके आधार पर ही हम अपना संकल्प पत्र तैयार करेंगे।

संकल्प पत्र लेने के लिए अतरौलिया विधान सभा अहरौला मंडल में मोदी की गारंटी वैन के साथ मुख्य अतिथि के रूप भारतीय जनता पार्टी लालगंज के जिला अध्यक्ष सूरज प्रकाश श्रीवास्तव संकल्प पत्र के संयोजक ओम प्रकाश सिंह, संकल्प पत्र के सह

संयोजक योगेंद्र राय,सुनील सिंह डब्बू रहे। जिला अध्यक्ष सूरज प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी किसानों, महिलाओं और युवाओं के सुझावों पर संकल्प पत्र तैयार करेगी। भाजपा अपने संकल्प पत्र को गंभीरता से लेती है और उसे पूरा करती है। इसके लिए जिले के हर विधानसभा क्षेत्र में जनता से सुझाव लिए जा रहे हैं। सुझाव आपका संकल्प हमारा अभियान को लेकर संकल्प पत्र तैयार किया जाएगा। इसके लिए 30 मार्च तक अभियान चलेगा। हर विधानसभा क्षेत्र से आम जनता से संकल्प पत्र को लेकर सुझाव लिए जा रहे हैं। भाजपा संकल्प पत्र को गंभीरता से लेती है और उसे पूरा करती है।

संकल्प पत्र के संयोजक ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि जनता के सुझावों और समर्थन के लिए भाजपा अभियान चलाते हुए जनता के बीच जा कर उनके सुझावों को संकल्प पत्र में शामिल किया जायेगा।जिस पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार धरातल पर कार्य करेगी।

इस अवसर पर जिला मंत्री अभिषेक सिंह, अजय यादव, मंडल अध्यक्ष रवींद्र सिंह बब्लू,राजेश श्रीवास्तव, रिया पांडेय, राज सिंह, आदि उपस्थित रहे।

सुभाषितम्

मनुष्य जितना ज्ञान में घुल गया हो उतना ही कर्म के रंग में रंग जाता है।

- विनोबा भावे

चुनाव की अवधि क्यों बढ़ी शोध का विषय

इस बार के लोकसभा के चुनाव सात चरणों में पूरे होंगे। भारत में ऐसा क्यों होता है। चुनाव की तारीख, अवधि और चुनाव सुधारों को लेकर बातें तो बड़ी-बड़ी होती हैं, लेकिन सुधार नहीं होता है ! वही ढाक के तीन पात की स्थिति बनी रहती है। हाल ही में चुनावी बांड को लेकर चुनाव आयोग और राजनीतिक दलों के बीच की कार्य प्रणाली उजागर हो रही है, उसको लेकर मतदाता से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक हैरान है। अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव निश्चित अवधि में निश्चित दिन में होता है। 100 साल से ज्यादा का समय हो गया है। यह परंपरा अमेरिका में आज भी चली आ रही है। हर साल नवंबर माह के प्रथम मंगलवार को राष्ट्रपति पद की वोटिंग की तारीख निश्चित है। एक ही दिन में अमेरिका के चुनाव संपन्न हो जाते हैं। इस साल अमेरिका में परंपरा के अनुसार 5 नवंबर को मतदान होगा। 2014 के बाद से भारत में चुनाव की अवधि लगातार बढ़ती चली जा रही है। इसके पहले चार चरणों में लोकसभा चुनाव होते थे। जब देश के पास उतने संसाधन नहीं थे, तब लोकसभा का चुनाव कम समय में संपन्न हो जाता था। अब सभी संसाधनों के होते हुए भी सात चरण और 42 दिन में चुनाव होगा। चुनाव की अवधि बढ़ने से अब चुनाव प्रक्रिया को लेकर शोध की जरूरत महसूस होने लगी है। दुनिया के देशों में मत पत्र से चुनाव होते हैं। भारत में समय बचाने के लिए ईवीएम से चुनाव होते हैं। उसके बाद भी हनुमान जी की पूंछ की तरह चुनाव आयोग इच्छानुसार चुनाव की अवधि बढ़ाता चला जा रहा है। निश्चित रूप से सत्तारूढ़ दल को लंबे समय तक चुनाव प्रचार करने का समय मिलता है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से हर चरण का चुनाव प्रचार देश के सभी मतदाताओं तक पहुंचता है। यह अलग बात है, गोदी मीडिया एक ही पार्टी के प्रचार को सबसे ज्यादा दिखाता है। यह भी एक कारण हो सकता है। सभी सात चरणों के मतदान तक टीवी चैनल में, लोकसभा के चुनाव प्रचार को देखा जा सकता है। 2019 में 10 मार्च को चुनाव की घोषणा हुई थी। वोटों की गिनती 23 मई को संपन्न हो गई थी। इस बार 16 मार्च को चुनाव की घोषणा हुई है। 4 जून को नतीजे सामने आएंगे। पिछली बार 26 मई को प्रधानमंत्री ने शपथ ली थी। अब 4 जून को जब नतीजे आएंगे। उसके बाद ही प्रधानमंत्री पद की शपथ होगी। भारत में ज्योतिष का बड़ा प्रभाव है। चुनाव आयोग ने भी शायद ज्योतिषाचार्य से पूछकर चुनाव की तारीखें तय की होंगी। प्रधानमंत्री का कार्यकाल इस हिसाब से 5 वर्ष से अधिक का होगा। इस लोकसभा चुनाव में 81 दिन तक आदर्श आचार संहिता लागू रहेगी। जो पिछले चुनाव की तुलना में 6 दिन अधिक है। मई-जून का महीना भारत में जानलेवा गर्मी वाला होता है। राजनीतिक दलों को चुनाव प्रचार करने में और मतदाताओं को मतदान करने में तकलीफ का सामना करना पड़ेगा। अमेरिका में 100 साल से राष्ट्रपति चुनाव की परंपरा का अक्षरशः पालन किया जा रहा है। केंद्रीय चुनाव आयोग सारे संसाधन होने के बाद भी चार चरणों का चुनाव सात चरण में करा रहा है। ऐसी स्थिति में जब वन नेशन वन इलेक्शन की जिम्मेदारी चुनाव आयोग को पूरा करना होगी। तब क्या हाल होगा। यह आसानी से समझा जा सकता है। अब यह भी कहा जाने लगा है, चुनाव आयोग को सरकार के निर्देशन पर काम करना पड़ता है। सरकार के बनाये प्रोग्राम पर काम करना चुनाव आयोग की बाध्यता है। चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था जरूर है, लेकिन अब वह सरकारी नियंत्रण से मुक्त नहीं है। यदि चुनाव आयोग स्वतंत्र होता, तो निश्चित रूप से पूर्व चुनाव आयुक्त टीएन सेशन के कार्यकाल की परंपरा को अपनाकर चुनाव कराता। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग की वैसी ही तूती बोलती, जैसे टीएन सेशन के समय पर बोलती थी। उस समय चुनाव आयोग से सरकारी अधिकारी सभी राजनेता डरते थे। चुनाव निष्पक्ष तरीके से होते थे।

चिंतन-मनन

धर्म क्या है?

धर्म के मुख्यतः दो आयाम हैं। एक है संस्कृति, जिसका संबंध बाहर से है। दूसरा है अध्यात्म, जिसका संबंध भीतर से है। धर्म का तत्व भीतर है, मत बाहर है। तत्व और मत दोनों का जोड़ धर्म है। तत्व के आधार पर मत का निर्धारण हो, तो धर्म की सही दिशा होती है। मत के आधार पर तत्व का निर्धारण हो, तो बात कुरूप हो जाती है। एक संत आता है। भीतर की गुफा में जाकर धर्म के तत्व अध्यात्म को जानता है। फिर वह चला जाता है। फिर मत बचा रहता है। उसके आधार पर एक संस्कृति विकसित होती है। संस्कृति के फूल खिलते हैं। काल क्रम में संस्कृति मुख्य हो जाती है। अध्यात्म गौण हो जाता है। और फिर एक संत को, एक जीवित संत को इस धरती पर आना पड़ता है। फिर से अंगारे जलाने होते हैं। फिर से दीप जलाना होता है। जो दीप कभी जला था, उसके आधार पर जो गीत रह गए थे, वे पुराने पड़ जाते हैं। फिर से एक नया दीपक जलता है। नई रोशनी आती है। नया गीत फूटता है। नई नदी बहती है। सब कुछ नूतन हो जाता है। तो कहूँगा कि तुम जानो या न जानो, तुम सब धर्म के मार्ग पर ही हो। कोई व्यक्ति ऐसा नहीं हैं, जो धर्म के मार्ग पर नहीं है। यह और बात है कि उसे पता है, या नहीं पता है। लेकिन धर्म का तत्व क्या है? धर्म का उद्गम क्या है? कहाँ पहुँचना है हमें? गंतव्य कहाँ है? उस बात को बताने के लिए ही संत इस धरती पर आता है। स्वामी विवेकानंद जी भी आए। और ये याद दिलाने के लिए आता है संत कि तुम कौन हो? अमृतस्य पुत्रा? | तुम राम-कृष्ण की संतान हो। तुम कबीर और गुरुनानक की संतान हो। तुम बुद्ध और महावीर की संतान हो। तुम क्यों दीन-हीन और दरिद्र जैसा जीवन जी रहे हो? क्यों अशांत हो, क्यों दुःखी हो? अपना स्वरूप हम भूल गए हैं। करीब-करीब ऐसे ही हम जीवन जीते हैं अपने वास्तविक स्वरूप को भूलकर। इस जीवन की कितनी गरिमा है। इस जीवन की कितनी क्षमता है। अनंत आनन्द का खजाना, जो हमारे भीतर है, उसकी ओर हम पीठ करके जीते हैं।

आस्था के प्रतीक हैं खाटू के श्री श्याम

-रमेश सर्राफ धमोरा

हमारे देश में बहुत से ऐसे धार्मिक स्थल हैं जो अपने चमत्कारों व वरदानों के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्हीं मंदिरों में से एक है राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के सीकर जिले का विश्व विख्यात प्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर। यहां फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी को श्याम बाबा का विशाल वार्षिक मेला भरता है। जिसमें देश-विदेशों से आये करीबन 25 से 30 लाख श्रृद्धालु शामिल होते हैं। खाटू श्याम का मेला राजस्थान के बड़े मेलों में से एक है। इस मंदिर में भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक की श्याम यानी कृष्ण के रूप में पूजा की जाती है। इस मंदिर के लिए कहा जाता है कि जो भी इस मंदिर में जाता है उन्हें श्याम बाबा का नित नया रूप देखने को मिलता है। कई लोगों को तो इस विग्रह में कई बदलाव भी नजर आते है। कभी मोटा तो कभी दुबला। कभी हंसता हुआ तो कभी ऐसा तेज भरा कि नजरें भी नहीं टिक पातीं। श्याम बाबा का धड़ से अलग शीष और धनुष पर तीन वाण की छवि वाली मूर्ति यहां स्थापित की गईं। कहते हैं कि मन्दिर की स्थापना महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद स्वयं भगवान कृष्ण ने अपने हाथों की थी।

श्याम बाबा की कहानी महाभारत काल से आरम्भ होती है। वे पहले

बर्बरीक के नाम से जाने जाते थे तथा भीम के पुत्र घटोतकच और नाग कन्या अहिलवती के पुत्र थे। बाल्यकाल से ही वे बहुत वीर और महान योद्धा थे। उन्होने युद्ध कला अपनी मां से सीखी। भगवान शिव की घोर तपस्या करके उन्हें प्रसन्न किया और उनसे तीन अभेध्य बाण प्राप्त कर तीन बाणधारी के नाम से प्रसिद्ध हुये। अग्नि देव ने प्रसन्न होकर उन्हें धनुष प्रदान किया जो उन्हें तीनो लोकों में विजयी बनाने में समर्थ थे। कौरवों और पाण्डवों के मध्य महाभारत युद्ध का समाचार बर्बरीक को प्राप्त हआ तो उनकी भी युद्ध में सम्मिलित होने की इच्छा जागृत हुयी। जब वे अपनी मां से आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचे तब मां को हारे हुये पक्ष का साथ देने का वचन दिया। महाभारत के युद्ध में भाग लेने के लिये वे अपने नीले रंग के घोडे पर सवार होकर धनुष व तीन बाणों के साथ कुरूक्षेत्र की रणभूमि की और अग्रसर हुये। भगवान कृष्ण ने ब्राह्मण वेश धारण कर बर्बरीक से परिचित होने के लिये उसे रोका और यह जानकर उनकी हंसी भी उड़ायी कि वह मात्र तीन बाण से युद्ध में सम्मिलित होने आया है। ऐसा सुनने पर बर्बरीक ने उत्तर दिया कि मात्र एक बाण शत्रु सेना को ध्वस्त करने के लिये पर्याप्त है और ऐसा करने के बाद बाण वापिस तरकस में ही आयेगा। यदि उन्होने तीनो बाणों को प्रयोग में ले लिया गया तो तीनो लोकों में हाहाकार मच जायेगा। इस पर कृष्ण ने उन्हें चुनौती दी की इस पीपल के पेड के सभी पत्रों को छेद कर दिखलाओ। जिसके नीचे दोनो खड़े थे। बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार की और अपने तुणीर से एक बाण निकाला और ईश्वर को स्मरण कर बाण पेड़ के पत्तो की और चलाया। तीर ने क्षण भर में पेड के सभी पत्तों को भेद दिया और कृष्ण के पैर के इर्द-गिर्द चक्कर लगाने लगा। क्योंकि एक पत्ता उन्होनें अपने पैर के नीचे छुपा लिया था। तब बर्बरीक ने कृष्ण से कहा कि आप अपने पैर को हटा लीजिये वर्ना ये आपके पैर को चोट पहुंचा देगा। कृष्ण ने बालक बर्बरीक से पूछा कि वह युद्ध में किस और से सम्मिलित होगा तो बर्बरीक ने अपनी मां को दिये वचन दोहराते हुये कहा कि वह युद्ध में निर्बल और हार की और अग्रसर पक्ष की तरफ से भाग लेगा। कृष्ण जानते थे कि युद्ध में हार तो कौरवों की ही निश्चित है। अगर बर्बरीक ने उनका साथ दिया तो परिणाम उनके पक्ष में ही होगा। ब्राह्मण बने कृष्ण ने बालक बर्बरीक से दान की अभिलाषा व्यक्त की। इस पर वीर बर्बरीक ने उन्हें वचन दिया कि अगर वो उनकी अभिलाषा पूर्ण करने में समर्थ होगा तो अवश्य करेगा। कृष्ण ने उनसे शीश का दान मांगा। बालक बर्बरीक क्षण भर के लिये चकरा गया परन्तु उसने अपने वचन की दृढ़ता जतायी। बालक बर्बरीक ने ब्राह्मण से अपने वास्तिवक रूप में आने की प्रार्थना की और कृष्ण के बारे में सुन कर बालक ने उनके विराट रूप के दर्शन की अभिलाषा व्यक्त की। तब कृष्ण ने उन्हें अपना विराट रूप दिखाया। उन्होने बर्बरीक को समझाया कि युद्ध आरम्भ होने से पहले युद्धभूमि की पूजा के लिये एक वीर क्षत्रिय के शीश के दान की आवश्यक्ता होती है। उन्होनें बर्बरीक को युद्ध में सबसे बड़े वीर की उपाधि से अलंकृत कर उनका शीश दान में मांगा। बर्बरीक ने उनसे प्रार्थना की कि वह अंत तक युद्ध देखना चाहता है। श्री कृष्ण ने उनकी यह बात स्वीकार कर ली। फाल्गुन माह की द्वादशी को उन्होनें अपने शीश का दान दिया। उनका सिर युद्धभूमि के समीप ही एक पहाड़ी पर सुशोभित किया गया जहां से बर्बरीक सम्पूर्ण युद्ध का जायजा ले सकते थे। युद्ध की समाप्ति पर पांडवों में ही आपसी खींचाव हुआ कि युद्ध में विजय का श्रेय किसको जाता है। इस पर कृष्ण ने उन्हें सुझाव दिया कि बर्बरीक का शीश सम्पूर्ण युद्ध का साक्षी है। उससे बेहतर निर्णायक भला कौन हो सकता है। सभी इस बात से सहमत हो गये। बर्बरीक के शीश ने उत्तर दिया कि कृष्ण ही युद्ध मे विजय प्राप्त कराने में सबसे महान पात्र हैं। उनकी शिक्षा, उनकी उपस्थिति, उनकी युद्धनीति ही निर्णायक थी। उन्हें युद्धभूमि में सिर्फ उनका सुदर्शन चक्र घूमता हुआ दिखायी दे रहा था जो कि शत्रु सेना को काट रहा था। महाकाली दुर्गा कृष्ण के आदेश पर शत्रु सेना के रक्त से भरे प्यालों का सेवन कर रही थी। कृष्ण वीर बर्बरीक के महान बलिदान से काफी प्रसन्न हुये और वरदान दिया कि कलियुग में तुम श्याम नाम से जाने जाओगे, क्योंकि कलियुग में हारे हुये का साथ देने वाला ही श्याम नाम धारण करने में समर्थ होगा। ऐसा माना जाता है कि एक बार एक गाय उस स्थान पर आकर अपने स्तनों से दुग्ध की धारा स्वतरू ही बहा रही थी बाद में खुदायी के बाद वह शीश प्रकट हुआ। एक बार खाटू के राजा को स्वप्न में मन्दिर निर्माण के लिये और वह शीश मन्दिर में सुशोभित करने के लिये प्रेरित किया गया। तदन्तर उस स्थान पर मन्दिर का निर्माण किया गया और कार्तिक माह की एकादशी को शीश मन्दिर में सुशोभित किया गया, जिसे बाबा श्याम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। मूल मंदिर 1027 ई. में रूपसिंह चैहान और उनकी पत्नी नर्मदा कंवर द्वारा बनाया गया था। मारवाड़ के शासक ठाकुर के दीवान अभय सिंह ने ठाकुर के निर्देश पर 1720 ई0 में मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। मंदिर इस समय अपने वर्तमान आकार ले लिया और मूर्ति गर्भगृह में प्रतिष्ठापित किया गया था। मूर्ति दुर्लभ पत्थर से बनी है। पिछले वर्ष अगस्त को खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने जा रही 3 महिलाओं की भगदड़ में मौत होने के बाद प्रशासन यहां की व्यवस्था को लेकर पूरा सख्त हो गया। जिला प्रशासन व मंदिर प्रबंध कमेटी ने मिलकर खाटू श्याम मंदिर परिक्षेत्र में कई नई सुविधाओं को प्रारंभ किया है। यहां के आम रास्तों को 40 फीट तक चौड़ा किया गया है। मंदिर में दर्शन करने की व्यवस्था में भी आमूलचूल परिवर्तन किया गया है। इससे मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा हो रही है। यदि आने वाले समय में सरकार यहां के मंदिर परिसर का विस्तार कर एक सार्वजनिक ट्रस्ट का गठन करें तो राजस्थान के इस प्रसिद्ध मंदिर का भी आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर की तरह व्यवस्थित ढंग से विकास हो सकता है। जिसका लाभ श्रद्धालुओं को ही मिलेगा।

हमारी पर्यावरण दोस्त है चुलबुली गौरैया

-प्रभुनाथ शुक्ल

हमारी सोच अब आहिस्ता-आहिस्ता बदलने लगी है। हम हम प्रकृति और जीव जंतुओं के प्रति थोड़ा मित्रवत भाव रखने लगे हैं। घर की टैरिश पर पक्षियों के लिए दाना-पानी डालने लगे हैं। गौरैया से हम फ्रेंडली हो चले हैं। किचन गार्डन और घर की बालकनी में कृतिम घोंसला लगाने लगे। गौरैया धीरे हमारे आसपास आने लगी है। उसकी चीं-चीं की आवाज हमारे घर आंगन में सुनाई पड़ने लगी है। गौरैया संरक्षण को लेकर ग्लोबल स्तर पर बदलाव आया है यह सुखद है। फिर भी अभी यह नाकाफी है। हमें प्रकृति से संतुलन बनाना चाहिए। हम प्रकृति और पशु -पक्षियों के साथ मिलकर एक सुंदर प्राकृतिक वातावरण तैयार कर सकते हैं। जिन पशु पक्षियों को हम अनुपयोगी समझते हैं वह हमारे लिए प्राकृतिक पर्यावरण को संरक्षित करने में अच्छी खासी भूमिका निभाते हैं, लेकिन हमें इसका ज्ञान नहीं होता। गौरैया हमारी प्राकृतिक मित्र है और पर्यावरण में सहायक है। गौरैया प्राकृतिक सहचरी है। कभी वह नीम के पेड़ के नीचे फुदकती और चावल या अनाज के दाने को चुगती है। कभी घर की दीवार पर लगे आईने पर अपनी हमशक्ल पर चोंच मारती दिख जाती। एक वक्त था जब बबूल के पेड़ पर सैकड़ों की संख्या में घोंसले लटके होते थे,लेकिन वक्त के साथ गौरैया एक कहानी बन गई। हालांकि पर्यावरण के प्रति जागरूकता के चलते हाल के सालों में यह दिखाई देने लगी है। गौरैया इंसान की सच्ची दोस्त भी है और पर्यावरण संरक्षण में उसकी खासी भूमिका भी है। दुनिया भर में 20 मार्च गौरैया संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी गौरैया संरक्षण के लिए

लोगों से पहल कर चुके हैं। उन्होंने राज्यसभा सदस्य बृजलाल के प्रयासों को ट्वीटर पर खूब सराहा था और कहा कि गौरैया संरक्षण को लेकर आपका प्रयास बेहतरीन और काबिले तारीफ है। राज्यसभा सदस्य बृजलाल ने अपने घर में गौरैया संरक्षण को लेकर काफी अच्छे उपाय किए हैं। उन्होंने गौरैया के लिए दाना पानी और घोंसले की व्यवस्था की है। जंगल में आजकल पंच सितारा संस्कृति विस्तार ले रही है। प्रकृति के सुंदर स्थान को भी इंसान कमाने का जरिया बना लिया है। जिसकी वजह पशु-पक्षियों के लिए खतरा बन गया है।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् मोहम्मद ई. दिलावर के प्रयासों से 20 मार्च को चुलबुली गौरैया के लिए रखा गया। 2010 में पहली बार यह दुनिया में मनाया गया। गौरैया का संरक्षण हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इनसान की भोगवादी संस्कृति ने हमें प्रकृति और उसके साहचर्य से दूर कर दिया है। गौरैया एक घरेलू और पालतू पक्षी है। यह इंसान और उसकी बस्ती के पास अधिक रहना पसंद करती है। पूर्वी एशिया में यह बहुतायत पायी जाती है। यह अधिक वजनी नहीं होती। इसका जीवनकाल दो साल का होता है। यह पांच से छह अंडे देती है। भारत की आंध्र यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में गौरैया की आबादी में 60 फीसदी से अधिक की कमी बताई गई है। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी आफ प्रोटेक्शन आफ बर्ड्स ने इस चुलबुले और चंचल पक्षी को रेड लिस्ट में डाल दिया है। दुनिया भर में ग्रामीण और शहरी इलाकों में गौरैया की आबादी घटी है। गौरैया की घटती आबादी के पीछे मानव विकास सबसे अधिक जिम्मेदार है। गौरैया पासेराडेई परिवार की सदस्य है लेकिन इसे वीवरपिंच परिवार का भी सदस्य माना जाता है। इसकी लंबाई 14 से 16 सेंटीमीटर होती है। इसका वजन 25 से 35 ग्राम तक होता है। यह अधिकांश झुंड में रहती है। यह अधिक दो मील की दूरी तय करती है। मानव जहां-जहां गया, गौरैया उसका हमसफर बनकर उसके साथ गयी। गांवों में अब पक्के मकान बनाए जा रहे हैं। जिसका कारण है कि मकानों में गौरैया को अपना घोंसला बनाने के लिए सुरक्षित जगह नहीं मिल रही है। पहले गांवों में कच्चे मकान बनाए जाते थे। उसमें लकड़ी और दूसरी वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाता था। कच्चे मकान गौरैया के लिए प्राकृतिक वातावरण और तापमान के लिहाज से अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराते थे,लेकिन आधुनिक मकानों में यह सुविधा अब उपलब्ध नहीं होती। यह पक्षी अधिक तापमान में नहीं रह सकता। देश की खेती-किसानी में रासायनिक उर्वरकों का बढ़ता प्रयोग बेजुबान पक्षियों और गौरैया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। केमिकल युक्त रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से कीड़े-मकोड़े भी विलुप्त हो चले हैं। जिनमें गिद्ध, कौवा, महोख, कठफोड़वा, कौवा और गौरैया शामिल हैं। इनके भोजन का भी संकट खड़ा हो गया है। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् मोहम्मद ई. दिलावर नासिक से हैं और वह बाम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी से जुड़े रहे हैं। उन्होंने यह मुहिम 2008 से शुरू की थी। आज यह दुनिया के 50 से अधिक मुल्कों तक पहुंच गयी है। दिलावर के विचार में गौरैया संरक्षण के लिए लकड़ी के बुरादे से छोटे-छोटे घर बनाए जाएं और उसमें खाने की भी सुविधा भी उपलब्ध हो। घोंसले सुरक्षित स्थान पर हों, जिससे गौरैयों के अंडों और चूजों को हिंसक पक्षी और जानवर शिकार न बना सकें। हमें प्रकृति और जीव-जंतुओं के सरोकार से लोगों को परिचित कराना होगा। आने वाली पीढ़ी तकनीकी ज्ञान अधिक हासिल करना चाहती है, लेकिन पशु-पक्षियों से वह जुड़ना नहीं चाहती है। इसलिए हमें पक्षियों के बारे में जानकारी दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। जिससे हम अपनी पर्यावरण दोस्त को उचित माहौल दे पाएं।

क्योंकि मोदी जी को पुतिन का कीर्तिमान भंग करना है ?...

- राकेश अचल

` चूंकि आम चुनावों की घोषणा हो चुकी है इसीलिए मुझे भी रोजाना आम चुनावों के मुताल्लिक ही कुछ न कुछ अर्ज करना होगा। आज मेरा सवाल है कि आखिर कार्यवाहक प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी क्यों तीसरी बार सत्ता में आने के लिए पापड़ बेल रहे हैं? क्या उन्हें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का कीर्तिमान भंग करना है? पुतिन पांचवीं बार चुनाव जीते हैं और उन्होंने क्रीं 88 फीसदी मत प्राप्त किये हैं यानी की वहां मुकाबला एकतरफा हुआ है। ये सही है कि खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलता है लेकिन नेता को देखकर नेता भी रंग बदलता है ये हैरानी की बात है। पुतिन उस रूस के राष्ट्रपति हैं जिसकी आबादी 15 करोड़ से ज्यादा नहीं है । इससे ज्यादा आबादी तो हमारे अकेले उत्तर प्रदेश की है। यानि पुतिन का लक्ष्य मोदी जी के लक्ष्य के मुकाबले बहुत छोटा था । मोदी जी दरअसल गरीबी और आतंक से निबटने,किसानों की समृद्धि युवाओं को रोजगार के नए अवसर और भ्ष्टाचार्र पर कार्रवाई के लिए अबकी बार 400 पार करना चाहते हैं। उन्होंने खुद कर्नाटक में ये गणित कर्नाटक की उस जनता को समझाया जो विधानसभा चुनावों में भाजपा को और खुद मोदी जी को खारिज कर चुकी है। मुझे लगता है कि मोदी जी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। उन्हें तीसरी बार ही नहीं बल्कि पुतिन की तरह चौथी और पांचवीं बार भी प्रधानमंत्री बनना चाहिए ,लेकिन ये होगा कैसे ? पुतिन के पांचवीं बार चुने जाने पर अमेरिका ने कहा है कि पुतिन ने लोकतान्त्रिक दायरे से बाहर जाकर चुनाव कराये हैं। यदि मोदी जी भी तीसरी बार जीते तो अमेरिका उनके बारे में भी यही सब कहेगा। वैसे भी मोदी जी आने वाला चुनाव लोकतान्त्रिक दायरे में करा रहे हैं या नहीं कहना कठिन है । मोदी सरकार ने इलेक्टोरल बांड के जरिये जिस तरह से असंवैधानिक तरीके से 60 अरब का चन्दा जुटाया है उसे हम क्या देश की सबसे बड़ी अदालत ने भी गलत करार दे दिया है। यानि मोदी के रास्ते में पहले ही कदम पर अपशकुन हो गया। मोदी जी को देश की जनता ने दो मौके दिए। यानि एक दशक तक देश की कमान सम्हालने के बाद न वे गरीबी को समाप्त कर पाए और न आतंकवाद का । न युवाओं को रोजगार के अवसर दे पाए और न किसानो को समृद्धि। आज भी जब मोदी जी चुनाव मैदान में उत्तर चुके हैं तब भी देश के किसान दिल्ली की सीमा के बाहर डेरा डाले बैठे हैं। यानि देश ने मोदी जी के पांव पालने में ही नहीं पलंग के बाहर भी देख लिए हैं। जनता समझ चुकी है कि मोदी जी हैं तो मुमकिन है का नारा भी खोखला है और दावा भी खोखला है। लेकिन मेरा मोदी जी के प्रति सम्मान पहले की तरह बरकरार है। मुझे देश कि जनता से ज्यादा मोदी जी कि कलाकारी पर ऐतवार ह। मुझे लगता है कि मोदी जी भी पुतिन की तरह पांचवीं बार नहीं तो कम से कम तीसरी बार तो भारत के प्रधानमंत्री बन जायेंगे। मोदी जी ने विजय का मूल मन्त्र खोज लिया है । वे धर्मध्वजा लगे सियासत के रथ पर सवार होकर सत्ता कि सीता का वरण करने में सक्षम भी हैं और समर्थ भी। उन्होंने अतीत में परिवार छोड़ने की जो गलती की थी उसे भी सुधारकर अपना खुद का परिवार अपने संघ के प्रियवर से भी बड़ा कर लिया है। यानि अब मोदी जी से बड़ा मोदी जी का नाम है। और ये सब करना आसान काम नहीं है।

आज का राशिफल

मेष आज आर्थिक लाभ का दिन है। आपकी सुविधाएं बढ़ेंगी और गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।

तुला लाभ होगा और धन कमाने के मामले में आपके द्वारा किए जा रहे प्रयास सफल होंगे।

वृषभ जीविका के क्षेत्र में चल रहे प्रयास फलीभूत होंगे। राजनीतिक सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक लाभ होगा और आपका पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन आज आर्थिक लाभ होगा और आज का दिन आपको संतोष देने वाला होगा।

धनु आर्थिक दिशा में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता से आपकी पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कर्क आज आर्थिक लाभ होगा और आपके कोष में वृद्धि होगी। आपकी सुख समृद्धि में वृद्धि होगी।

मकर आर्थिक लाभ होगा और आपकी व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा।

सिंह धन में वृद्धि होगी और दिन आपके धन में वृद्धि होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

कुंभ दिन सुख समृद्धि वाला होगा। आज बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है।

कन्या आज लाभ होगा और आपके धन में वृद्धि होगी। धन से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी।

मीन आज का दिन आपके लिए मान-प्रतिष्ठा में वृद्धिकारक है। रोजगार के क्षेत्र में चल रहे प्रयास फलीभूत होंगे।

विशेष

5 साल से अधिक का होगा, प्रधानमंत्री का कार्यकाल

पिछली बार 26 मई 2019 को नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। 23 मई 2019 को वोटो की गिनती पूरी हो चुकी थी। भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट जनादेश मिला था। जिसके कारण सरकार के गठन में कोई परेशानी भी नहीं हुई। इस बार लोकसभा चुनाव की घोषणा 16 मार्च को हुई है। पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल से शुरू होगा। 4 जून को नतीजे आएंगे। 25 मई को प्रधानमंत्री के कार्यकाल के 5 साल पूरे हो जाएंगे। इस बार 4 जून के बाद चुनाव परिणाम सामने आएंगे। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग ने चुनाव कार्यक्रम के जरिए प्रधानमंत्री का कार्यकाल भी, एक तरह से बढ़ा दिया है।

कांग्रेस मे बिना राजा की फौज लड़ेगी चुनाव

लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो गई है। कांग्रेस में भगदड़ मची हुई है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने दिल्ली हरियाणा गोवा और गुजरात में कांग्रेस के साथ समझौता किया हुआ है। पंजाब में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के दो विधायकों को तोड़ लिया है। इसका असर दोनों पार्टियों पर पडता हुआ दिख रहा है। लोकसभा चुनाव की तैयारी और टिकट वितरण को लेकर कांग्रेस की जो तैयारी है। उसको देखकर सभी को आश्चर्य हो रहा है। महाराष्ट्र,राजस्थान, मध्य प्रदेश मैं अभी भी पार्टी छोड़कर जाने वालों नेताओं का सिलसिला जारी है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1351: मुहम्मद तुगलक शाह द्वितीय की मौत. 1602 ईस्ट इंडिया कंपनी का गठन. 1616 सर वाल्टर रैले को टॉवर ऑफ लंदन से रिया. 1784 हालैंड ने नागपटनम अंग्रेजो के हवाले किया 185 नेपोलियम बोनापार्ट पेरिस पंहुचा. 1849 बावरिया नरेश लुडविंग प्रथम ने गद्दी छोड़ी. 1916 तुर्की के विभाजन के बारे में मित्र राष्ट्रों में सहमति हुई. 1952 दक्षिण अफ्रीका के सुप्रीम कोर्ट ने नस्ली कानूनों को अवैध करार दिया. 1956 फ्रांस ने ट्यूनिशिया की स्वतंत्रता को मान्यता प्रदान की 1990 नामीबिया दक्षिण अफ्रीका से स्वतंत्र हुआ.

दैनिक पंचांग

20 मार्च 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2024 वर्ष का 80 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल**तिथि** एकादशी 02.23 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 22.38 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 17.00 बजे को समाप्त।
करण वणिज 13.20 बजे तदनन्तर विष्टि 02.23 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 9.6 घण्टे

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मीन	05.47 बजे से
चंद्र	कर्क में	मेष	07.21 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	09.01 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	10.59 बजे से
गुरु	मेष में	कर्क	13.13 बजे से
शुक्र	कुंभ में	सिंह	15.29 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	17.41 बजे से
राहु	मीन में	तुला	19.51 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.06 ब.से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	धनु	00.22 बजे से
		मकर	02.27 बजे से
		कुंभ	04.14 बजे से

रवि क्रान्ति दक्षिण 00° 03'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871924
जूलियन दिन 2460389.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना रमजान **तारीख** 09
विशेष आमलकी एकादशी, योगेश्वर दयाल जयंती, रानी अवंतीबाई लोधी बलिदान दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

निर्वाचन आयोग ने 2024 के महासमर का बिगुल बजा दिया है। लोकसभा की सभी 543 सीटों के लिए सात चरणों में चुनाव होंगे। देशभर में करीब ढाई महीने तक चलने वाले इस चुनावी महापर्व में पीएम मोदी से लेकर राहुल गांधी तक कई नेताओं पर नजर रहेंगी। प्रधानमंत्री मोदी अपने काम के जरिए जनता के बीच जाएंगे तो वहीं राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की परीक्षा होगी।

चुनावी महासमर 2024

इन पर रहेंगी सबकी निगाहें

लोकसभा चुनाव की तारीखों का भारत निर्वाचन आयोग ने एलान कर दिया है। लोकसभा चुनाव 2024 सात चरणों में संपन्न होंगे। पहला चरण 19 अप्रैल, दूसरा चरण 26 अप्रैल, तीसरा चरण 7 मई, चौथा चरण 13 मई, पांचवां चरण 20 मई, छठा चरण 25 मई और सातवां चरण 1 जून को होगा। जबकि 4 जून को नतीजे घोषित होंगे। ऐसे में आइये डालते हैं उन नेताओं पर एक नजर, जिन पर इस बार लोकसभा चुनाव में सबसे ज्यादा निगाहें रहेंगी।

नरेन्द्र मोदी

बस नाम,और काम ही काफी है...

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 73 वर्ष के हैं। उनके बारे में कहा जा सकता है कि बस नाम ही काफी है। और ये नाम ऐसे ही नहीं बना। इसके पीछे उनका वह काम है जो उन्होंने पिछले दो दशक से भी ज्यादा समय में गुजरात का मुख्यमंत्री और देश का प्रधानमंत्री रहते हुए किया है। इसी के दम पर वह देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए लगातार तीसरी जीत की तरफ बढ़ रहे हैं। नरेन्द्र मोदी का आत्मविश्वास इतना मजबूत है कि विपक्ष के बड़े नेता भी कह रहे हैं कि 2024 के चुनाव में भाजपा गठबंधन 400 से अधिक सीटें प्राप्त कर सकता है।

अमित शाह

अपने सभी वादे पर खरे उतरे

भाजपा के संगठन के रूप में पहले से ज्यादा मजबूत बनाने और चुनाव के लिए अचूक रणनीति की बात करेंगे तो एक ही नाम दिमाग में आएगा। वह है केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का। अमित शाह के गृह मंत्री रहते हुए ही जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया गया। तत्काल तीन तलाक पर प्रतिबंध लगा और हाल ही में सीएए को पूरे देश में लागू किया गया। 59 वर्षीय शाह एक बार फिर चुनावी युद्ध में अपने सैनिकों का नेतृत्व करते हुए नजर आएंगे।

पीएम मोदी का 'काम' तो राहुल की 'यात्रा' की होगी अग्निपरीक्षा

लोकसभा चुनाव में अस्तित्व बचाने उतरेंगे विपक्ष के कई नेता

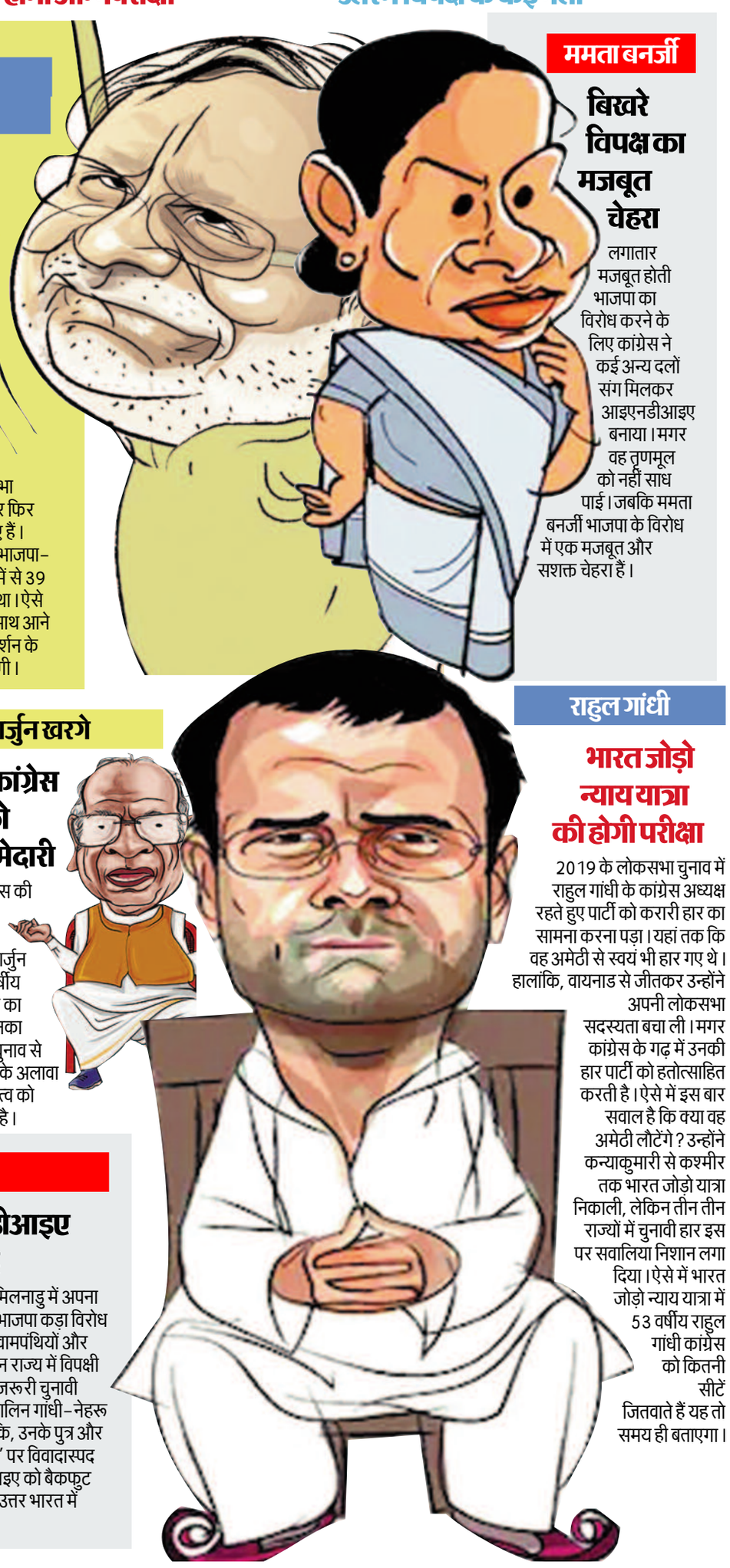

नीतीश कुमार

एनडीए के साथ 2019 का प्रदर्शन के दोहराने की उम्मीद

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लोकसभा चुनाव से पहले एक बार फिर भाजपा के साथ आ गए हैं। पिछली बार 2019 में भाजपा-जदयू ने बिहार में 40 में से 39 सीट पर कब्जा किया था। ऐसे में नीतीश के फिर से साथ आने से इस बार भी वही प्रदर्शन के दोहराने की उम्मीद होगी।

ममता बनर्जी

बिखरे विपक्ष का मजबूत चेहरा

लगातार मजबूत होती भाजपा का विरोध करने के लिए कांग्रेस ने कई अन्य दलों संग मिलकर आइएनडीआइए बनाया। मगर वह तृणमूल को नहीं साध पाई। जबकि ममता बनर्जी भाजपा के विरोध में एक मजबूत और सशक्त चेहरा हैं।

मल्लिकार्जुन खरगे

बड़ी है लड़ाई,कांग्रेस के अस्तित्व को बचाने की जिम्मेदारी

अक्टूबर 2022 में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने जब पद छोड़ा तो पार्टी की बागडोर मल्लिकार्जुन खरगे ने संभाली। 81 वर्षीय खरगे ऐसे दौर में कांग्रेस का नेतृत्व कर रहे हैं, जब उनका मुकाबला दो लोकसभा चुनाव से अजेय भाजपा से है। इसके अलावा उन पर कांग्रेस के अस्तित्व को बचाने की जिम्मेदारी भी है।

राहुल गांधी

भारत जोड़ो न्याय यात्रा की होगी परीक्षा

2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। यहां तक कि वह अमेठी से स्वयं भी हार गए थे। हालांकि, वायनाड से जीतकर उन्होंने अपनी लोकसभा सदस्यता बचा ली। मगर कांग्रेस के गढ़ में उनकी हार पार्टी को हतोत्साहित करती है। ऐसे में इस बार सवाल है कि क्या वह अमेठी लौटेंगे? उन्होंने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली, लेकिन तीन तीन राज्यों में चुनावी हार इस पर सवालिया निशान लगा दिया। ऐसे में भारत जोड़ो न्याय यात्रा में 53 वर्षीय राहुल गांधी कांग्रेस को कितनी सीटें जितवाते हैं यह तो समय ही बताएगा।

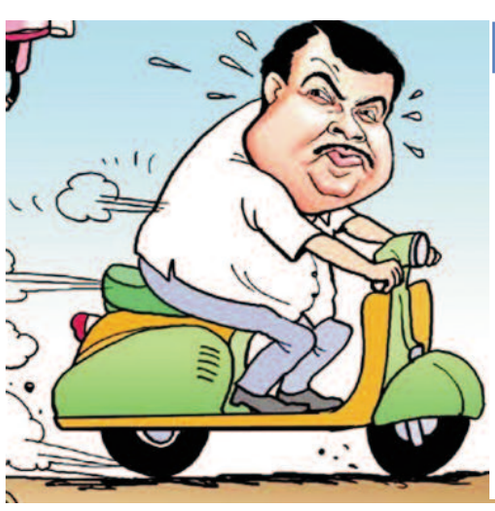

नितिन गडकरी

इनका तो काम ही इनकी पहचान है

नितिन गडकरी भाजपा सरकार के उन मंत्रियों में से एक हैं जो सरकार के काम को पुख्ता बनाते हैं। देशभर में तेजी से बन रहे हाईवे को देखकर अब तो जनता तक कहने लगी है कि काम हो तो नितिन गडकरी जैसा। गांव की गलियों से लेकर देश की सीमा तक सड़कों का जाल बिछ रहा है, जिससे मोदी सरकार की छवि तेजी से काम करने वाली सरकार की बनी है।

असदुद्दीन ओवैसी

किसका खेल बिगाड़ेंगे

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने जब भी तेलंगाना से बाहर निकल अन्य राज्यों के चुनाव में हिस्सा लिया। उन्होंने भाजपा के सामने खड़े दलों के लिए हालात चुनौतीपूर्ण बना दिए। ऐसे में कुछ दल और नेता उन्हें भाजपा की बी टीम भी करार देते हैं। 54 वर्षीय ओवैसी तेलंगाना के अलावा देश के विभिन्न राज्यों में अपनी पार्टी का जनाधार बढ़ाने में जुटे हुए हैं। ऐसे में देखना होगा कि इस बार वह विपक्षी दलों का गणित बिगाड़ेंगे या भाजपा का।

एमके स्टालिन

दक्षिण में आइएनडीआइए की उम्मीद

डीएमके सुप्रीमो एमके स्टालिन ने तमिलनाडु में अपना प्रभुत्व स्थापित कर दक्षिण के राज्य में भाजपा कड़ा विरोध किया है। ऐसे में उम्मीद है कि वामपंथियों और कांग्रेस को साथ लेकर स्टालिन राज्य में विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए को जरूरी चुनावी बढ़त दिला सकेंगे। 71 वर्षीय स्टालिन गांधी-नेहरू परिवार के कट्टर समर्थक हैं। हालांकि, उनके पुत्र और पार्टी के कुछ नेताओं की 'सनातन' पर विवादास्पद टिप्पणियों ने कई बार आइएनडीआइए को बैकफुट पर ला दिया है। इसका गठबंधन को उत्तर भारत में नुकसान उठाना पड़ सकता है।

प्रियंका गांधी वाड्रा

विरासत बचाने की चुनौती

सोनिया गांधी लोकसभा चुनाव लड़ने से मना कर चुकी हैं। कयास हैं कि प्रियंका रायबरेली से उम्मीदवार हो सकती हैं। ऐसे में उन्हें अपना राजनीतिक सफर शून्य से शुरू करना होगा। क्योंकि वह आजतक कोई चुनाव नहीं लड़ी हैं। वहीं, राहुल के 2019 में अमेठी से हारने के बाद अब उन पर यूपी में गांधी-नेहरू परिवार की राजनीतिक विरासत को बचाने की जिम्मेदारी भी होगी।

अखिलेश यादव

अपनी सीटें बढ़ाने की चुनौती

भाजपा को रोकने के लिए एक बार फिर अखिलेश यादव ने यूपी में गठबंधन का दांव खेला है। यूपी में उनके साथ कांग्रेस भी है। हालांकि, हाल ही में जयंत सिंह की रालोद के एनडीए में लौट जाने से झटका भी लगा है। पिछले लोकसभा चुनाव में बसपा के साथ गठबंधन किया था और पांच सीटें जीती थीं। इस बार अखिलेश के सामने अपनी सीटें बढ़ाने की चुनौती है।

उद्धव ठाकरे

सरकार ही चली गई और पार्टी भी गई

महाराष्ट्र में शिवसेना का मतलब ठाकरे हुआ करता था। मगर उद्धव ठाकरे ने जैसे ही भाजपा को छोड़ कांग्रेस का दामन थामा उनकी विधायक और सरकार तो गई ही। उनकी पार्टी भी उनसे छिन गई। अब उनकी पार्टी का नाम है शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे)। ऐसे में आगामी लोकसभा चुनाव में क्या रहेगी रणनीति इस सबकी नजरें रहेंगी।

शरद पवार

क्या शरद रणनीति का पावर दिखाएंगे भतीजे को

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मुखिया शरद पवार का हाल भी उद्धव ठाकरे जैसा ही है। उनके भतीजे अजित पवार ने शिवसेना (शिंदे गुट) से हाथ मिला राज्य (कांग्रेस, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) की सरकार को गिरा दिया। अब देखना होगा शरद पवार लोकसभा चुनाव में भतीजे के खिलाफ क्या रणनीति अपनाते हैं।

योगी आदित्यनाथ

काम के दम पर लोकप्रियता कायम

यूपी में जब योगी आदित्यनाथ को सीएम बनाया गया तो बहुत सवाल उठे थे। मगर अपनी मेहनत और लगन से उन्होंने साबित किया अच्छा काम करने के लिए नीयत चाहिए, जो कि उनके पास है। यही कारण है कि कोरोना काल में उनके काम की तारीफ ऑस्ट्रेलिया के एक एमपी ने भी की थी। इसी कारण आज यूपी की छवि वैश्विक स्तर पर भी चमक रही है।

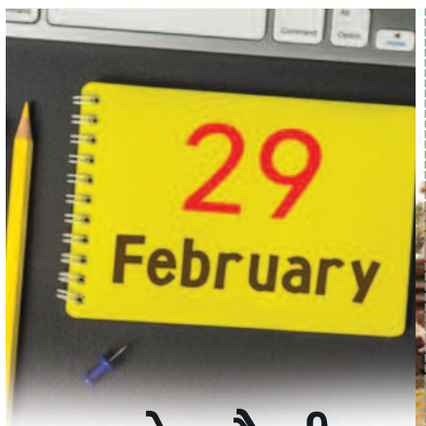

क्या होता है लीप ईयर, क्यों हर चार साल पर आता है?

29 फरवरी। अब यह तारीख चार साल बाद आएगी। साल 2024 में फरवरी का महीना 28 दिन की जगह 29 दिन है। सामान्य तौर पर इसे लीप ईयर कहा जाता है। हर चार साल बाद लीप वर्ष आता है। लीप ईयर उन लोगों के लिए बेहद खास होता है, जिनका जन्म 29 फरवरी को हुआ होता है, क्योंकि उनका जन्मदिन हर चार साल में एक बार आता है।

जानिए क्या होता है लीप ईयर?

लीप ईयर होने की वजह के पीछे एक खगोलीय घटना को माना जाता है। हम सभी को पता है कि धरती अपनी धुरी पर सूर्य के चारों ओर घूमती है। 365 दिन और 6 घंटे में धरती एक बार परिक्रमा करती है। हालांकि 6 घंटे दर्ज नहीं होते हैं। इसकी वजह से हर 4 साल में इन 6-6 घंटे की अवधि को जोड़ दिया जाता है, जिससे 24 घंटे का एक पूरा दिन होता है। इसकी वजह से हर चार साल में फरवरी महीने में एक दिन बढ़ जाता है और वह साल 366 दिन का हो जाता है। यही कारण है कि हर साल बाद फरवरी का महीना 29 दिन का होता है और उस साल को लीप ईयर कहते हैं।

फरवरी में क्यों होता है लीप ईयर?

अब सवाल है कि आखिर अधिक दिन फरवरी में ही क्यों आता है। दूसरे किसी महीने में इस दिन को क्यों नहीं जोड़ा गया। दरअसल, पहले जूलियन कैलेंडर जो रोमन सौर कैलेंडर है, उसके मुताबिक, साल का पहला महीना मार्च और आखिरी महीना फरवरी होता था। इसकी वजह से फरवरी महीने में लीप ईयर को जोड़ा गया। इसके बाद जूलियन कैलेंडर की जगह जब ग्रेगोरियन कैलेंडर की शुरुआत हुई, तो पहला महीना जनवरी हो गया और फरवरी दूसरा। इसके बाद भी फरवरी में ही अधिक दिन को जोड़ा गया। इसके पीछे वजह यह भी थी कि फरवरी का महीना पहले से ही सबसे छोटा होता है।

कैसे पता चलता है कि लीप ईयर है?

अभी भी बहुत से लोग लीप ईयर की गणना नहीं कर पाते हैं। आसान शब्दों में समझ सकते हैं. जिस साल को 4 से भाग करने पर शेष जीरो आ जाए, वो लीप ईयर होगा। उदाहरण के लिए समझे तो साल 2000 लीप ईयर था और 1900 लीप ईयर की श्रेणी में नहीं था, क्योंकि उसे 4 से भाग करने पर शेष जीरो नहीं बचता है। अगर साल 2024 को चार से भाग करें, तो इसका शेष जीरो आएगा। इसकी वजह से यह साल लीप ईयर है। इस क्रम में साल 2024 के बाद 2028, 2032 और 2036 लीप ईयर की श्रेणी में आएंगे।

शिल्पकार का नाम पर है तेलंगाना का

800 साल पुराना रामप्पा मंदिर

तेलंगाना का रामप्पा मंदिर जिसे रामलिंगेश्वर मंदिर भी कहा जाता है। इस प्राचीन मंदिर की खूबसूरती ऐसी है कि जो भी इसे देखता है अचंभित जरूर होता है। 800 साल पुराने इस शिव मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। मंदिर को सिर्फ धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि खूबसूरत शिल्प के चलते भी जाना जाता है।

तेलंगाना का एक मंदिर अपनी बनावट और नाम के चलते भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करता रहता है। इस मंदिर में आने के लिए भक्त मानिए कि इंतजार करते हैं। ये है रामप्पा मंदिर जिसे रामलिंगेश्वर मंदिर भी कहा जाता है। इस प्राचीन मंदिर की खूबसूरती ऐसी है कि जो भी इसे देखता है अचंभित जरूर होता है। 800 साल पुराने इस शिव मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। मंदिर को सिर्फ धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि खूबसूरत शिल्प के चलते भी जाना जाता है। इसके आर्किटेक्चर के बारे में जानना भी काफी रोचक है।

बनाने वाले का मिला नाम

रामलिंगेश्वर मंदिर को आम लोगों के बीच रामप्पा मंदिर भी कहा जाता है, इसके पीछे एक अनोखी बात है। दरअसल इस मंदिर को बनाने वाले शिल्पकार का नाम रामप्पा था। बाद में यही नाम मंदिर का भी रख दिया गया। ऐसा राजा के कहने पर किया गया था। वो मंदिर के शिल्प से इतने खुश हुए थे कि उनसे ऐसा किए बिना रह ही नहीं गया। उन्होंने मंदिर को शिल्पकर का ही नाम दे दिया था।

40 साल का समय

इस मंदिर को बनने में बहुत लंबा समय लगा था। पूरे 40 साल के बाद इस मंदिर का निर्माण पूरा हो पाया था। लेकिन मंदिर की सुंदरता देखकर ये समय भी कम ही लगता है। ये मंदिर भगवान शिव का है लेकिन यहां नंदी की मूर्ति भी है, जो मंदिर की ओर मुंह किए हुए है।

काकतिया वंश के राजा

इस रामलिंगेश्वर मंदिर को काकतिया वंश के राजा ने बनवाया था। और इसका ख्याल उन्हें किसी खास घटना की वजह से नहीं आया था बल्कि 2013 ईसवीं में आंध्र प्रदेश में महाराजा गणपती देव को बस एक दिन यूंहीं ऐसे एक शिव मंदिर के निर्माण का ख्याल आया था। फिर उन्होंने इस काम का जिम्मा शिल्पकार रामप्पा को दिया था। ऐसा करते समय राजा ने सिर्फ एक ही बात बोली थी कि ये एक ऐसा मंदिर होना चाहिए, जो सालों तक टिका रहे, इसमें कोई दिक्कत ना आए।

मार्को पोलो ने माना चमकीला तारा

13वीं सदी में खोजकर्ता मार्को पोलो भारत आए थे। तब वो इस मंदिर को देखकर इतने खुश हुए थे कि इसको मंदिरों की आकाशगंगा में सबसे चमकीला तारा माना था।

800 साल बाद भी मजबूत

वरंगल से 67 किलोमीटर दूर बना ये मंदिर अब से करीब 800 साल पहले बनवाया गया था लेकिन ये जरा सा भी टूटा नहीं हैं। ये तब है जब इसी अवधि में बने कई दूसरे मंदिर अपनी रौनक खो चुके हैं। अब ऐसे में कई लोगों ने इसकी वजह जानने की कोशिश की। पालमपेट गांव स्थित इस मंदिर के पास पहुंच कई जांच करने के बाद भी इसकी मजबूती के पीछे का रहस्य कोई नहीं लगा पाया।

पानी में तैरने वाला पत्थर

पुरातत्व विभाग ने मंदिर की गहन जांच की तो एक बेहद चौकाने वाली बात सामने आ। इस मंदिर में लगे पत्थरों की जांच में पाया गया कि ये पत्थर पानी में तैर सकते हैं। जबकि ज्यादातर प्राचीन मंदिर भारी पत्थरों से बनाए गए और बाद में उन्हें जीर्णोद्धार की जरूरत भी पड़ी। मगर इस मंदिर में सभी हल्के पत्थरों का इस्तेमाल हुआ था और यही वजह रही कि मंदिर को कभी कोई हानि हुई ही नहीं।

हल्के पत्थर कहां कहां

पूरी दुनिया में सिर्फ रामसेतू के पत्थर ही ऐसे हैं जो पानी में तैर सकते हैं। अब रामलिंगेश्वर मंदिर को बनाते समय ये हल्के पत्थर कहां से आए ये एक सवाल है। माना ये भी जा रहा है कि शिल्पकार रामप्पा ने ये हल्के पत्थर खुद बनाए थे।

झील की रौनक

मंदिर के पास एक सुंदर झील है, जिसके किनारे पर्यटन विभाग की ओर से बने कॉटेज यात्रियों को आराम देने का कम करते हैं। यहां विभाग की ओर से बने रेस्ट्रा भी हैं।

हजारों फीट ऊंचाई पर मिले वायरस, भारत समेत इन देशों पर मंडराया खतरा!

ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से पूरी दुनिया में गर्मी बढ़ रही है, जिसकी वजह से ग्लेशियर पिघल रह रहे हैं। तिब्बत में स्थित ग्लेशियर भी तेजी से पिघल रहे हैं। यहां पर 15 हजार साल पुराना वायरस मिला है, जो भारत, चीन और म्यांमार के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। इन प्राचीन वायरस के संक्रमण का कोई इलाज नहीं है। पूरी दुनिया में पर्माफ्रॉस्ट पिघलने से प्राचीन जीव, वायरस, बैक्टीरिया जैसी चीजें बाहर आ रही हैं। ग्लेशियरों और पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने की वजह से वूली राइनो से लेकर 40 हजार साल पुराने विशालकाय भेड़िये और 7.50 लाख साल पुराने बैक्टीरिया के निकलने की जानकारी मिली है। इनमें से कई मरे नहीं है। वैज्ञानिकों ने सदियों पुराने मॉस में लैब के अंदर वापस जीवन डाला है। यह बेहद छोटे हैं और 42 हजार साल पुराने राउडवॉर्म हैं। वैज्ञानिकों ने हाल ही में तिब्बत के पठारों पर स्थित गुलिया आइस कैप के पास 15 हजार साल पुराना वायरस खोजा है। यह कई प्रजातियों के हैं, जिनकीं संख्या दर्जनों में है। ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी के माइक्रोबायोलॉजिस्ट झी-पिंग झॉन्ग ने यह इंसानों के लिए किसी भी वक्त खतरा पैदा कर सकते हैं।

28 वायरस के बारे में किसी को नहीं है जानकारी

चीन में समुद्री सतह से 22 हजार फीट की ऊंचाई पर तिब्बत के पिघलते ग्लेशियर के नीचे यह वायरस मिले हैं। वैज्ञानिकों ने 33 वायरस की खोज की है, जिनमें 28 के बारे में किसी को जानकारी नहीं है। यह पहले कभी नहीं देखे गए हैं और इनके संक्रमण का कोई इलाज नहीं हो सकता है। ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी के दूसरे वैज्ञानिक मैथ्यू सुलिवन ने बताया कि इन वायरसों ने अपना जीवन चरम स्थितियों में बिताई है। अब यह किसी भी तरह के तापमान या मौसम को झेल सकते हैं। मैथ्यू ने बताया कि इनके जीन्स का अध्ययन किया गया है जिससे पता है कि इनके लिए किसी भी तरह का चरम मौसम सामान्य है। इससे पहले तिब्बत के ग्लेशियर में बैक्टीरिया के मिलने की जानकारी मिली थी। यह इतनी तेजी से हो रहा है जिसकी वजह से इंसानों के सामने कठिन भविष्य का संकट खड़ा है। इंसानों को मौसम ही नहीं बल्कि इस तरह के खतरों से जूझना पड़ेगा। बीते साल तिब्बत के ग्लेशियरों में बैक्टीरिया की 1000 नई प्रजातियां खोजी गई थीं। इनमें से सैकड़ों के बारे में वैज्ञानिक कुछ नहीं जानते हैं। जलवायु परिवर्तन की वजह से यह ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। यह पिघलते हैं, तो इनका पानी बैक्टीरिया के साथ चीन और भारत की नदियों में मिलेगा। इस पानी को पीकर लोग नई बीमारियों से संक्रमित हो सकते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंस के वैज्ञानिकों द्वारा तिब्बती पठारों पर मौजूद 21 ग्लेशियरों का सैंपल जमा किया गया था। यह सैंपल 2016 से 2020 के बीच लिए गए थे, जिनमें 968 प्रजातियों के बैक्टीरिया मिले। इनमें 82 फीसदी बैक्टीरिया एकदम नए हैं। इनके बारे में दुनियाभर के वैज्ञानिकों को कोई जानकारी नहीं है।

प्रकृति की शानदार कलाकारी का नमूना ही तो है ये अनोखा फूल मंकी ऑर्किड। इक्वाडोर, कोलंबिया और पेरू जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में यह फूल पाया जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम ड्रेकुला सिमिआ है। ये फूल समुद्रतल से लगभग हजार से दो हजार मीटर पर पाए जाते हैं। इसकी खुशबू नारंगी के फल की तरह होती है। छोटे बंदर का मुस्कुराता हुआ चेहरा दिखता है और लगता है जैसे सिर पर अनोखी टोपी इसने लगा रखी है।

प्रकृति की शानदार कलाकारी का नमूना है ड्रेकुला सिमिआ

दुनिया में कितने तरह के फूल और फल हैं। आपने मैसूर के किले में साल में एक बार खिलने वाले फूल के बारे में तो सुना और देखा ही होगा, हिमालय की वादियों में वे फल भी बेहद रहस्यमयी और आकर्षण का केंद्र होते हैं जिनका आकार लड़की के शरीर के समान होता हैं सिर से लेकर पैर तक, एक-एक नयन नक्श एक युवती के समान ही नजर आते हैं। इसे देखकर तो प्रकृति की कारीगरी पर हैरानी होती हैं। इसके बारे में ये भी कहा जाता है कि इन फूलों तक पहुंचना आसान नही हैं ये जितने दुर्लभ हैं उतनी ही अधिक ऊंचाई पर हिमालय में पाए जाते हैं, लेकिन आज हम आपको जिस फूल के बारे में बताने जा रहे हैं वह एकदम मंकी तरह दिखाई देता है। इस फूल को देखने पर आप यकीन नहीं कर पाएंगे कि ये फूल ही है। यह मंकी के फेस से इतना मिलता-जुलता है कि ऑरिजनल नही आर्टिफिशियल नजर आता है, लेकिन यकीन मानिए ये फूल पूरी तरह ऑरिजनल और प्रकृति की शानदार कलाकारी का नमूना है।

साइंटिफिक नेम ड्रेकुला सिमिआ

इसकी खास बात ये है कि मंकी फेस के इस फूल में छोटे मंकी का मुस्कुराता हुआ चेहरा नजर आता है। देखने पर ये बेहद क्यूट नजर आता है और ऐसा लगता है मानो मंकी ने अपने सिर पर अनोखी टोपी लगा रखी है। इसका साइंटिफिक नेम ड्रेकुला सिमिआ है।

समुद्रतल से लगभग 1000 से 2000 मीटर पर

मुख्यत: यह अनोखा फूल, इक्वाडोर, कोलंबिया और पेरू स्थित पहाड़ी क्षेत्रों में पाया जाता है। ये समुद्रतल से लगभग 1000 मीटर से 2000 मीटर पर पाए जाते हैं। यह एक सदाबहार फूल है। हर मौसम में लिटिल स्माइली मंकी के साथ खिलता है। इसकी खुशबू ठीक वैसी ही होती है जैसी हम नारंगी के फल में महसूस करते हैं।

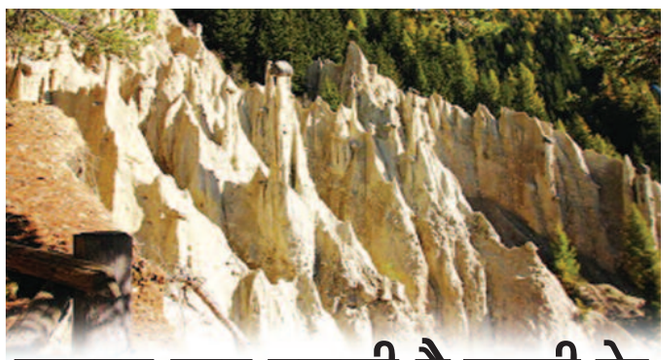

कुदरत खुद बनाती है इटली के साउथ टायरोल में खूबसूरत पिरामिड

आपने हजारों साल पहले इंसानों के बनाए मिस्र के पिरामिडों के बारे में तो बहुत सुना और देखा होगा, लेकिन आपको बता दें कि कुदरत खुद भी पिरामिड बनाती है और उसे गिरा देती है और फिर बना डालती है। जी हाँ, यह प्राकृतिक घटना होती है इटली के साउथ टायरोल प्रांत में जहां प्रकृति का यह अजूबा करिश्मा देखने को मिलता है। मिट्टी और पत्थर के बने ये खूबसूरत पिरामिड्स प्राकृतिक रूप से आकृति लिए हुए हैं। इन्हें अर्थ पिरामिड भी कहा जाता है। ये पिरामिड मूसलाधार बारिश की वजह से हुए भूस्खलन से बने होते हैं। सतह से बीसियों फुट ऊपर तक खड़े ये खंबे वास्तव में हमारी पृथ्वी के पिरामिड हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारत पर वैश्विक कंपनियों की निगाह, भविष्य को लेकर आशावादी : नायका सीईओ

नई दिल्ली, एजेंसी। सौंदर्य प्रसाधन एवं फैशन कंपनी नायका की संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फाल्गुनी नायर ने कहा कि युवा, महत्वाकांक्षी आबादी, आय के बढ़ते स्तर और मजबूत बुनियादी ढांचे एवं डिजिटल नेटवर्क जैसे सशक्त चालकों के साथ भारत वैश्विक कंपनियों की निगाह में बना हुआ है। भविष्य को लेकर आशावादी नजरिया रखने वालीं नायर ने कहा कि कुछ स्टार्टअप कंपनियों में कॉरपोरेट प्रशासन की खामियों के हालिया उदाहरणों से निवेशकों की अब अधिक जांच होगी। उन्होंने कहा कि उद्यम के शुरुआती दौर में ही प्रशासन का एजेंडा तय करना होगा। उन्होंने कहा कि किसी कंपनी के बढ़ने या आकार और फलक का विस्तार करने के दौर में कंपनी प्रशासन को लेकर कोई समझौता करना सही नहीं ठहराया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि नाइका प्रशासन के मामले में बहुत मजबूत रही है। उन्होंने एक उद्यमी के तौर पर अपने सफर का जिक्र करते हुए कहा कि 50 साल की उम्र में शुरू हुआ यह सिलसिला अद्भुत रहा है। उन्होंने इच्छुक उद्यमियों को अपने सपनों से प्रेरित होने और लंबी अवधि में टिकाऊ मूल्य के सृजन के लिए अपने उद्यम में निवेश कायम रखने की सलाह दी। नायर भारत में सौंदर्य, व्यक्तिगत देखभाल और फैशन व्यवसाय में वृद्धि की संभावनाओं को लेकर आशावादी नजरिया रखती हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी नीतियां भी समग्र वृद्धि के लिए मददगार रही हैं। उन्होंने कहा, ''जैसे ही बढ़ती खपत, उद्यमिता, भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचा जैसे तत्व एक साथ आते हैं, भारत पर वैश्विक कंपनियों का ध्यान जा रहा है।

कंगाल हो चुके किशोर बियाणी ने बैंकों को दिया 476 करोड़ का ऑफर

नई दिल्ली, एजेंसी। कंगाल हो चुके कारोबारी किशोर बियाणी के एक ऑफर ने बैंकों को चौंका दिया है। बियाणी ने केनरा बैंक की अगुवाई वाले कंसोर्टियम को 476 करोड़ रुपये का ऑफर दिया है। यह ऑफर बंसी मॉल मैनेजमेंट कंपनी के 571 करोड़ रुपये के कर्ज के वन टाइम सेटलमेंट के लिए दिया गया है। यह कंपनी मुंबई के हाजी अली इलाके में सोबो म सेंट्रल मॉल चलाती है। कुछ ही दिन पहले बैंकों ने इसके लिए रनबाल ग्रुप की 475 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी दी थी। बैंकों ने कंपनी के खिलाफ सरफेसी प्रॉसीडिंग शुरू की थी और इसी महीने की शुरुआत में उसे 475 करोड़ रुपये की बोली मिली थी। लेकिन सूत्रों के मुताबिक बियाणी ने बैंकों के फैसले को ऋण वसूल पंचाट में चुनौती दी है और खुद ही कर्ज चुकाने का ऑफर दिया है। एक सूत्र ने बताया कि बियाणी बैंकों के संपर्क में थे लेकिन जबसे बैंकों ने रनवाल की बोली को मंजूरी दी है, तबसे वह ज्यादा एक्टिव हो गए हैं। उन्होंने रनवाल को बोली से ज्यादा बड़ा ऑफर दिया है और इस बारे में कोर्ट को अप्रोच किया है। कोर्ट में इसी महीने सुनवाई शुरू होगी। बैंकों को कोर्ट के फैसले का इंतजार है। बैंकों को रनवाल से बोली की दस फीसदी राशि यानी 47.5 करोड़ रुपये मिल चुके हैं। डीआरटी में बियाणी की याचिका से इस प्रोसेस में देरी हो गई है।

1 करोड़ की नौकरी छोड़ खेतों में पहुंचे, बिचौलियों को साफ कर किसानों की कमाई को लगा रहे चार चांद !

नई दिल्ली, एजेंसी। रुचित गर्ग जितना साहसिक फैसला जिंदगी में लोग कम ही ले पाते हैं। अपने शानदार कॉर्पोरेट करियर को छोड़ उन्होंने खेतों से जुड़ने का फैसला किया। रुचति ने करीब छह साल तक अमेरिका में काम करने के बाद भारत आकर किसानों की राह आसान बनाने का बीड़ा उठाया। उनका स्टार्टअप किसानों और उपभोक्ताओं के बीच की खाई को पाटने के साथ बिचौलियों को हटाने के लिए समर्पित है। रुचित ने बचपन में काफी कठिनाइयों का सामना किया है। उनके पिता की असमय मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनकी मां ने निभाई। आइए, यहां रुचित के सफर के बारे में जानते हैं।

एक सफल कॉर्पोरेट करियर से भारतीय किसानों के लिए चैंपियन बनने तक रुचित गर्ग की यात्रा उनके बचपन के अनुभवों से शुरू हुई। सीमित साधनों वाले परिवार में जन्मे गर्ग को अपने पिता के असामयिक निधन के बाद वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हालांकि, भारतीय रेलवे में क्लर्क के रूप में

उनकी मां की नौकरी ने उन्हें रेलवे लाइब्रेरी तक पहुंच हासलि करने में मदद की। यहां उनकी नजर हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू पर पड़ी। यहीं पर गर्ग की उद्यमिता में दिलचस्पी बढ़ी। उन्होंने दुनिया में सार्थक प्रभाव डालने का सपना देखना शुरू कर दिया।

टैलेंट के बूते अमेरिका पहुंचे

अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद गर्ग हैदराबाद में माइक्रोसॉफ्ट से जुड़ गए। उनकी प्रतिभा और समर्पण के कारण उन्हें जल्द ही रेडमंड, वाशिंगटन में कंपनी के मुख्यालय में ट्रांसफर कर दिया गया। छह साल तक गर्ग ने टेक्निकल प्रोग्राम मैनेजर के रूप में काम किया। इस दौरान उन्हें सालाना 1 करोड़ रुपये सैलरी मिला करती थी। हालांकि, अपने पद से जुड़ी वित्तीय स्थिरता और प्रतिष्ठा के बावजूद वह अधूरा महसूस कर रहे थे। उन्हें कुछ और पाने की चाहत थी।

नौकरी छोड़ने का लिया बड़ा फैसला

2011 में रुचित गर्ग ने अपना खुद का कारोबार करने की महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट छोड़कर भारत लौटने का साहसिक फैसला लिया। उनके दादा उत्तर प्रदेश में किसान थे। उनसे प्रेरणा लेते हुए गर्ग ने कृषि क्षेत्र में बदलाव लाने की ठानी। रुचित ने हार्वेस्टिंग नाम के स्टार्टअप की नींव डाली। यह स्टार्टअप किसानों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ने, बिचौलियों को खत्म करने और किसानों को आगे बढ़ने के लिए जरूरी सहायता और संसाधन प्रदान करने पर केंद्रित है।

हार्वेस्टिंग का मिशन छोटे किसानों को सशक्त बनाना और उन्हें बेहतर वित्तीय परिणाम प्राप्त करने में मदद करना है। स्टार्टअप किसानों को व्यापक सेवाएं प्रदान करता है। इसमें एडवाइजरी सपोर्ट, उच्च गुणवत्ता वाले बीज और कीटनाशकों तक पहुंच और उपज की मार्केटिंग और सेल्स में सहायता शामिल है। टेक्नोलॉजी का लाभ उठाकर हार्वेस्टिंग किसानों को अपने उत्पाद ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से बेचने में समर्थ करता है। इससे उनकी पहुंच बढ़ती है। उनकी प्रॉफिटेबिलिटी में सुधार होता है। अपनी स्थापना के बाद से हार्वेस्टिंग ने भारतीय किसानों के जीवन पर बड़ा असर डाला है। स्टार्टअप का दावा है कि उससे देशभर में 37 लाख से अधिक किसानों को फायदा हुआ है।

रिश्वतखोरी जांच मामला: अडानी ग्रुप ने खबरों को बताया झूठा, कहा- यूएस से नहीं मिला कोई नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। अरबपति गौतम अडानी को लेकर हाल में एक रिपोर्ट जारी की गई थी, जिसमें कहा गया था कि अमेरिका में प्रॉसिक्यूटर अडानी ग्रुप के फाउंडर गौतम अडानी और उनकी कंपनियों के रिश्वतखोरी में शामिल होने का आंशका पर जांच कर रही है। इसके बाद शेयर बाजार में लिस्टेड अडानी की कंपनियों के शेयरों में जोरदार गिरावट देखने को मिली। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दी गई जानकारी में अडानी ग्रुप ने कहा कि ग्रुप को इस तरह की जांच को लेकर अमेरिकी न्याय विभाग से कोई नोटिस नहीं मिला है। अडानी की ओर से इस तरह की खबरों को झूठा करार दिया गया है। ग्रुप की ओर से पहले भी कहा गया था कि, हमें अपने चेयरमैन के खिलाफ किसी जांच की जानकारी नहीं है। एक ऐसे बिजनेस ग्रुप के रूप में जो गवर्नेंस के उच्चतम मानकों के साथ काम करता है, हम भारत और अन्य

देशों में भ्रष्टाचार विरोधी और रिश्वत विरोधी कानूनों के अधीन हैं और उनका पूरी तरह से अनुपालन करते हैं।

ब्लूमबर्ग ने बीते सप्ताह एक रिपोर्ट जारी कर कहा था कि अमेरिका में प्रॉसिक्यूटर इस बात की जांच कर रहा है कि गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडानी ग्रुप की जांच कर रहा है कि कहीं रिश्वतखोरी में इसकी संलिप्तता तो नहीं है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि न्यूयॉर्क के ईस्टर्न जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय और वाशिंगटन में न्याय विभाग की फ्रॉड यूनिट इस जांच का काम संभाल रही है और इस मामले में रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी एज्योर पावर ग्लोबल पर भी नजर रख रही है।

इस रिपोर्ट के जारी होने के बाद तेजी से भाग रहे अडानी स्ट्रोक में अचानक ब्रेक लग गया और इनकी रफ्तार गिरावट में तब्दील हो गई। बीते कारोबारी दिन सोमवार को अडानी ग्रुप की बाजार में लिस्टेड 10 में से 9 कंपनियों के शेयर लाल निशान पर बंद हुए थे। अडानी ग्रीन एनर्जी का शेयर से लेकर अडानी पोर्ट तक में शुरुआती कारोबार में 5 से 8 फीसदी तक की गिरावट देखने को मिली थी। जांच की खबरों से पड़े शेयरों पर असर के चलते अडानी ग्रुप ने इस तरह की खबरों को झूठा करार देते हुए अपना स्पष्टीकरण जारी किया है।सोमवार की तरह ही मंगलवार को भी शेयर बाजार में गिरावट के बीत अडानी ग्रुप की 9 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं।

ब्लूस्मार्ट को 4,000 इलेक्ट्रिक वाहन की आपूर्ति करेगी सिट्रॉन

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रांसीसी कार विनिर्माता सिट्रॉन ने सोमवार को कहा कि वह ब्लूस्मार्ट मोबिलिटी को 12 माह में अपने इलेक्ट्रिक वाहन ई-सी3 की 4,000 इकाइयों की आपूर्ति करेगी। सिट्रॉन ने इलेक्ट्रिक वाहन कैब सेवा और ईवी चार्जिंग सेवा प्रदाता ब्लूस्मार्ट मोबिलिटी के साथ इस आशय के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने बयान में कहा कि शुरुआती चरण में 125 सिट्रॉन ई-सी3 कारों को ब्लूस्मार्ट के बेंगलुरु स्थित ईवी चार्जिंग केंद्र से हरी झंडी दिखाई गई।

सिट्रॉन इंडिया के ब्रांड निदेशक शिशिर मिश्रा ने कहा कि दोनों कंपनियों के बीच यह सहयोग इलेक्ट्रिक परिवहन के क्षेत्र में एक स्थायी भविष्य के लिए एक साझा दृष्टिकोण का प्रतीक है। ब्लूस्मार्ट के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनमोल जग्गी ने कहा, ''जिस तरह वाहन विनिर्माता (ओईएम) ई-मोबिलिटी को अपना रहे हैं और हमारे बेड़े का आकार बढ़ रहा है, हम सवारियों को विविध रेंज की पेशकश करते हुए भारतीय महानगरों में टैक्सी सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए तैयार हैं।

जापान ने 17 साल में पहली बार बढ़ाई ब्याज दर, निगेटिव इंटरेस्ट रेट का दौर खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान के केंद्रीय बैंक यानी बैंक ऑफ जापान ने देश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए 17 सालों में पहली बार मंगलवार को अपनी प्रधान उधारी दर में इजाफा कर दिया है। बैंक ऑफ जापान के इस फैसले के साथ ही वहां निगेटिव ब्याज दरों की लंबे समय से चली आ रही पॉलिसी खत्म हो गई है। बैंक ऑफ जापान ने अपनी पॉलिसी मीटिंग में अल्पकालिक ब्याज दर को निगेटिव 0.1 (-0.1) प्रतिशत से बढ़ाकर 0.1 प्रतिशत कर दिया है। ब्याज दरों में फरवरी 2007 के बाद पहली बार बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय बैंक ने दो प्रतिशत मुद्रास्फीति का लक्ष्य तय किया था, जिससे यह संकेत मिलता है कि जापान आखिरकार अपस्फीति की प्रवृत्ति से बच गया है। मुद्रास्फीति के विपरीत अपस्फीति में कीमतें कम होने लगती हैं। बैंक ऑफ जापान के प्रमुख काजुओ उएदा ने इससे पहले कहा था कि अगर दो प्रतिशत मुद्रास्फीति लक्ष्य पूरा हो जाता है, तो बैंक अपनी नकारात्मक ब्याज दर की समीक्षा करेगा। केंद्रीय बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति के दूसरे पहलुओं को भी बदल

दिया, यील्ड कर्व्ड कंट्रोल प्रोग्राम और एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड की खरीद को भी खत्म कर दिया।

हालांकि बैंक ऑफ जापान ने जरूरत के मुताबिक, लंबे समय वाले सरकारी बॉण्ड खरीदने का भी वादा किया और कहा कि वह फिलहाल शर्तों को अनुकूल बनाए रखेगा। बैंक के इस फैसले से जापानी मुद्रा येन थोड़ा कमजोर हुआ, कारोबारियों ने बैंक ऑफ जापान की सतर्क टिप्पणियों पर ध्यान दिया, जिससे संकेत मिलता है कि यह आगे दरों में बढ़ोतरी के बारे में सतर्क रहेगा। उधर, बैंक के इस फैसले के बाद जापान का निक्केई 225 सूचकांक मंगलवार को 40,000 से ऊपर बंद हुआ।

एशिया में स्मॉलकैप के लिए बेहतर संभावनाएं, जेफरीज ने 15 शेयरों को मल्टीबैगर्स स्टोक्स की लिस्ट में रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मॉलकैप के लिए बेहतर वृद्धि की संभावनाओं ने जेफरीज को एशियाई क्षेत्र में इस बाजार सेगमेंट पर उत्साहित बना दिया है। भारत के लिहाज से जेफरीज ने 15 शेयरों को संभावित मल्टीबैगर्स के रूप में पेश किया है। इस सूची में सिगनिटी टेक्नोलॉजीज, मैन इन्फ्रा कंस्ट्रक्शंस, कम्प्यूटर एज मैनेजमेंट सर्विसेज (कैम्स), ऐंजल ब्रोकिंग, कैंटाबिल रिटेल, जेबी केमिकल्स ऐंड फार्मा, एक्शन कंस्ट्रक्शन, सेंट्रल डिपोजिटरी सर्विसेज , त्रिवेणी टर्बाइन, बीएलएस इंटरनैशनल, नारायण हृदयालय, आयन एक्सचेंज इंडिया, ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ऐंड जेनसार मुख्य रूप से शामिल हैं।

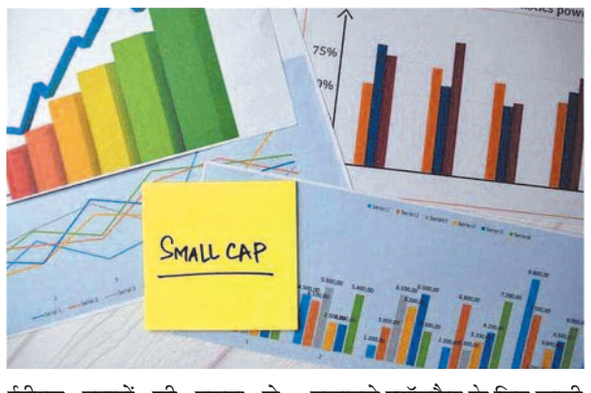

जेफरीज के महेश केडिया, देश पेरामुनेतिलके और निकोलस एनजी ने एक ताजा रिपोर्ट में लिखा है, '2024 एफ के लिए वृद्धि और 12 महीने आगामी ईपीएस रुझानों की तुलना से स्मॉलकैप के लिए आय को मदद मिलने का पता चलता है। जहां स्मॉलकैप और लार्जकैप दोनों को ही कुछ समय से डाउनग्रेड का सामना करना पड़ा है, वहीं आगामी ईपीएस रुझान से 2023 की चौथी तिमाही के बाद से स्मॉलकैप के लिए बड़े सुधार का पता चला है। इसके अलावा, 2024 एफ की आय वृद्धि चीन, हांगकांग, भारत और आस्ट्रेलिया में लार्जकैप के मुकाबले स्मॉलकैप के लिए काफी अधिक है।' जेफरीज का कहना है कि एशिया में स्मॉलकैप ने 2001 से बेहतर प्रदर्शन किया है और लार्जकैप के मुकाबले 216 प्रतिशत का शानदार प्रतिफल दिया। कोविड रिकवरी स्मॉलकैप के लिए एक प्रमुख उत्प्रेरक साबित हुई जिससे 2021 के बाद से लार्जकैप की तुलना में इसमें 27 प्रतिशत बेहतर प्रदर्शन को बढ़ावा मिला। रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी बाजार सेगमेंटों में स्मॉलकैप मल्टीबैगर बनने की ज्यादा क्षमता रखते हैं। वर्ष 2000 से जापान को छोड़कर एशिया प्रशांत देशों के शेयर बाजारों ने शानदार प्रदर्शन दर्ज किया और मल्टीबैगर का प्रतिफल वैश्विक औसत 9 प्रतिशत के मुकाबले 11 प्रतिशत रहा। यूरोप के लिए यह आंकड़ा 9.8 प्रतिशत, अमेरिका के लिए 8.3 और जापान के लिए 7.6 प्रतिशत रहा।

जेफरीज का कहना है कि कई भारतीय क्षेत्रों ने संचार सेवाओं और संपत्ति को छोड़कर मल्टीबैगर के मजबूत स्रोत के तौर पर काम किया है। इसके विपरीत हांगकांग और ताइवान में कई क्षेत्रों को मल्टीबैगर पैदा करने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। चीन के ए श्रेणी के शेयरों में उनके विदेशी प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले मल्टीबैगर बनने की ज्यादा संभावना रहती है जबकि कई आस्ट्रेलियाई क्षेत्रों ने भी मजबूत वृद्धि दर्ज की है।

खिलौनों के खेल में भारत ने चीन को किया चित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खिलौनों की दुनियाभर में धूम मच रही है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि फाइनेंशियल ईयर 2015 से 2023 के बीच भारत से खिलौनों के निर्यात में 239 फीसदी तेजी आई है। इस दौरान आयात में 52 फीसदी गिरावट आई है। इसके साथ ही खिलौनों को ग्लोबल मार्केट में चीन का दबदबा कम हो रहा है और भारत नेट एक्सपोर्टर बनकर उभरा है। दुनिया की कई बड़ी खिलौना कंपनियां अब चीन के बजाय भारत से खिलौने खरीद रही है। मार्केट रिसर्च फर्म आइएमएआरसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत की टॉय इंडस्ट्री की वैल्यू पिछले साल 1.7 अरब डॉलर थी जिसके 2032 तक 4.4 अरब डॉलर पहुंचने की उम्मीद है। मोदी सरकार ने देसी खिलौनों को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं जिनकी बदौलत भारत आज इस इंडस्ट्री में पावरहाउस बन रहा है।

बिजनस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में खिलौनों की बिक्री के लिए बीआईएस अप्रूवल को अनिवार्य बनाने, देसी खिलौनों को बढ़ावा देने, दुनियाभर की कंपनियों की चाइना-प्लस-वन पॉलिसी और बेसिक कस्टम्स ड्यूटी को बढ़ाकर 70 फीसदी किए जाने से देश में खिलौना उद्योग

ने उड़ान भरी है। । बीआईएस की अनिवार्यता लागू होने से पहले भारत में 80 फीसदी खिलौने चीन से आते थे लेकिन अब चीन से खिलौनों के आयात में काफी कमी आई है।

दुनिया में बढ़ रहा दबदबा

टायर बनाने वाली चेन्नई की कंपनी एमआरएफ के पास भी एक टॉय ब्रांड है जिसका नाम फनस्कूल है। कंपनी के सीईओ आर जसवंत ने कहा कि चीन के खिलौनों को बीआईएस से मान्यता नहीं मिली है। चीन से होने वाले आयात की जगह अब भारतीय प्रॉडक्ट्स ने ले ली है। दस साल पहले शायद ही कोई कंपनी भारत से खिलौने खरीद रही थी। लेकिन अब कई कंपनियों ने भारत में अपना बेस बनाया है।

आरपी एसोसिएट्स के मालिक पवन गुप्ता ने कहा कि भारत में खिलौनों का उत्पादन बढ़ गया है और कई कंपनियों ने भारत में अपना बेस बनाया है। पहले चीन से खिलौने खरीद रही कई कंपनियां अब दूसरे देशों में शिफ्ट हो रही हैं। इनमें भारत भी शामिल है। भारत सरकार ने एक जनवरी, 2021 से उन खिलौनों के आयात पर रोक लगा दी थी जिन्हें बीआईएस से सर्टिफिकेट नहीं मिला है। साथ ही सरकार ने फरवरी 2020 में खिलौनों पर बेसिक कस्टम ड्यूटी 20 फीसदी से बढ़ाकर 60 फीसदी कर दी थी जिसे मार्च 2023 में बढ़ाकर 70 फीसदी कर दिया गया था।

गुजरात बन रहा हब

टॉय एसोसिएशन ऑफ इंडिया का कहना है कि माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज को सपोर्ट करने के लिए बीआईएस नियमों में और ढील देने की जरूरत है। एसोसिएशन का कहना है कि देश में 6,000 से अधिक खिलौना बनाने वाली यूनिट्स हैं जिनमें से केवल 1,500 के पास ही बीआईएस लाइसेंस है। एसोसिएशन के प्रेजिडेंट अजय अग्रवाल ने कहा कि सरकार ने पिछले दो साल में एमएसएमई सेक्टर में कई तरह की छूट दी हैं। देश में कई स्टार्टअप कंपनियां इस सेक्टर में आगे आ रही हैं। देश में गुजरात टॉय मैन्यूफैक्चरिंग का हब बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो साल पहले मन की बात कार्यक्रम में देश के खिलौना उद्योग की जमकर तारीफ की थी।

आईएलएंडएफएस के निदेशक मंडल ने एनसीएलएटी में बैंकों के खिलाफ अर्जी लगाई

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबी ढांचागत वित्त कंपनी आईएलएंडएफएस के निदेशक मंडल ने 'इरादतन चूककर्ता घोषित करने की कार्यवाही शुरू करने से 11 कर्जदाताओं को रोकने के लिए अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी के समक्ष अर्जी दाखिल की है। सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता आईएलएंडएफएस समूह की कंपनियों को बकाया भुगतान न करने पर 'इरादतन चूककर्ता घोषित करने की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में हैं। इस पर रोक लगाने के लिए निदेशक मंडल ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) का रुख किया है।

कंपनी ने अपनी याचिका में कहा है कि वह अपीलीय न्यायाधिकरण के पिछले आदेशों का बैंकों द्वारा किए गए 'घोर उल्लंघन और अवहेलना से व्यथित है। उसने बैंकों पर आरबीआई दिशानिर्देशों की आड़ में प्रक्रियात्मक कार्रवाई करने और समूह की कंपनियों के निदेशकों को परेशान करने का भी आरोप लगाया। इस याचिका में आरोप

लगाया गया है कि बैंक कारण बताओ नोटिस जारी कर रहे हैं, इरादतन चूककर्ता पहचान समिति के समक्ष व्यक्तिगत सुनवाई की मांग कर रहे हैं और कंपनियों एवं उनके निदेशकों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू करने की धमकी दे रहे हैं। आईएलएंडएफएस ने नए बोर्ड द्वारा अक्टूबर, 2018 के बाद नियुक्त अन्य समूह कंपनियों और/या उनके निदेशकों और अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करने से बैंकों को रोकने का अनुरोध किया है। इसके अलावा इसने बैंकिंग क्षेत्र के नियामक आरबीआई को भी एक पक्ष बनाया है। इन बैंकों में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन बैंक, केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, आईडीबीआई बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शामिल हैं। वर्ष 2018 में भारी अनियमितता और वित्तीय संकट सामने आने के बाद एनसीएलएटी ने केंद्र की सिफारिश पर उसके तत्कालीन निदेशक मंडल को भंग कर दिया था। उस समय समूह पर 94,000 करोड़ रुपए का कर्ज था।

संक्षिप्त समाचार

केएल राहुल को IPL 2024 में खेलने के लिए मिली मंजूरी

नहीं कर सकेंगे ये काम!

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 की शुरुआत से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) ने केएल राहुल को इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन में खेलने के लिए मंजूरी दे दी है। लेकिन नेशनल क्रिकेट अकादमी ने उन्हें लीग के शुरुआती मैचों में एक काम ना करने के लिए भी कहा है।

केएल राहुल को NCA से मिली मंजूरी- लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान केएल राहुल को नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से आईपीएल में खेलने की मंजूरी मिल गई है। लेकिन उन्हें शुरू में ही ज्यादा कार्यभार नहीं लेने की सलाह दी गई है। नेशनल क्रिकेट अकादमी ने उन्हें लीग के शुरुआती मैचों में विकेटकीपिंग नहीं करने की सलाह दी है।

आरसीबी प्री-सीजन कैंप में शामिल हुए विराट, झूम उठे फैंस

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली आईपीएल 2024 से पहले एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के प्री-सीजन कैंप में शामिल हो गए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने स्टार बल्लेबाज का स्वागत करने के लिए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट किया। आरसीबी ने एक ट्वीट में कहा कि डैडी का घर और वह फिर से शासन करने के लिए तैयार है विराट कोहली ने नम्मा बेंगलुरु में चेक इन किया और हम शांत नहीं रह सकते। हर कोई खुश है। पूर्व कप्तान को प्रशिक्षण लेते हुए भी देखा गया था। आरसीबी द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कोहली ने कहा कि वापस आकर वास्तव में अच्छा लग रहा है, सबसे पहले क्रिकेट खेलना और आईपीएल की शुरुआत करना। आईपीएल सीजन की शुरुआत के लिए बैंगलोर वापस आना हमेशा रोमांचक होता है। मैं मीडिया के रडार से दूर नहीं हूं। मैं सामान्य स्थिति में हूं, आप कह सकते हैं कि दो महीने हो गए हैं।

एक आईपीएल मैच की कमाई पूरी पाक लीग के बराबर

दुनिया की कई क्रिकेअ लीग मिलकर भी इससे 4 गुना पीछे

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग का 17वां सीजन 2 दिन बाद शुरू होने जा रहा है। 2 महीने तक चलने वाले इस टूर्नामेंट से BCCI बंपर कमाई करेगा। दुनिया की अन्य टॉप-10 क्रिकेट लीग मिलकर भी कमाई के मामले में IPL से करीब चार गुना पीछे हैं।

पाकिस्तान अपनी फ्रेंचाइजी क्रिकेट लीग PSL से एक सीजन में ब्रॉडकास्टिंग राइट्स से जितनी कमाई करता है, IPL एक मैच दिखाकर उतना कमा लेता है। IPL की ब्रांड वैल्यू 2023 में 88 हजार करोड़ रुपए आंकी गई, जो इसे क्रिकेट में लंबे फासले से नंबर-1 लीग बनाती है।

बाकी 10 लीग की कंबाइंड वैल्यू से 4.4 गुना ज्यादा है आईपीएल

आईपीएल के बाद दुनिया की टॉप-10 क्रिकेट लीग की ब्रांड वैल्यू मिलकर करीब 20 हजार करोड़ रुपए है। दुनियाभर के बड़े ब्रांड्स की वैल्यूएशन करने वाली कंसलटेंसी ब्रांड फाइनेंस की रिपोर्ट अनुसार, आईपीएल अकेले ही इन सबसे 4.4 गुना ज्यादा- 88,000 करोड़ रुपए की ब्रांड वैल्यू रखता है। यानी दुनिया की टॉप-10 लीग मिलकर भी ब्रांड वैल्यू में आईपीएल से 340 प्रतिशत कम हैं। क्रिकेट लीग की ब्रांड वैल्यू में दूसरे नंबर पर इंग्लैंड का 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट है। पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) 2,486 करोड़ रुपए की ब्रांड वैल्यू के साथ 5वें नंबर पर है। इसके ठीक नीचे भारत की विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) है, जिसकी ब्रांड वैल्यू 2,246 करोड़ रुपए है।

क्या होती है ब्रांड वैल्यू?

ब्रांड वैल्यू किसी लीग के पूरे इकोसिस्टम की वैल्यू होती है। किसी टूर्नामेंट की ब्रांड वैल्यू उसके ब्रॉडकास्टिंग राइट्स, रेवेन्यू, मैदान में आने वाले दर्शक, स्पॉन्सर, टाइटल राइट्स, टीवी और ऑनलाइन दर्शक, खिलाड़ियों की कीमत, टीमों की कीमत और विज्ञापनों से तय होती है। आईपीएल की ब्रांड वैल्यू 2023 में 10.7 बिलियन डॉलर (करीब 88,700 करोड़ रुपए) रही। यानी किसी को अगर आईपीएल का मालिक बनना है तो उसे BCCI को 88,700 करोड़ रुपए देने होंगे।

ब्रॉडकास्टिंग में पूरे PSL सीजन के बराबर एक आईपीएल मैच

2023 में BCCI को IPL के डिजिटल और टीवी राइट्स बेचने पर 48,391 करोड़ रुपए मिले। यह रकम 5 साल के मैचों के लिए मिली, यानी एक सीजन के लिए ब्रॉडकास्टर्स ने 9,678 करोड़ रुपए दिए। इस हिसाब से BCCI को एक मैच दिखाने के लिए 119 करोड़ रुपए मिल रहे हैं। एक PSL सीजन के लिए ब्रॉडकास्टर्स पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (को 124 करोड़ रुपए देते हैं। यानी एक मैच से 3.60 करोड़ रुपए। विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) तक में एक मैच की ब्रॉडकास्टिंग से BCCI को 8.70 करोड़ रुपए मिलते हैं, जो PSL के मैच से ढाई गुना ज्यादा है। ब्रॉडकास्टिंग राइट्स में ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (BBL) दूसरे नंबर पर है।

वह शीर्ष जेवलिन थ्रोअर हैं...

पाकिस्तान के नदीम का भाला टूटा तो नीरज ने नए को लेकर दी यह सलाह

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम भालाफेंक की दुनिया के स्टार एथलीट हैं। हालांकि, किसी किसी इवेंट में दोनों की दोस्ती भी देखने को मिल जाती है। मौका मिलने पर नीरज नदीम की मदद करने से कभी नहीं थकते हैं। चाहे वह टोक्यो ओलंपिक हो या फिर विश्व चैंपियनशिप नीरज को नदीम से हाथ मिलाते और गले मिलते देखा गया था। दोनों ही टूर्नामेंट के इतर अपनी खुशमिजाजी और सौहार्द के लिए जाने जाते हैं। दोनों मैदान में भयंकर प्रतियोगी हो सकते हैं, लेकिन एक-दूसरे के लिए अपने मन में सम्मान रखते हैं। अरशद नदीम और नीरज चोपड़ा दोनों आगामी सीजन के लिए तैयारी कर रहे हैं। चोपड़ा इस समय तुर्किये में ट्रेनिंग कर रहे हैं, जबकि 27 वर्षीय नदीम की तैयारियों में रोड़ा अटक गया है। पाकिस्तानी खिलाड़ी ने हाल ही में कहा था कि वह कई वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर का भाला लेने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और पिछले सात से आठ साल से पुराने का ही इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, नीरज यह सुनकर हैरान हैं। पिछले साल बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नदीम को पीछे छोड़ स्वर्ण जीतने वाले नीरज ने हाल ही में साई मीडिया के साथ एक विशेष बातचीत में कहा, यह विश्वास करना कठिन है कि वह एक नया भाला हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनकी साख को देखते हुए, यह एक बड़ा मुद्दा नहीं होना चाहिए। बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप में नीरज के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाले अरशद नदीम ने हाल ही में मीडिया से कहा था, मेरा भाला टूट गया है और मैंने राष्ट्रीय महासंघ और मेरे कोच से पेरिस ओलंपिक से पहले इसके बारे में कुछ करने के लिए कहा है।

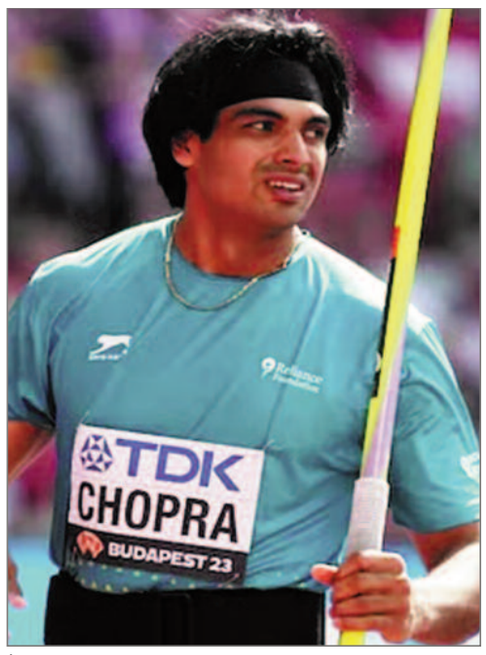

नदीम ने कहा, जब मैंने 2015 में शुरुआत की थी, तभी मुझे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेने के लिए मुझे यह भाला मिला था। ओलंपिक खेलों में पदक जीतने का लक्ष्य रखने वाले एक अंतरराष्ट्रीय एथलीट के लिए आपको उचित उपकरण और प्रशिक्षण सुविधाओं को मुहैया कराने की आवश्यकता होती है। नीरज के पूरे प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय दौरों का खर्च भारतीय खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम द्वारा दिया जाता है। उन्हें लगता है कि नदीम पाकिस्तान का गौरव हैं और उनका समर्थन किया जाना चाहिए।

90.18 मीटर थ्रो के साथ अरशद नदीम ने बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में शीर्ष स्थान हासिल किया था। साथ ही एक नया भाला फेंक रिकॉर्ड बनाया था। इसके साथ ही राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के पाकिस्तान का 60 साल का इंतजार खत्म हुआ। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं हो सकता कि उनके (अरशद) पास भाला खरीदने का साधन नहीं है। वह एक चैंपियन हैं और कुछ ब्रांड एंडोर्समेंट तो कर रहे होंगे।

वानिंदु हसरंगा ने टेस्ट रिटायरमेंट लिया वापस

खेलेंगे बांग्लादेश सीरीज; IPL 2024 के कुछ मैचों से कटा पत्ता

कोलंबों, एजेंसी। श्रीलंका के धाकड़ लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट वापस ले लिया है। वह बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में मैदान पर उतरने जा रहे हैं। यह सीरीज 22 मार्च से 3 अप्रैल तक चलेगी। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार (18 मार्च) को आगामी सीरीज के लिए 17 सदस्यीय स्क्वॉड का ऐलान किया है, जिसमें 26 वर्षीय हसरंगा का नाम भी शामिल है। उन्होंने पिछले साल 15 अगस्त को टेस्ट रिटायरमेंट की घोषणा की थी। श्रीलंका को बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में हार का मुंह देखा पड़ा है। हसरंगा ने टेस्ट से संन्यास की घोषणा के समय कहा था कि उन्होंने लिमिटेड ओवरों के क्रिकेट में अपना करियर लंबा खींचने के लिए यह निर्णय लिया है। लेकिन उन्होंने सात महीने में अपना फैसला पलट दिया। हसरंगा ने श्रीलंका के लिए अब तक चार टेस्ट मैचों में चार विकेट चटकाए हैं। वह आखिरी बार सबसे लंबे फॉर्मेट में 2021 में बांग्लादेश के विरुद्ध के विरुद्ध ही खेले थे। उन्होंने 54 वनडे में 84 विकेट जबकि 65 टी20 इंटनरेशनल मैचों में 104 विकेट लिए हैं। वह श्रीलंका की टी20 टीम के कप्तान हैं।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज खेलने के चलते हसरंगा का आईपीएल 2024 के कुछ मैचों से पत्ता कट जाएगा।

आईपीएल 2024 से पहले

बीसीसीआई ने ध्रुव जुरेल और सरफराज को दी खुशखबरी

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल के 2024 के सीजन से ठीक पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल और मध्य क्रम के बल्लेबाज सरफराज खान को एक बड़ी खुशखबरी दी है। इन दोनों खिलाड़ियों को एक स्पेशल लिस्ट में शामिल किया गया है।

धर्मशाला में लगातार तीसरा टेस्ट मैच खेलने के बाद ध्रुव जुरेल और सरफराज खान को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की लिस्ट में शामिल किया है, जो 2023-24 के लिए बनाई गई थी। बीसीसीआई ने इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले के बाद सालाना अनुबंध की सूची जारी की थी तो उसमें ये भी बताया था कि जैसे ही ध्रुव जुरेल और सरफराज खान धर्मशाला में अपने लगातार तीसरे टेस्ट मैच में खेलेंगे तो उनको ऑटोमैटिक सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल कर लिया है। बीसीसीआई ने इन दोनों खिलाड़ियों को ग्रेड सी में रखा है, जहां सालाना एक करोड़ रुपये खिलाड़ी को सैलरी के रूप में मिलते हैं।

ध्रुव जुरेल और सरफराज खान ने राजकोट टेस्ट मैच में डेब्यू किया था। दोनों खिलाड़ियों ने पहले ही टेस्ट से दमदार प्रदर्शन किया और सभी का दिल जीता। सरफराज खान ने अपने डेब्यू मैच की पहली और दूसरी पारी में अर्धशतक जड़ा, जबकि ध्रुव जुरेल ने डेब्यू टेस्ट मैच की पहली पारी में ही 46 रन बना दिए।

इस्लामाबाद युनाइटेड ने दूसरी बार जीता खिताब लगातार तीसरी बार फाइनल हारी ये टीम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सुपर लीग यानी पीएसएल के 2024 के सीजन की विजेता की घोषणा सोमवार 17 मार्च को कराची के नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में इस्लामाबाद युनाइटेड और मुल्तान सुल्तान्स के बीच हुए फाइनल के बाद हुई। इस्लामाबाद युनाइटेड ने खिताबी जीत हासिल की। इस्लामाबाद ने दूसरी बार इस ट्रॉफी पर कब्जा किया, जबकि लगातार तीसरी बार मुल्तान सुल्तान्स को खिताबी मैच में हार का सामना करना पड़ा। लगातार चौथी बार मुल्तान की टीम फाइनल में थी, लेकिन 2021 का खिताबी जीतने के बाद इस टीम को 2022, 2023 और अब 2024 में फाइनल में हार ही झेलनी पड़ी है। पीएसएल 2024 के फाइनल को महज 2 विकेट के अंतर से शादाब खान की कप्तानी वाली इस्लामाबाद युनाइटेड को जीत मिली। मैच का नतीजा आखिरी ओवर की आखिरी गेंद पर निकला, जब हुनेन शाह ने आखिरी गेंद पर चौका जड़ दिया। इससे पहले की गेंद पर एक बल्लेबाज आउट हो गया था। ऐसे में मुकाबला बराबरी पर खत्म हो सकता था, लेकिन इस युवा खिलाड़ी ने मोहम्मद अली को चौका जड़कर अपनी टीम को सुपर ओवर से पहले ही जीत दिला दी।

केन्या वर्सेस साउथ अफ्रीका

फिर उलटफेर का शिकार हुई साउथ अफ्रीका, अब केन्या ने 70 रन से हराकर किया शर्मसार

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 में हमने बड़ी-बड़ी टीमों के साथ उलटफेर होते हुए देखा है। साउथ अफ्रीका को नीदरलैंड्स ने हराकर सबको हैरान कर दिया था। वहीं अफगानिस्तान ने इंग्लैंड को धूल चटा दी थी। हालांकि अब अफ्रिकन गेम्स (अफ्रिका खेलों) में भी कुछ इसी तरह का मंजर फिर देखने को मिला। केन्या ने साउथ अफ्रीका को 70 रन से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। आखिर यह सब कैसे और किस तरह हुआ, आइये विस्तार से जानते हैं।

केन्या ने पहली पारी में बनाए 141 रन

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए, केन्या ने 20 ओवरों में 6 विकेट पर 141 रन बनाए। 2003 आईसीसी विश्व कप के दिग्गज कोलिन्स ओबुया ने 47 गेंदों पर 58 रन बनाए, जिसमें उनके बल्ले से 7 चौके और 2 छक्के भी देखने को मिले।

दबंग की अगली कड़ी को निर्देशित करना चाहते हैं अरबाज

वर्ष 2010 में सलमान खान के भाई अरबाज खान ने अपने प्रोडक्शन तले सलमान खान को लेकर फिल्म दबंग का निर्माण किया था। लेखक निर्देशक अभिनव कश्यप ने सलमान खान को इस फिल्म में अलग अंदाज में पेश किया। उनका यह अंदाज दर्शकों को भाया और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही। सलमान के फैंस को उनका चुलबुल पांडे अवतार बहुत पसंद आया था। इसके इसकी फ्रेंचाइजी की दो फिल्में–दबंग-2 और दबंग-3–आई। दबंग-2 का निर्देशन अरबाज ने किया था और अब हर कोई फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त ङ्क 'दबंग 4' के लिए बेताब है। हाल ही में ऐसी अफवाहें थीं कि सलमान और अरबाज ने 'दबंग' के अगले पार्ट पर चर्चा करने के लिए 'जवान' के निर्देशक एटली से मुलाकात की थी। अब 'दबंग 2' बनाने वाले अरबाज ने एक इंटरव्यू में इस बारे में खुलकर बात की। अरबाज ने बात करते हुए कहा कि मैं अपने जीवन में कभी भी फिल्म निर्माता एटली से नहीं मिला। इन अफवाहों पर तब तक यकीन नहीं करना चाहिए जब तक कि मैं इनकी पुष्टि न कर लूं। हालांकि सलमान 'दबंग 4' करने के इच्छुक हैं। सलमान और मैं फिलहाल अपने-अपने प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं। मैं 'दबंग 4' का निर्देशन करना पसंद करूंगा, लेकिन अभी तक कुछ भी तय नहीं किया है।

शिल्पा ने दिया फिटनेस मंत्र

हाल ही में फिल्म सुखी में नजर आईं बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी कुंद्रा फिटनेस मंत्र दे रही हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक बेंच पर वन-लेग स्क्वाट करते हुए अपना एक वीडियो साझा किया। वीडियो में शिल्पा को जिम वियर पहने और पूरी तरह से फोकस कर संतुलन बनाते हुए देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, मुझे कोई भी रैंप दे दो, मैं इसे अपना बना लूंगी। सब बैलेंस का खेल है ! स्टाइल में एक बेहतरीन लेग वर्कआउट। शिल्पा ने आगे कहा, मुझे पूरी ड्रिल पाने के लिए कुछ प्रयास करने पड़े, लेकिन यह चुनौतीपूर्ण है। इसे आज़माएं और मुझे टैग करें। देखते हैं कितने लोग इसे पूरा कर पाते हैं। इससे पहले एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट पोशाक के साथ हरे रंग में धूम मचाई थी।

उन्होंने हरे रंग की पोशाक पहनी थी, जिसे उन्होंने फूलों के पैटर्न वाले क्रीम रंग के साथ जोड़ा था। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने कमेंट बॉक्स में आकर शिल्पा की पोशाक की पसंद की सराहना की। उन्होंने लिखा, वाह। इस बीच, अगर उनके वर्क फ्रंट की बात करें, तो शिल्पा कन्नड़ फिल्म केडी - द डेविल की तैयारी कर रही हैं, जिसमें संजय दत्त और जिशु सेनगुप्ता भी हैं।

एक्टर के तौर पर पर्दे पर वापसी को तैयार फरहान

फरहान अब तक कई फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके हैं। जिंदगी मिलेगी ना दोबारा और भाग मिल्खा भाग जैसी हिट फिल्मों में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया था। फरहान अख्तर की गिनती बॉलीवुड के उम्दा कलाकारों में होती है। अभिनय के साथ वे निर्देशक, निर्माता, गायक और गीतकार के रूप में भी अपने प्रतिभा का जलवा बिखेर चुके हैं। दिल चाहता है, डॉन जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके फरहान अभिनेता के तौर पर जल्द ही बड़े पर्दे पर अपनी वापसी करने जा रहे हैं।

फरहान अख्तर शुरू करेंगे शूटिंग

फिल्म तूफान के बाद वे जल्द ही बतौर अभिनेता अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग करने जा रहे हैं। हाल ही में एक बातचीत में उन्होंने खुलासा किया कि वे अपनी फिल्म की शूटिंग जुलाई में शुरू करने जा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने बताया कि वे इस समय केवल इस पर ही ध्यान केंद्रित करना चाह रहे हैं।

निर्देशन के तौर पर भी करेंगे वापसी

फरहान अब तक कई फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके हैं। जिंदगी मिलेगी ना दोबारा और भाग मिल्खा भाग जैसी हिट फिल्मों में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया था।

मां बनीं ये रिश्ता क्या कहलाता है की जमसीत

ये रिश्ता क्या कहलाता है की जमसीत यानि एक्ट्रेस शिरीन सेवानी के घर नन्हें मेहमान की किलकारी गूंजी है। जी हां, शिरीन सेवानी मां बन गई हैं। एक्ट्रेस के घर नन्हें शहजादे की किलकारी गूंजी है। शिरीन के 11 मार्च को बेटे को जन्म दिया हालांकि इस खुशखबरी को उन्होंने 18 मार्च को फैंस के साथ शेयर किया।

बता दें कि शिरीन सेवानी ने साल 2020 में पायलट उदयन सचान संग शादी रचाई थी। वहीं अब कपल ने शादी के तीन साल बाद अपने पहले बच्चे का स्वागत किया।

सयानी गने हेयर स्पा सेशन की झलक साझा की

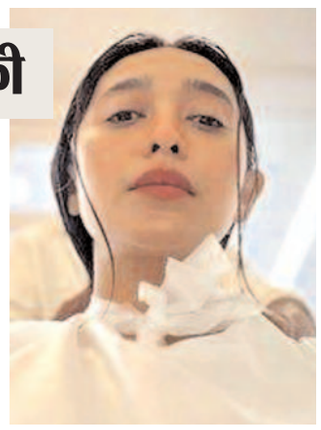

अभिनेत्री सयानी गुप्ता ने हेयर स्पा सेशन की एक मजेदार झलक सोशल मीडिया पर साझा की है। इससे पहले एक्ट्रेस को फिल्म ज्विगाटो में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरते हुए देखा गया था। बता दें कि अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर कई वीडियो और तस्वीरें साझा कीं। वो एक सैलून में बैठी हुई नजर आ रही हैं। तस्वीरों में अभिनेत्री गले में सफेद कपड़ा पहनकर स्पा लेती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने मैरून लिपस्टिक लगाई हुई है और सेल्फी के लिए पोज दे रही हैं।

वीडियो में सयानी को अपनी आंखें बंद करते हुए दिखाया गया है, जबकि वह हेयर स्पा सत्र का आनंद ले रही हैं। पोस्ट का शीर्षक है. लास्ट स्लाइड~उस कुत्ते की तरह जो ऊंघ रहा है ! वहीं, अगर उनके वर्कफ्रंट की बात करें, तो उन्होंने 2022 फिल्म ज़्विगाटो में अहम भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में कपिल शर्मा और शहाना गोस्वामी मुख्य भूमिका में हैं। वह फोर मोर शॉट्स प्लीज !, इनसाइड एज, आर्टिकल 15 और पैगलैट में अपने काम के लिए भी जानी जाती हैं।

आलिया भट्ट ने सुनाई

अपने माता-पिता की संघर्ष गाथा, बोलीं- सब जानती हूं, नहीं करूंगी कोई शिकायत

आलिया भट्ट हाल ही में अपनी मां सोनी राजदान के बारे में बात करती नजर आईं। इस दौरान उन्होंने उन चुनौतियों का जिक्र किया, जिनका सामना सोनी ने शुरुआती करियर के दौरान किया। आलिया ने कहा कि इंडस्ट्री सें कॉन्टेक्ट्स की कमी और हिंदी भाषा पर पकड़ न होने के बावजूद सोनी राजदान ने एक्टिंग करियर जारी रखा। उन्होंने अपना हुनर दिखाया। इसके अलावा सोनी ने अपने पिता महेश भट्ट

की करियर यात्रा के बारे में भी जानकारी साझा की।

पिता को लग गई थी शराब की लत

आलिया भट्ट ने महेश भट्ट की अल्कोहल की लत का जिक्र किया। एक मीडिया बातचीत के दौरान आलिया ने कहा कि एक वक्त था, जब उनके पिता महेश भट्ट की कई फिल्में फ्लॉप थीं। उनके पास आर्थिक तंगी थी और वे शराब की लत से जूझ रहे थे। हालांकि, बाद में उन्होंने शराब पीनी छोड़ दी, लेकिन उन्होंने अपने जीवन में तमाम-उतार चढ़ाव देखे हैं।

बोलीं-कभी नहीं करूंगी शिकायत

आलिया ने कहा कि उनके माता-पिता को इस मुकाम तक पहुंचने में बहुत संघर्ष से गुजरना पड़ा। वह इस संघर्ष को पहचानती हैं। आलिया ने कहा कि अगर उनका करियर अच्छा नहीं चलता, या उन्हें फिल्में मिलनी बंद हो जाती हैं तो भी वह हमेशा इस सच्चाई को स्वीकार करेंगी कि उसे इतने अच्छे अवसर मिले हैं, इसलिए वह कभी शिकायत नहीं कर सकती।

बोलीं- मां ने मेहनत खूब की

आलिया ने आगे कहा कि उनकी मां जिस बैकग्राउंड से आई थीं, उन्हें नहीं मालूम था कि कैसे काम करना है। उनका फिल्मों से कोई लेना-देना नहीं था। वह ऑडिशन के लिए थिएटर से लेकर फिल्म स्टूडियो और टेलीविजन स्टूडियो तक जाती थीं।

मलयालम एक्ट्रेस अरूंधति नायर एक्सीडेंट में घायल

मशहूर मलयालम एक्ट्रेस अरुंधति नायर का एक्सीडेंट हो गया है और वो वेंटिलेटर पर हैं। अरुंधति 14 मार्च को एक बड़ी बाइक दुर्घटना का शिकार हो गईं, जब वह अपने भाई के साथ बाइक पर चेन्नई कोवलम बाईपास रोड पर यात्रा कर रही थीं। एक्ट्रेस को एक वाहन ने तब टक्कर मार दी जब वह एक यूट्यूब चैनल के साथ एक इंटरव्यू के बाद लौट रही थीं।

एक्ट्रेस की बहन ने पोस्ट करके लिखा, हमें तमिलनाडु के समाचार पत्रों और टेलीविजन चैनलों में रिपोर्ट की गई खबरों को स्पष्ट करने की आवश्यकता महसूस हुई। मेरी बहन अरुंधति नायर का तीन दिन पहले एक्सीडेंट हो गया था।

वह गंभीर रूप से घायल है और तिरुवनंतपुरम के अनंतपुरी अस्पताल में वेंटिलेटर अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रही हैं। अरुंधति की दोस्त और एक्ट्रेस गोपिका अनिल ने फैंस और फॉलोवर्स से पैसों की मदद मांगी क्योंकि इलाज में पैसे कम पड़ रहे हैं। सोशल मीडिया पोस्ट कर गोपिका ने लिखा, मेरी फ्रेंड अरुंधति नायर का पिछले दिन एक्सीडेंट हो गया और उसकी हालत बहुत गंभीर है। वह वेंटिलेटर पर अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रही है, इसलिए अस्पताल का रोज का खर्च वहन करना बहुत मुश्किल हो रहा है।

हम अपना काम कर रहे हैं लेकिन अस्पताल की मौजूदा जरूरतों को पूरा करने के लिए यह पूरा नहीं हो रहा है। मैं आप सभी से अनुरोध करती हूं कि कृपया यथासंभव योगदान दें ताकि यह उनके परिवार के लिए बहुत मददगार हो। बहुत बहुत धन्यवाद।

मुकेश ने शक्तिमान के रूप में रणवीर को नापसंद

मुकेश खन्ना को भारत के पहले सुपरहीरो शक्तिमान की ऑन-स्क्रीन भूमिका के लिए जाना जाता है। लोगों के सुपरहीरो पर एक बड़े-से-बड़े मोशन पिक्चर की घोषणा के बाद, प्रशंसक इस बात को लेकर उत्साहित थे कि नायक की भूमिका कौन निभाएगा। दिग्गज अभिनेता ने अब एक यूट्यूब वीडियो और एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा किया है, जहां उन्होंने रणवीर सिंह को शक्तिमान के रूप में कास्ट किए जाने की खबरों का खंडन किया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी और रणवीर सिंह की एक कोलाज तस्वीर साझा की। अभिनेता ने अपने पोस्ट को कैप्शन दिया, पूरा सोशल मीडिया महीनों से अफवाह है कि भरा पड़ा था कि रणवीर करेगा शक्तिमान। और हर कोई नाराज़ था इसे लेकर। मैं चुप रहा। लेकिन जब चैनलों ने भी एलान करना शुरू कर दिया कि रणवीर साइन हो गया है तो मुझे मुंह खोलना पड़ा और मैंने बोल दिया कि ऐसी इमेज वाला व्यक्ति कितना भी बड़ा स्टार क्यों ना हो शक्तिमान नहीं बन सकता।

मैंने अपना पैर नीचे रख दिया है। अब आगे आगे देखिये होता है क्या? (सोशल मीडिया पर ऐसी अफवाहें हैं कि रणवीर सिंह शक्तिमान का किरदार निभाएंगे और हर कोई इस बात से नाराज था। मैं चुप रहा। लेकिन जब चैनलों ने घोषणा करना शुरू कर दिया कि रणवीर को साइन कर लिया गया है, तो मुझे बोलना पड़ा। और मैंने कहा है कि नहीं चाहे वह कितना भी बड़ा स्टार क्यों न हो, ऐसी छवि वाला व्यक्ति कभी शक्तिमान नहीं बन सकता। मैंने अपना कदम नीचे रख दिया है। अब देखते हैं आगे क्या होता है)। मुकेश ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो भी पोस्ट किया जिसमें उन्होंने पेपर मैगजीन के लिए रणवीर के न्यूड फोटोशूट की आलोचना की। अभिनेता की आलोचना करते हुए मुकेश ने कहा कि ऐसी हरकतें भारतीय संस्कृति के खिलाफ हैं। उन्होंने रणवीर पर निशाना साधते हुए कहा, अगर वह नग्नता में सहज महसूस करते हैं तो उन्हें ऐसे देशों में जाना चाहिए जहां वह हर तीसरे सीन में न्यूड सीन दे सकें।

मिले जब हम तुम की रति पांडे टीवी से होने के नाते झेल चुकी हैं भेदभाव

टीवी एक्ट्रेस रति पांडे, जो अब खेसारी लाल यादव के साथ 22 मार्च को भोजपुरी फिल्म रंग दं बसंती में नजर आने वाली हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में अपनी टीवी की दुनिया से जुड़ी कुछ बातें की हैं। उन्होंने बताया कैसे अपनी पसंद के कारण, अच्छे मौके हाथ से चले गए। मिले जब हम तुम की नुपुर शर्मा और हिटलर दीदी के नाम से मशहूर एक्ट्रेस रति पांडे 22 मार्च को अपनी भोजपुरी फिल्म रंग दे बसंती में नजर आने वाली हैं। उसी के प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू दिया, जिसमें उन्होंने अपने साथ होने वाले भेदभाव का भी जिक्र किया। साथ ही इन्होंने कई प्रोजेक्ट्स को हाथ से जाने के बारे में भी बताया।

रति पांडे ने एक इंटरव्यू में प्रोजेक्ट्स को खोने का अफसोस जताया। कहा, मेरा मानना है कि मिले जब हम तुम और हिटलर दीदी मेरी लाइफ का सबसे अच्छा पल था और मैंने उस दौर को खूब इंजॉय भी किया। उसके बाद मेरी चॉइस ऐसी थी कि डाउनफॉल भी आया। कई बार ऐसा लगता है कि अगर थोड़े पैसे कम करके वो प्रोजेक्ट कर लेती तो अच्छा होता।। लेकिन बीच में जितने भी डाउनफॉल आए हैं, मैं उसके लिए मैं यूनिवर्स को थैंक यू कहती हूं कि मेहरबानी हमेशा बनी रही। मैं एक बात में विश्वास करती हूं कि जो भी होता है, अच्छे के लिए होता है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की योद्धा का मंडे टेस्ट में हुआ बुरा

सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म योद्धा बॉक्स ऑफिस पर धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ती जा रही है। फर्स्ट वीकेंड में फिल्म की कमाई का आंकड़ा लगातार बेहतर होता गया है लेकिन सोमवार को फिल्म की कमाई में फिर एक बार बड़ी गिरावट देखने को मिली है।

यूं तो किसी भी फिल्म के लिए मंडे टेस्ट पास कर पाना आसान नहीं होता है, लेकिन जब बात किसी छोटे या मध्यम बजट वाली फिल्म की हो, तो कमाई के आंकड़े बहुत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। फिल्म ने रिलीज वाले दिन 4 करोड़ 1 लाख रुपये का बिजनेस किया था और दूसरे ही दिन कमाई में 40% से ज्यादा की ग्रोथ देखने मिली।

रिलीज के बाद दूसरे दिन फिल्म की कमाई का आंकड़ा उछलकर 5 करोड़ 75 लाख रुपये हो गया। तीसरे दिन फिल्म की कमाई में फिर से 21.75त्न की ग्रोथ आई और कमाई का आंकड़ा उछलकर 7 करोड़ तक पहुंच गया। फर्स्ट वीकेंड खत्म होने तक फिल्म 16 करोड़ 85 लाख रुपये कमा चुकी थी।